

संक्षिप्त

नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने सर्कुलर रोड में 10 अस्थायी संरचनाओं को हटाया

रांची। रांची नगर निगम ने राजधानी में व्यवस्थित यातायात, सुरक्षित आवागमन और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सोमवार को अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। निगम की इंफोर्समेंट टीम ने विमेंस कॉलेज और सेंट जेवियर्स कॉलेज के आसपास सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों से अस्थायी संरचनाओं और सड़क किनारे सामान बेचने वालों को हटवाया। अभियान के दौरान विमेंस कॉलेज के साईंस ब्लॉक के पास सड़क पर बनी 10 अस्थायी संरचनाओं को हटाया गया तथा दो ठेले जब्त किए गए। इसके बाद सर्कुलर रोड स्थित सेंट जेवियर्स कॉलेज के सामने भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यहां से तीन काउंटर, दो टेबल सहित अन्य सामग्री जब्त की गई। नगर निगम की टीम ने कार्रवाई के दौरान सड़क और पैदल आवागमन के लिए निर्धारित स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराया। निगम के अनुसार, इससे कॉलेज आने-जाने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन में सुविधा मिलेगी। अभियान के दौरान संबंधित लोगों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सड़क, फुटपाथ या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा अतिक्रमण किए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित वातावरण, पैदल यात्रियों के लिए सुगम मार्ग और आम नागरिकों के लिए निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना है। निगम ने दुकानदारों और आम लोगों से सार्वजनिक मार्गों एवं फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त रखने में सहयोग करने की अपील की है।

भ्रष्टाचार की स्वतंत्र जांच की मांग, मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर झारखंड स्टेट फ्रामेस्री काउंसिल में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच अथवा उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की नियुानी में जांच कराने का आग्रह किया है। मरांडी ने पत्र में पिछले दस वर्षों के दौरान काउंसिल की ओर से जारी सभी अनारपति प्रमाण पत्र (एनओसी), मान्यताओं, सोट आवंटन और डिग्रियों का व्यापक ऑडिट कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच के दायरे में संबंधित मंत्री, अधिकारियों, काउंसिल के पदाधिकारियों और कथित बिचौलियों की भीष्मका की शामिल की जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पिछले करीब एक दशक में झारखंड में फ्रामेस्री कॉलेजों की संख्या तीन से बढ़कर करीब 150 हो गई। आरोप है कि कई संस्थाओं को आवश्यक मानकों और संसाधनों की उपलब्धता के बिना एनओसी प्रदान की गई तथा प्रति कॉलेज करीब 30 लाख रुपये तक की अवैध वसूली किए जाने की बात सामने आई है। मरांडी ने कहा कि पूरे तंत्र में करीब 800 करोड़ रुपये के कथित सिंडिकेट की बात सामने आ रही है। कई कॉलेजों की बाद में मान्यता दद किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि इतने बड़े स्तर पर वर्षों तक कथित अनियमितताएं होती रहें, तो सरकार, संबंधित विभाग, मंत्री, अधिकारी और काउंसिल के पदाधिकारी इससे अनभिज्ञ कैसे रहे।

वैज्ञानिक प्रदर्शनी

नवाचार से आत्मनिर्भर भारत का संदेश

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सोमवार को बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा, जिज्ञासा और नवाचार की साक्षी बनी। अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में 53वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी-2026 का आयोजन किया गया। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रदर्शनी में राज्यभर के विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित रहा। झारखंड के विभिन्न

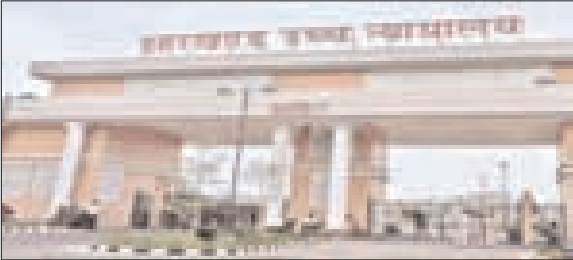
माध्यमिक आचार्य भर्ती परीक्षा मामले में हाइकोर्ट में सुनवाई पूरी

2,819 अभ्यर्थियों की पुनर्परीक्षा मामले में फैसला रखा सुरक्षित

एसीएफ-एफआरओ 2024 नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के आदेश पर रोक से हाई कोर्ट का इनकार

रांची। झारखंड सरकार की ओर से नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने संबंधी जारी अधिसूचना को चुनौती देने वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से अदालत को बताया गया कि परीक्षा में उनकी ओर से कोई गलती नहीं की गई थी, इसके बावजूद उन्हें पुनर्परीक्षा में शामिल होना पड़ा। प्रार्थियों ने आग्रह किया कि पहले आयोजित परीक्षा के आधार पर ही उनका परिणाम जारी किया जाए। उन्होंने परीक्षा के दौरान संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप को भी गलत बताया। वहीं, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने अदालत को बताया कि माध्यमिक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में शामिल करीब 24 हजार अभ्यर्थियों में से 2,819 अभ्यर्थियों की गतिविधियां परीक्षा के दौरान संदिग्ध पाई गई थीं। उन्होंने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश के अनुरूप इन सभी 2,819 अभ्यर्थियों की पुनर्परीक्षा कराई गई है। जेएसएससी की ओर से बताया गया कि जांच एजेंसी को इन

अभ्यर्थियों की परीक्षा के दौरान बाहर से अनधिकृत एक्सेस किए जाने के पुख्ता संकेत मिले थे। यह भी पता चला कि संबंधित अभ्यर्थियों के कंप्यूटर में किस आईडी के माध्यम से एक्सेस किया



ही रोक लगा चुका है। प्रार्थियों ने इसी आधार पर एसीएफ और एफआरओ नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के आदेश पर भी रोक लगाने का आग्रह किया। उन्होंने आशंका जताई कि सरकार इन पदों पर नई नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी कर सकती है। इस पर अदालत ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो प्रार्थी अदालत में हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल

गया था। अधिवक्ता ने कहा कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी से संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद जेएसएससी ने कार्रवाई की थी। ऐसे में प्रार्थियों का यह कहना सही नहीं

कर सकते हैं। अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 सितंबर की तिथि निर्धारित की गई है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहितश्रय रॉय ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर

है कि इस मामले में उनकी कोई सौलपता नहीं थी। जेएसएससी ने अदालत में अपने निर्णय का बचाव करते हुए कहा कि 2,819 अभ्यर्थियों की पुनर्परीक्षा कराने का फैसला उचित था। आयोग की ओर

राज्यपाल ने 18वीं वर्ल्ड अनिस चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं



रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को रांची स्थित लोक भवन में 18वीं वर्ल्ड अनिस चैंपियनशिप-2026 में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों ने मुलाकात की। राज्यपाल ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक हासिल करना खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते

हुए कहा कि वे आगे भी इसी समर्पण और लगन के साथ खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें तथा देश और झारखंड का नाम रोशन करें। इस अवसर पर कोच विश्वजीत कुमार के साथ खिलाड़ी लखन उरांव, आरित उरांव, अध्वक राउत, ईशान भगत और कुमकुम विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 18वीं वर्ल्ड अनिस चैंपियनशिप-2026 का आयोजन नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में एक से चार अगस्त तक किया गया था। प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया।

एक नजर

सावन की आखिरी सोमवारी, हर जुबां पर गूंजा हर-हर महादेव, सावन की विदाई बना यादगार



रांची। सावन की आखिरी सोमवारी पर राजधानी रांची पूरी तरह शिवमय नजर आई। भोर का उजाला फैलने से पहले ही शिवालयां की ओर श्रद्धालुओं का कारवां निकल पड़ा। हाथों में जल से भरे पात्र, पूजा की थाली और बेलपत्र लिए भक्त मंदिरों की ओर बढ़ते गए। जैसे ही मंदिरों के पट खुले, घंटियों की गूंज, शंखनाद और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शहर के प्रमुख शिवालयां में उमड़ी आस्था ने सावन की विदाई को यादगार बना दिया। बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह दिखा। शिवालयां में उमड़ी भीड़ ने भक्ति की ऐसी तस्वीर पेश की, जहां हर चेहरे पर बाबा भेलेनाथ के दर्शन की ललक और हर जुबां पर महादेव का नाम था। ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। हिन्दू स्थित महामृत्युंजय महादेव मंदिर, स्वर्णरेखा नदी के तट पर कतारी बगान स्थित प्रसिद्ध सुरेश्वर महादेव मंदिर, कोकर शिव मंदिर समेत राजधानी के अन्य शिवालयां में भी सुबह से भक्तों की भीड़ जुटने लगी। दिन चढ़ने के साथ कतारें लंबी होती गईं और मंदिर परिसर बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजते रहे। किसी के हाथ में दूध और जल से भरा कलश था, तो किसी की पूजा की थाली बेलपत्र, फूल और धतूरे से सजी थी। माथे पर चंदन-भस्म का तिलक और हठों पर महादेव का नाम लिए श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते रहे। लंबी कतार और घंटों के इंतजार के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। जलाभिषेक और पूजन-दर्शन के बाद किसी ने परिवार की सुख-शांति, किसी ने समृद्धि, तो किसी ने अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना की। घंटियों की लगातार गूंज, शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच शिवालयां का वातावरण देर तक भक्तिमय बना रहा। कहीं श्रद्धालु शिव नाच का जाप करते नजर आए, तो कहीं जयकारों से मंदिर परिसर गुंज उठा। सुबह से शुरू हुआ आस्था का यह सिलसिला देर मंदिर तक जारी रहा। सुबह से आखिरी सोमवारी पर रांची में भक्ति केवल मंदिरों की चौखट तक सीमित नहीं रही। शहर की फिजा में दिनभर शिव का नाम घुला रहा और हर ओर एक ही स्वर सुनाई देता रहा—हर-हर महादेव।

माँ शारदे मंच का सावन मिलन हर्षोल्लास संपन्न



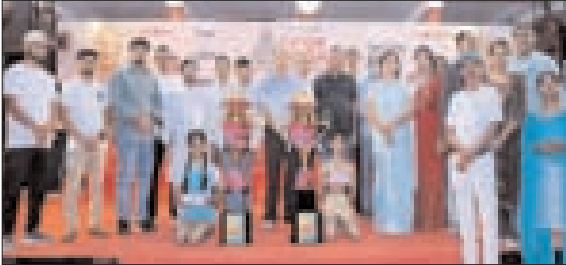
रांची। चुटिया स्थित ब्लू शिवालिक होटल के सभागार में माँ शारदे मंच द्वारा सावन मिलन 2026—सावन के झुले पड़े कार्यक्रम का भव्य आयोजन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य से जुड़ी महिलाएं एवं गणमान्य अतिथि मौजूद थे। सावन के गीत, नृत्य, संगीत और मनोरंजक गतिविधियों ने पूरे माहौल को उल्लास से भर दिया। उपस्थित लोगों ने सावन के परंपरिक रंगों और संस्कृति को जीवंत करते हुए कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पंचदशनाम जुना किन्नर अखाड़ा से महामंडलेश्वर अमरजीत नंदगिरी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथि किरण चौधरी,रीता दुबे एवं रीना सिंह का भी माँ शारदे मंच की ओर से सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का महत्वपूर्ण और विशेष आकर्षण किन्नर समाज की उन प्रतिभाशाली महिलाओं का सम्मान रहा, जिन्होंने समाज की रूढ़ि धारणाओं को पीछे छोड़ते हुए शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। उनके संघर्ष, आत्मनिर्भरता और उपलब्धियों को मंच की ओर से सम्मानित किया गया। माँ शारदे मंच की अध्यक्ष नीतू सिन्हा ने बताया कि संस्था का उद्देश्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में कार्य करते हुए त्याग, करुणा और विश्वास के मूल मंत्र के साथ समाज में प्रेम, सम्मान, समानता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। सावन मिलन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक कार्यक्रमों, उपहार वितरण एवं सामूहिक भोजन ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का संचालन योगी श्री द्वारा किया गया। माँ शारदे मंच की सदस्य रिश्म रानी, योगी श्री, शिखा प्रिया, सीमा श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह, ऋतुराज वर्मा, समीर सिन्हा, विकास साह, संगीता शर्मा, प्रेमलता, कनकलता आदि साहित्यकारों,अतिथियों एवं सभी प्रतिभागियों के सम्मिलित प्रयास से कार्यक्रम सफल हुआ। मंच की अध्यक्ष नीतू सिंह ने कहा कि भविष्य में साहित्य, संस्कृति और समाजसेवा को एक साथ जोड़ते हुए ऐसे सार्थक एवं भव्य आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे।

दो दिवसीय सत्यानंद ओपन योग चैंपियनशिप संपन्न

योग जिनीयस की प्रियांशु व जमशेदपुर के दीप्तांशु बने चैंपियन ऑफ चैंपियंस

रांची। बिशप स्कूल बहु बाजार सभागार में सत्यानंद योगा एसोसिएशन एवं श्री अरविंदो आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सत्यानंद ओपन योग चैंपियनशिप रविवार को संपन्न हुई।

प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न स्थानों से विभिन्न आयु वर्गों में लगभग 400 से ऊपर प्रतिभागियो ने भाग लिया। दो दिवसीय योग प्रतियोगिता के अलावा पेंटिंग, निबंध, रंगोली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित की गई। योग प्रतियोगिता में रांची योग जीनियस की प्रियांशु और बालक वर्ग में जमशेदपुर के दीप्तांशु ने चैंपियन ऑफ चैंपियंस के खिताब पर कब्जा किया। वहीं ओवरऑल टैम चैंपियनशिप योग जीनियस एवं उपविजेता का खिताब संत भादकल स्कूल जीता। झारखंड के निर्णयाको के सहयोग से



प्रतियोगिता सफल बनाने में अहम भूमिका निभायें। संस्था के निदेशक आदित्य कुमार सिंह एवं सचिव रूपम कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस जटाशंकर चौधरी, रामस्वरूप रंगटा, श्री अरविंद सोसाइटी के सचिव रंश शर्मा, अशोक पाठक नीरज बुधिया, हिमांशु विश्वास, अंजली वर्मा, डॉ पीके मित्रा, सुशांत भट्ट, आदित्य

कुमार सिंह, संजय कुमार झा, डॉ रूपम सिंह ने खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार वितरण किया। इस मौके आदित्य कुमार सिंह,डा रूपम सिंह, अमरेंद्र कुमार विकल, सुशील बनर्जी, अनुु झा, वंदना कुमारी, सीमा राय, निककी राय, सलोनी कुमारी, विवेक कुमार, रोहित सिंह,सुनील कुमार, निककी कुमारी, अनुपम कुमारी, अभिषेक कुमार, कुमार सुजीत सहित योग प्रेमी, योग प्रशिक्षक उपस्थित थे।

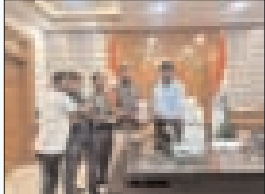
जिलों के करीब 60 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक मॉडल और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीक, नवाचार और दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान की नई संभावनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का उद्घाटन माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों के मॉडल और परियोजनाओं का अवलोकन करते हुए उनकी रचनात्मक सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी बच्चों के भीतर छिपी वैज्ञानिक प्रतिभा को सामने लाने के साथ उनमें जिज्ञासा, प्रयोगधर्मिता, तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करती

है। प्रदर्शनी में प्रस्तुत परियोजनाओं का निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन किया गया। विभिन्न उप-विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों में रोशन प्रसाद कुशवाहा, कस्तुभ कुमार, आयुष मेहता, अलतमश राजा, जेली रानी, सुष्टि कुमारी, वंश



संक्षिप्त

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए जुटाई गई राशि डीसी को सौंपी



चान्हो। अधिवक्ता सह जनसेवी जिप सदस्य आशुतोष तिवारी के मार्गदर्शन में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एकत्रित की गई धनराशि सोमवार को जिला प्रशासन को सौंपी गई। क्रियेटिव हार्ट स्कूल, गुटवा के निदेशक बिनोद टोपी, सरना रत्न एतो उरांव एवं पंकज तिवारी ने रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भर्जजी से मुलाकात कर सहायता राशि उन्हें सौंपी। इस अवसर पर आशुतोष तिवारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों की मदद करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

जंगली हाथियों ने मचाया उत्पात, साल्हन में दुकान में की तोड़फोड़



अनगड़ा। प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के उत्पात जारी है। साल्हन में रविवार की रात हाथियों ने मुंशेवर महतो के दुकान पर तोड़ फोड़ किया। हाथियों ने दरवाजा तोड़ दिया और अंदर प्रवेश कर गए। दुकान में रखे अनाज व सामान को खाकर तथा रौंदकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। इसके अलावा फर्नीचर को भी व्यापक क्षति पहुंचाया है।बाद में हाथी स्वर्णरेखा नदी के पुल को पार कर ओरमांझी क्षेत्र के रुक्का की ओर चले गए। हथियों के आतंक के कारण ग्रामीणों में दहशत कायम है। पूर्व में जंगली हाथियों का आतंक ग्रामीण व जंगली क्षेत्रों में होता था, लेकिन अब उनका डर अर्ध शहरी क्षेत्रों व रिंगरोड के आसपास में जारी है। हाथियों का एक दल रविवार की शाम लुगुंगदीपा से निकलकर हाहे, अनगड़ा, जानुम और नारायणसोसो होते हुए दर रात महेशपुर पहुंचा। इसके बाद हाथियों का झुंड स्वर्णरेखा नदी के किनारे-किनारे चलते हुए चिलदग, सिमलिया और लालगढ़ के रास्ते साल्हन पहुंचा था।

उषा मार्टिन विवि अनगड़ा में पांच दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का शुभारम्भ

अनगड़ा। उषा मार्टिन विवि अनगड़ा में सोमवार को पांच दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया पांच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में पहले दिन सोमवार को मैनेजमेंट,जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन , इंग्लिश, फार्मेसी, लॉ नर्सिंग एवं कॉमर्स विभाग के छात्रों का ओरिएंटेशन हुआ वहीं दूसरे दिन कण्टूरर साइंस , एग्रीकल्चर, इंजीनियरिंग , फॉरेंसिक साइंस , एवं, फिजिओथेरेपी के छात्रों को ओरिएंटेशन होगा तीसरे दिन छात्रों को विभिन्न एक्सपटर्स द्वारा विधि से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीया दी जाएगी, जिसमें विशेषकर विधि के नियम-कानून, स्पोटर्स फैसिलिटीज , झूमन वैल्युज , पर्सनललिटी डेवलपमेंट , ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट शामिल है। कार्यक्रम के आखिरी दिन नए छात्रों द्वारा कल्चरल प्रोग्राम की प्रस्तुति होगी। प्रो वांसेलर प्रो मधुलिका कौशिक ने कहा छात्र अपने जीवन में डिसिप्लिन , डेडिकेशन और टाइम मैनेजमेंट के साथ कोई भी मुश्किल का सामना कर सकते है। जिया से ज्यादा ओपन लॉमिंग रिसोर्सेज का इस्तेमाल करे। कार्यवाहक वार्डंस वाल्मटर ब्रिगिडियर डॉ समर वीर सिंह, रजिस्ट्रार डॉ शिव प्रताप वर्मा व डीएसडब्ल्यू डॉ जयलिका पाल ने भी छात्रों को संबोधित किया।



घरों, अस्पताल व स्कूल के बीच से गुजर रहे हाईटेंशन तार

ग्रामीणों ने सड़क किनारे शिफ्ट करने की मांग की

कमलेश नगर में 33 हजार वोल्ट की लाइन से सैकड़ों लोगों की जान को खतरा

नवप्रदेश संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के कमलेश नगर रिंग रोड मोहल्ले में 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन सैकड़ों लोगों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है। मोहल्ले में कई घरों के बीचोंबीच से हाईटेंशन तार गुजर रहे हैं। इसके अलावा लाइन के आसपास मेडीहॉप हॉस्पिटल और एक स्कूल भी स्थित है। ऐसे

गेतलसूद में 251महिलाओं ने निकाला कलश यात्रा



अनगड़ा। गेतलसूद चौक स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन सह कलश यात्रा रविवार को धार्मिक और भक्तिमय माहौल में प्रारंभ हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन शिव मंदिर संचालन समिति गेतलसूद चौक द्वारा किया गया है। कलश यात्रा में क्षेत्र के 251 महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने मंदिर से लेकर स्वर्णरेखा नदी स्पीलवे साइड से कलश में जल भरकर मंदिर परिसर पहुंचे। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'हरि नाम' के संकीर्तन और भक्तिमय जयकारों से गुंजायमान रहा। पुजारी ईश्वरचंद्र गोस्वामी और बटेश्वर गोस्वामी ने जलाभिषेक के साथ अनुष्ठान का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में कलश यात्रा का नेतृत्व भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार ने किया। सोमवार को पूर्णाहुति और भोग के साथ अनुष्ठान का समापन होे होगा।मौके पर जिप सदस्य अनुराधा मुंडा, अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव, मुखिया शांति मुंडा, शिवदास गोस्वामी, हर्ष राज,शंकर बैठा, रामसाय मुंडा,गणेशदास गोस्वामी,राजकुमार बैठा,हर्ष सिंह,टिंकू गोस्वामी,रवि कुमार,विक्रम बैठा, शौर्य जयसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हरियाणा के नूंह से लापता सिकिद्री के युवक का एक सप्ताह से सुराग नहीं

अनगड़ा। सिकिद्री थाना क्षेत्र के बक्सीडीह गांव का 20 वर्षीय युवक इमरान खान पिता आलम हरियाणा के नूंह जिले के अंतर्गत तावडू थाना क्षेत्र से पिछले एक सप्ताह से गायब है। उसका कोई पता नहीं चल पाया है।स्वजन के अनुसार युवक इमरान खान पिछले एक माह से हरियाण के नूंह जिला अंतर्गत तावडू थाना क्षेत्र के नायका कंपनी में काम कर रहा था।वह अपने गांव के ही एक दोस्त हैदर अली के साथ किराए के मकान में रहकर उक्त कंपनी में करता था।वह रोजाना सुबह काम के लिए निकलता था,जबकि उसका दोस्त हैदर कंपनी में रात पाली में काम करता था।हैदर जब सुबह कंपनी से काम से लौटा तो देखा कि इमरान रूम में नहीं है।उसने सोचा कि इमरान कंपनी गया होगा,लेकिन जब रात को भी नहीं लौटा तो उसकी हैरानी बढ़ गई।अंत में हैदर अली ने हरियाणा के नूंह जिले के स्थानीय तावडू थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। सधर,स्वजन खिजरी विधायक राजेश कच्छप व एसएसपी रांची से मिलकर उसे खोज निकालने की गुहार लगाई है।

नवप्रदेश संवाददाता

पिस्का नगड़ी। प्रखंड के कुदलूम स्थित आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर में भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से बच्चों को जोड़ने के उद्देश्य से कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक कांवड़ यात्रा निकाली। छोटे-छोटे बच्चे कांवड़ियों की वेशभूषा में हाथों में कांवड़ लेकर बालालोंग स्थित शिव मंदिर पहुंचे। यात्रा के दौरान बच्चे पूरे उत्साह के साथ झूमते हुए बोल बम के जयकारे लगा रहे थे। मंदिर पहुंचकर उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और



समृद्धि की कामना की। कांवड़ यात्रा में बच्चों के साथ कक्षा की आचार्य कुमारी स्नेहलता, सृष्टि सिंह एवं पूजा उपस्थित रहीं।

गुजर रहा तार: मोहल्ले में स्थित एक निजी अस्पताल के पास स्थिति और गंभीर है। अस्पताल की खिड़की से सटकर हाईटेंशन तार गुजर रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तार के बेहद करीब होने के कारण अस्पताल की दीवारों पर प्लास्टर तक नहीं कराया जा सका है। अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है।

कई बार विभाग को दिया गया है आवेदन: मोहल्लेवासियों ने बताया कि हाईटेंशन लाइन को हटाने या सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए वे कई बार विद्युत विभाग को आवेदन दे चुके हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें बताया गया कि यह लाइन राजभवन से संबंधित है, जिसके कारण अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। इस

सरना रत्न विरेन्द्र भगत की स्मृति में 20 सितंबर को करम पूर्व संध्या का आयोजन

रातू। सरना रत्न दादा विरेंद्र भगत की पावन स्मृति में करम पूर्व संध्या का भव्य आयोजन 20 सितंबर को किया जाएगा। कार्यक्रम सरना टोंगरी पड़हा भवन में आयोजित होगा, जहां आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोक कलाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। सरहुल पूजा समिति रातू के अध्यक्ष आदित्य तिकी के अनुसार इस अवसर पर करम पर्व से जुड़े पारंपरिक गीत, नृत्य और रीति-रिवाजों की प्रस्तुति की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ना तथा सरना रत्न दादा विरेंद्र भगत के योगदान को याद करना है। आदित्य कुमार तिकी ने बैठक में जानकारी साझा करते हुए सभी समाज के लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में बहुत ही धूमधाम के साथ अपने कल्चर का भरपूर प्रदर्शन होगा। करम पर्व आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व है, जो भाई-बहन के प्रेम और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक माना जाता है। मौके पर जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, समाजसेवी कृष्णा उरांव,जयगोविंद सिंह मुंडा,जितेश्वर मुंडा, पृथ्वी नाथ साहेंदेव,चारे भगत, शंकर उरांव, रामेश्वर उरांव, उषा तिकी,जॉनी उरांव,प्रभा तिकी,सीमा उरांव,पुष्पा भगत, बिक्रम उरांव,अशोक तिकी,पवन उरांव सहित सैकड़ों महिलाएं एवं पुरुष शामिल हुए।



पिस्का नगड़ी। आगामी 27 अगस्त को प्रस्तावित जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन की तैयारी को लेकर खनन एवं खनिज से संबंधित राज्य एवं विनियम विधेयक संशोधन कानून के विरोध में नगड़ी एवं रातू प्रखंड कांग्रेस कमिटी की संयुक्त बैठक दालादिली चौक स्थित वृंदावन होटल में हुई। बैठक में संशोधन कानून के संभावित प्रभावों तथा आम जनता, स्थानीय लोगों और संबंधित क्षेत्रों के हितों पर विस्तार से चर्चा की गई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 27 अगस्त को आयोजित जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की। दोनों प्रखंडों के कांग्रेसजनों से अधिक सांथ ही बूथ एवं पंचायत स्तर तक समीठन को मजबूत करने और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग

मामले में रातू के स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करने पर उन्होंने इसे कफि क्षेत्र से संबंधित मामला बताते हुए कार्रवाई करने में असमर्थता जताई। **सड़क किनारे शिफ्ट करने की मांग:** मोहल्लेवासियों ने हाईटेंशन लाइन को आबादी के बीच से हटाकर सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि घनी आबादी के बीच से 33 हजार वोल्ट की लाइन ले जाने का कोई औचित्य नहीं है। कई स्थानीय लोगों ने लाइन शिफ्टिंग के लिए आर्थिक सहयोग देने की बात भी कही है। लोगों ने सरकार और विद्युत विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए अचिलंब तार शिफ्ट कराने और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

खनन कानून के विरोध में कांग्रेस की संयुक्त बैठक

से उठाने का संकल्प लिया गया। बैठक में नेताओं ने कहा कि कांग्रेस जनहित और स्थानीय अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। जनता से जुड़े मुद्दों पर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज बुलंद करना पार्टी की प्राथमिकता है। बैठक में हटिया के सह प्रभारी माधो कच्छप एवं राजेंद्र मुंडा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा नगड़ी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सहाबीर लोहरा, रातू प्रखंड अध्यक्ष कुशल उरांव, मंडल अध्यक्ष अख्तर अंसारी, मंडल अध्यक्ष रुस्तम अंसारी, मंजूर अंसारी, शक्ति महतो, मकसुद अंसारी, माहिर अंसारी, महावीर नायक, रवि राम, अमित कच्छप, सुषिता तिकी, खुशबू ठाकुर, गीता देवी, याकीब अंसारी, लक्ष्मी तिकी, तारामनी लिंडा सहित दोनों प्रखंडों के बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुदलूम में बच्चों ने निकाली उत्साहपूर्ण कांवड़ यात्रा

संस्कार और धार्मिक परंपराओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और संस्कारों का विकास होता है। विद्यालय लौटने के बाद सभी भैया-बहनों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। छोटे-छोटे बच्चों की कांवड़ियों के रूप में मनमोहक झांकी और उनके उत्साहपूर्ण जयकारों ने आसपास के लोगों को भी आकर्षित किया। सड़क के किनारे खड़े लोग बच्चों की अनुशासित और श्रद्धापूर्ण कांवड़ यात्रा देखकर भावविभोर हो उठे। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण भक्ति, उत्साह और आनंद से सरबोरा रहा।

एक नजर

जंगली हाथियों ने फसलों को पहुंचाया नुकसान

अनगड़ा। प्रखंड के चतरा गांव में जंगली हाथियों के एक झुंड ने जमकर उत्पात मचाया और खेतों में लगी फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया है। गांव के धर्मनाथ महतो के घर का चहारदीवारी को भी हाथियों ने गिरा दिया। घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा खदेड़े जाने पर हाथी लुपुंग स्टेडियम के समीप पहुंच गए और वहां आसपास की झाड़ियों में अपना डेरा जमाए हुए है। स्टेडियम के पास हाथियों की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीण शाम होने से पहले घर पहुंच रहे है।

COURT NOTICE

NOTICE IN THE COURT OF THE SRI JITENDRA RAM CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION I AT JAMSHEDPUR
Original Suit No. 17/2024
SURENDRA KUMAR TIWARI Plaintiff
Versus
M/S AMAN ENTERPRISES and Others. ..Defendants
To
1. M/S Aman Enterprises, Proprietor Md. Irfan, Office at T.K Tower (Near Kolkata Bakery), Dhatkidih Market Area, P.O & P.S. Bistupur, Jamshedpur-831001.
2. Md Irfan, Son of Md. Imatullah Khan, resident of T.K Tower (Near Kolkata Bakery), Dhatkidih Market Area, P.O & P.S. Bistupur, Jamshedpur - 831001
WHEREAS the above named plaintiffs have instituted the suit for recovery of money.
AND WHEREAS after receiving the summon you are avoid-ing to appear in the aforesaid case.
THEREFORE take notice that you are hereby summoned to appear the above noted case on 28th Day of 2026 at Aug at
A.M either in person or through a lawyer duly authorized by you who will be able to answer all the claims of the plain-tiffs, failing which the case will be heard and determined in your absence in accordance with law.
Given under my hand and the seal of the court on the of 7th Aug 2026.
Civil Judge Junior Division I
Jamshedpur

रांची प्रखंड में एस-यूटीएस विद्युत का सुलेखन कार्यके अवसरीत शिफ्ट के विभाग के विंग रांची और हटिया केले स्टेशनों पर एस-यूटीएस काल्पनी की विद्युति
अनुसूचित क्षेत्र में, जाम्ना, एस-यूटीएस विभाग, विंग, एसएच-1, 25/08/2026 दिनांक 21.08.2026
राज्य के विद्युत के विंग और उसकी और भी, कीजिए प्रखंड काल्पनी प्रखंड, रांची, रांची प्रखंड के एसएच-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098

क्लेपट लिप से पीड़ित सात बच्चों को मिली नई उम्मीद, रांची भेजा गया

निजी में लाखों की सर्जरी, प्रशासन करा रहा निःशुल्क

नवप्रदेश/धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत सदर अस्पताल में आयोजित विशेष शिविर में चिन्हित सात बच्चों को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। सदर अस्पताल से इन

बच्चों को सोमवार को विशेष वाहन से रांची के देव कमल अस्पताल के लिए रवाना किया गया। सभी बच्चे क्लेप्ट लिप (जन्मजात कटे होंठ) की विकृति से पीड़ित हैं। रवाना होने से पूर्व बच्चों व उनके परिजनों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि उपायुक्त का उद्देश्य इन बच्चों को जन्मजात विकृति से मुक्त कर सामान्य व आत्मविश्वास से भरा जीवन प्रदान करना है।



ये बच्चे भेजे गए रांची.....

शिविर में जिन सात बच्चों को चिन्हित किया गया है, उनमें 9-9 वर्ष तथा बांसजोरा का 10 जामडीह टुंडी का 5 माह का शिशु,

मुकुंद का 8 माह, बरमसिया का 13 माह, नेतवारी आंगनबाड़ी का 2 वर्ष, पुलिस लाइन व हरमाडीह के 9-9 वर्ष तथा बांसजोरा का 10 वर्षीय बच्चा शामिल है। इनकी उम्र

5 माह से 10 वर्ष के बीच है।डॉ. विश्वकर्मा ने बताया कि निजी अस्पतालों में इस सर्जरी पर लाखों रुपये का खर्च आता है, जिसे जिला प्रशासन द्वारा पूरी तरह निःशुल्क कराया जा रहा है। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों के अलावा आरबीएसके के चिकित्सक और शिविर के नोडल पदाधिकारी भी रांची गए हैं, ताकि रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो।सभी बच्चों का हेल्थ कार्ड तैयार कर लिया गया है और सर्जरी

के बाद भी उनके स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि तकनीकी कारणों से इस बार सर्जरी सदर अस्पताल में संभव नहीं हो सकी, लेकिन दो माह के भीतर सदर अस्पताल में ही क्लेप्ट लिप सर्जरी की स्थायी व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।मौके पर उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार प्रसाद,जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. रोहित गौतम, डीपीएम प्रतिमा कुमारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव से गूंजा लोयाबाद

नवप्रदेश संवाददाता

लोयाबाद। सावन माह के चौथे और अंतिम सोमवार को लोयाबाद क्षेत्र के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही शिवभक्तों का मंदिरों में तांता लगा रहा।अंतिम सोमवारी को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। सुबह से ही लोयाबाद, कनकनी, मदनाडीह, एकड़ा, सेन्द्रा, बांसजोड़ा समेत आसपास के सभी शिव मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रही। भक्तों ने शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और फल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे दिन



मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'बोल-बम' के जयकारों से गुंजता रहा।व्यवस्था को लेकर मंदिर समितियों ने पहले से तैयारी की थी। भीड़ नियंत्रण के लिए महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग कतारें बनाई गई थीं। सुरक्षा और व्यवस्थित जलार्पण के लिए

स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी।इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में महाआरती,रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया।मान्यता है कि सावन के सभी सोमवार व्रत रखकर शिव का जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं'।

मिलाद उल नबी पर्व के आयोजन को लेकर शांति समिति की बैठक

नवप्रदेश/बोकारो। मिलाद उल नबी शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और प्रशासनिक गाइडलाइन के अनुरूप मनाने को लेकर सोमवार को माराफारी थाना परिसर में बालोडीह और माराफारी थाना प्रभारी के साथ दोनो थाना के शांति समिति सदस्य व समाज के अन्य गणमान्य लोगों के साथ एक संयुक्त बैठक किया गया। बैठक के दौरान आगामी मिलाद उल नबी पर्व के आयोजन को लेकर सभी सदस्यों से सुझाव प्राप्त किया गया व प्रशासनिक तैयारियों जैसे - निर्धारित रूटलाइन, ट्रैफिक, पार्किंग इत्यादि को साझा किया गया। डीएसपी मुख्यालय, बोकारो ने संवेदनशील जगहों व सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने, बच्चों व महिलाओं पर विशेष ध्यान रखने, प्रत्येक जुलुस में वॉलंटियर की नियुक्ति व किसी तरह के अफवाहों से बचने का निर्देश दिया। डीजे बजाने को लेकर माननीय सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का पालन करने एवं नशामुक्त जुलुस निकालने का शपथ दिलाया गया। शांति समिति की बैठक में शामिल सभी ने प्रशासनिक सहयोग से शांति व सौहार्दपूर्ण तौहार मनाने पर सहमति जताई।

बोकारो रेलवे स्टेशन से भटकी दो बच्चियां बरामद, पुलिस ने परिजनों से मिलाया

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो रेलवे स्टेशन पर सोमवार की सुबह भटकती हुई मिली दो बच्चियों को बोकारो पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता के साथ सुरक्षित बरामद कर उनके माता-पिता से संपर्क स्थापित करते हुए उन्हें सुपुर्द कर दिया। पुलिस को सुबह सूचना मिली कि बोकारो रेलवे स्टेशन पर दो अनजान बच्चियां भटक रही हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों बच्चियों को अपने संरक्षण में लिया और उनसे पूछताछ की। पूछताछ में बच्चियों ने बताया कि पारिवारिक कलह के कारण वे उत्तर प्रदेश स्थित अपने घर से निकल गई थीं। दोनों ने मुगलसराय स्टेशन से ट्रेन पकड़ी थी और सफर के दौरान नौद आने के बाद सुबह जब उनकी आंख खुली तो वे बोकारो रेलवे स्टेशन पर उतर गईं। बोकारो पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चियों के परिजनों से संपर्क स्थापित किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को सुरक्षित उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। साथ ही, पूरे मामले की समुचित जांच के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस से भी आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। पुलिस अधीक्षक, बोकारो ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों से जुड़े मिसिंग मामलों में पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी बच्चे, महिला या बुजुर्ग के लापता होने अथवा भटकने की सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी थाना या 112 पर संपर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर उन्हे सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

वज्रपात की चपेट में आए वृद्ध की इलाज के दौरान मौत पुण्डरू में गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

नवप्रदेश/बोकारो। चास प्रखंड के पुण्डरू पंचायत अंतर्गत कुशटांड गांव निवासी करीब 75 वर्षीय अतिलाल महतो की वज्रपात की चपेट में आने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। वज्रपात से गंभीर रूप से घायल अतिलाल महतो की परिजनों ने तत्काल बोकारो के अस्पताल में भर्ती कराया था। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। सोमवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पार्थिव शरीर गांव लाया गया। इसके बाद पुण्डरू स्थित सोमाबाद नदी तट पर गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक शामिल हुए। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। अंतिम संस्कार में JLKМ के केंद्रीय महासचिव एवं चंद्रनकियारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी अर्जुन रजवार भी शामिल हुए। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मृतक के पुत्र दारकु महतो, राजेन्द्र नाथ महतो, जगन्नाथ महतो एवं मोहन लाल महतो ने पिता के अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों ने भी अतिलाल महतो के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य रखने की कामना की।

धनबाद एसएसपी कार्यालय का बदला स्वरूप, आईजी ने किया उद्घाटन

नवप्रदेश संवाददाता

नवप्रदेश/धनबाद। समाहरणालय परिसर स्थित वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय अब नए और आधुनिक कलेवर में नजर आएगा।जीर्णोद्धार के बाद सोमवार को बोकारो प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन किया।इस अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार,सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब सहित जिले के सभी डीएसपी और एसडीपीओ उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नवनिर्मित कार्यालय को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया



गया है। परिसर में फ्रंट ऑफिस, टेलीफोन सेक्शन और कंप्यूटर सेक्शन की स्थापना की गई है।अब

कार्यालय आने वाले प्रत्येक फरियादी को टोकन दिया जाएगा, जिससे मिलने की प्रक्रिया पारदर्शी

और व्यवस्थित होगी। शिकायतों का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा और समय-समय पर मॉनिटरिंग कर

निष्पादन के बाद आवेदक को सूचित भी किया जाएगा।कार्यालय के गलियारों को स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों से सजाया जा रहा है, ताकि आने वाले लोगों को स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के योगदान की जानकारी मिल सके।उद्घाटन समारोह में आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि धनबाद का एसएसपी कार्यालय पूरे झारखंड में एक आधुनिक और आदर्श कप्तान कार्यालय के रूप में विकसित हुआ है, जो अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बनेगा। उन्होंने विधि-व्यवस्था संधारण और अपराध नियंत्रण में धनबाद पुलिस की कार्यशैली की भी सराहना की।

धनबाद थाना में हरित

वाटिका का लोकार्पण.....

एसएसपी कार्यालय के बाद आईजी समेत वरीय अधिकारी धनबाद थाना पहुंचे,जहां थाना परिसर में निर्मित हरित वाटिका का उद्घाटन किया गया। आईजी ने कहा कि थानों में स्वच्छता और हरियाली से पुलिसकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों को भी सकारात्मक अनुभव मिलता है। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि हरित वाटिका का उद्देश्य केवल सौंदर्यकरण नहीं,बल्कि थाना परिसर में बेहतर माहौल तैयार कर जितना से समन्वय स्थापित करना है।उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में बैंक मोड़ सहित अन्य थानों का भी कायाकल्प किया जाएगा। उन्होंने इस पहल में थाना प्रभारी मनोज नाराण ठाकुर के योगदान की सराहना की।

एक नजर

ऑल इंडिया महिला फुटबॉल एसोसिएशन का पुनर्गठन राजगंज के प्रमोद कुमार बने राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य



नवप्रदेश/राजगंज। ऑल इंडिया महिला फुटबॉल एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन सोमवार को जमशेदपुर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए सघ के पदाधिकारी व प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन के दौरान सर्वसम्मति से महासंघ के नए पदाधिकारियों का चयन कर पुनर्गठन किया गया। जिसमें धनबाद जिले के राजगंज के लिए गौरव की बात है कि बड्स गार्डेन स्कूल के प्राचार्य प्रमोद कुमार एवं भाजपा नेता नीलकंठ रवानी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है।महासंघ में गुंजन कुमारी सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष,मो. कासिम अंसारी को कार्यकारी अध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ के मो. शेख जावेद को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, असम समेत कई राज्यों से पदाधिकारियों का चयन किया गया। मनोनयन के बाद प्रमोद कुमार ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही धनबाद जिले के विभिन्न स्टैंडिंगमों में राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा,जिसमें देशभर की दर्जनों महिला टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। इस अवसर पर शुभंकर राय, आशीष अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लोयाबाद में सात दिन बाद दूर हुआ अंधेरा 1000 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन



नवप्रदेश/लोयाबाद। लोयाबाद कोलियरी क्षेत्र के हजारों घरों में पिछले सात दिनों से पसरा अंधेरा आखिरकार छंट गया। हिन्दू मजदूर सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह ब्रिजखंमस के महामंत्री रणविजय सिंह के प्रयास से 5 नंबर पिट के लिए 1000 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। सोमवार को उन्होंने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया।ज्ञानकारी के अनुसार,अत्यधिक लोड के कारण 5 नंबर सब-स्टेशन का ट्रांसफार्मर जल गया था।इससे लोयाबाद 8 नंबर, दुर्गा मंदिर,बाजार,कनकनी नंबर 4 सहित आसपास की कॉलोनि्यों के करीब पांच हजार घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी।भीषण उमस में लोगों का जीना मुहाल हो गया था।मामले की जानकारी विक्रम पासवान ने रणविजय सिंह को दी। उन्होंने तत्काल बीसीसीएल के सीएमडी से वार्ता कर नया ट्रांसफार्मर मंजूर कराया।कोलियरी एजेंट संजय नंदा और इंजीनियर तरुण कुमार ने बताया कि नए ट्रांसफार्मर की तकनीकी जांच मंगलवार को की जाएगी। सब कुछ ठीक रहा तो मंगलवार शाम तक सभी प्रभावित क्षेत्रों में बिजली बहाल कर दी जाएगी। ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई के लिए रणविजय सिंह का आभार जताया।मौके पर लोयाबाद कोलियरी के एजेंट संजय नंदा, इंजीनियर तरुण कुमार,लोयाबाद शाखा के सभी पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाघमारा में सेल पिकर मजदूरों को एक सप्ताह में मिलेगा बकाया वेतन, जीएम ने दिया आश्वासन



नवप्रदेश/बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक-दो क्षेत्र के केशरगढ़ साइडिंग में कार्यरत सेल पिकर मजदूरों को दो माह का बकाया वेतन एक सप्ताह के भीतर भुगतान कर दिया जाएगा।साथ ही बिना नोटिस बंद की गई हाजिरी को पुनः शुरू कर नियमित काम दिया जाएगा।सोमवार को क्षेत्रीय कार्यालय में महाप्रबंधक कुमार रंजीव के साथ हुई वार्ता में यह निर्णय लिया गया। मजदूरों की ओर से जेबीसीसीआई सदस्य सह जनता मजदूर संघ (जमसं) के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम ने प्रबंधन से वार्ता की। उन्होंने बताया कि केशरगढ़ साइडिंग के मजदूर पिछले दो माह से वेतन भुगतान की मांग कर रहे थे,जबकि प्रबंधन ने बिना किसी पूर्व सूचना के उनकी हाजिरी बंद कर दी थी।मामले को गंभीरता से लेते हुए जीएम कुमार रंजीव ने खेद जताया और आश्वरत किया कि मजदूरों के साथ न्याय किया जाएगा।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल्द भुगतान और नियमित कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में जीएम पीएसके सिन्हा,मेजर सुरेश प्रजापति,एपीएम अमित यादव, पीके झा मौजूद थे।जबकि मजदूर संघ की ओर से सोनू कुमार सिंह, इंद्रासन यादव,क्षेत्रेश्वर ठाकुर,संतोष सिंह,विजय वोहान और अखिलेश नौनिया सहित बड़ी संख्या में मजदूर उपस्थित रहे।

एबीओसीपी में चक्का जाम, पांच घंटे बाद खत्म हुआ आंदोलन



नवप्रदेश/बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक-दो क्षेत्र के नदखरकी,बेनोडीह और जमुनिया कोल डप के असंगठित मजदूरों ने सोमवार को एबीओसीपी का चक्का जाम कर दिया। मजदूर रोजगार बहाली और डंप में पर्याप्त कोयला उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे।जाम के कारण कोयले का उत्पादन और डिस्ट्रीब पूरी तरह ठप हो गया। मजदूरों ने आरओएम और स्टीम कोयले का डीओ जारी करने की मांग की। पांच घंटे बाद पीओ के साथ वार्ता के बाद आंदोलन समाप्त हुआ। मौके पर जुलूस राम, कैलाश राम, छोटू दास, जनु गोप, मनोज राय समेत कई मजदूर मौजूद थे।

सावन की अंतिम सोमवारी पर भस्म आरती से गूंजा बाबा भूतनाथ दरबार, उमड़ा जनसैलाब

नवप्रदेश/धनबाद। सावन के अंतिम सोमवार पर कोयलावल की धर्मनगरी मटकुरिया स्थित सिद्धपीठ बाबा भूतनाथ मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही और पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव व जय महाकाल के जयकारों से गुंजायमान रहा।पावन अवसर पर उज्जैन के बाबा महाकाल की तर्ज पर बाबा भूतनाथ की बाबू भस्म आरती की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे विधि-विधान के साथ विद्वान ब्राह्मणों ने आरती संपन्न कराई। इसके बाद बाबा का अतीविक्र व मनमोहक श्रृंगार कर विशेष भोग अर्पित किया गया। मंदिर के पुजारी ने बताया कि सावन की अंतिम सोमवारी पर भस्म आरती की यह दिव्य परंपरा पिछले दो वर्षों से अनवरत चली आ रही है। भविष्य में भी इसी धूमधाम से इसे जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे अवतिका नगरी में बाबा महाकाल की महिमा अपरंपरा है, वैसे ही धनबाद में बाबा भूतनाथ का विशेष स्थान है। मान्यता है कि बाबा भूतनाथ के दरबार से कोई भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। बाबा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।देर शाम तक चले शार्मिक अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और मंगल कामना के लिए बाबा के दिव्य दर्शन किए।

गणेशपुर में हाथियों का कहर, तीन एकड़ से अधिक फसल रौंदी; किसानों में दहशत

नवप्रदेश संवाददाता

बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के गणेशपुर पंचायत अंतर्गत पाहन टोला एवं पतरा टोला में बीती रात करीब 15 जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने खेतों में लगी मकई और धान की फसल को खाकर और रौंदकर बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों के झुंड ने करीब तीन एकड़ से अधिक क्षेत्र में लगी फसल को नुकसान पहुंचाया है। घटना के बाद प्रभावित किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।ग्रामीणों ने



बताया कि हाथियों का झुंड देर रात गांव के आसपास पहुंचा और खेतों

में घुसकर घंटों तक फसलों को नुकसान पहुंचाता रहा। हाथियों की

मौजूदगी से ग्रामीणों में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बना

रहा। हाथियों के चले जाने के बाद जब किसान सुबह खेतों में पहुंचे तो बड़ी मात्रा में धान और मकई की फसल बर्बाद मिली।हाथियों के उत्पात से प्रभावित किसानों में सुरजदेव भुइयां, हरिन्दन भुइयां, सूरज पाहन, रूपलाल भुइयां, पंचु भुइयां, सुरेश भुइयां समेत अन्य किसान शामिल हैं। किसानों का कहना है कि खेती पर ही उनकी आजीविका काफी हद तक निर्भर है। तैयार हो रही फसल के बर्बाद होने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।पीड़ित किसानों ने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल निरीक्षण

कर फसल क्षति का आकलन कराने तथा सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने हाथियों के झुंड को आबादी वाले क्षेत्रों और खेतों से दूर रखने के लिए वन विभाग से प्रभावी कदम उठाने की भी मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का झुंड लगातार गांवों के आसपास पहुंच रहा है, जिससे जान-माल का खतरा बना हुआ है। उन्होंने वन विभाग से हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों को समय रहते सतर्क करने की व्यवस्था करने की मांग की है।

साइबर अपराध से बचाव को छात्राओं को किया जागरूक



साइबर अपराध से बचाव को छात्राओं को किया जागरूक, बीएनएस व पोक्सो एक्ट की भी दी जानकारी

नवप्रदेश/प्रतिनिधि हरिहरगंज/हरिहरगंज पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने सोमवार को शहर के बालिका उच्च विद्यालय पहुंचकर छात्राओं को साइबर अपराध, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पोक्सो एक्ट की महत्वपूर्ण जानकारी दी. उन्होंने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है. ऐसे में मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय विशेष सावधानी बरतना जरूरी है. थाना प्रभारी ने छात्राओं को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, किसी के साथ ओटीपी, पासवर्ड, बैंक संबंधी जानकारी और व्यक्तिगत विवरण साझा नहीं करने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि साइबर अपराध का शिकार होने पर घबराने के बजाय तत्काल पुलिस को इसकी सूचना देनी चाहिए. इस दौरान उन्होंने भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों और पोक्सो एक्ट के बारे में भी छात्राओं को विस्तार से बताया. उन्होंने छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध की स्थिति में परिजनों, शिक्षकों अथवा पुलिस से जानकारी साझा करने की अपील की. कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी ने छात्राओं को गणित विषय की पढ़ाई को आसान बनाने के लिए कई उपयोगी टिप्स भी दिए. उन्होंने नियमित अभ्यास और विषय को समझकर पढ़ने पर जोर दिया. मौके पर प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र कुमार सिंह, थाना एसआइ संतोष कुमार, शिक्षक अब्दुल रहमान, अनूप कुमार, रंजीत कुमार, अमित कुमार सहित विद्यालय की काफी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं.

श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय कस्तूरी देवी को दी श्रद्धांजलि



ब्रह्मभोज में जुटे जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता, पुत्र प्रिंस प्रताप सिंह ने गरीबों के बीच बांटी सामग्री

नवप्रदेश/ प्रतिनिधि, हरिहरगंज. पीपरा प्रखंड के पोलदा गांव निवासी जितेंद्र कुमार सिंह की पत्नी स्वर्गीय कस्तूरी देवी (65) के निधन के बाद सोमवार को उनके पैतृक आवास पर ब्रह्मभोज सह श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए. सभी ने स्वर्गीय कस्तूरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मंत्री आनंदमोहन सिंह, विधायक चेतन आनंद, जिप सदस्य ददन पासवान, सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, भाजपा नेता विनोद सिंह, पीपरा प्रमुख विक्रान्त सिंह यादव, अरविंद सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, सर्वोप प्रकाश उर्फ भानजी, सतीश प्रकाश उर्फ अमन, झामुमो जिला उपाध्यक्ष रजनीश सिंह, सपा प्रदेश अध्यक्ष अभिनव कुमार, सुबोध कुमार सिंह उर्फ बबलू, फुटूक कुमार सिंह, झामुमो नेता राजन सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे. इस अवसर पर स्व. कस्तूरी देवी के पुत्र प्रिंस प्रताप सिंह ने सैकड़ों जरूरतमंद व गरीब लोगों के बीच वस्त्र सहित अन्य सामग्री का वितरण किया. उन्होंने कहा कि मां का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है. उनकी स्मृति में जरूरतमंदों की सेवा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है. कार्यक्रम में चंदन सिंह, लड्डू सिंह, गुड्डू सिंह, गोरई सिंह, चीकू सिंह, माना सिंह, विश्वनाथ सिंह, कपिलदेव राम, डॉ एसपी वर्मा, बैजू यादव, रामनाथ सिंह, पप्पू गुप्ता, बीनू जायसवाल समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में फिर प्रशासनिक हलचल, रजिस्ट्रार का इस्तीफा

पलामू। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में एक बार फिर प्रशासनिक बदलाव को अहट से हलचल तेज हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव (रजिस्ट्रार) नफीस अहमद ने अपने पद से हटने की इच्छा जताते हुए इस्तीफे की पेशकश की है। उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए कुलपति और उच्च शिक्षा विभाग को पत्र भेजा है। कुलपति प्रो डॉ दिनेश कुमार सिंह ने भी सोमवार को पत्र मिलने की पुष्टि की है। नफीस अहमद को वर्ष 2025 में विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया था। उन्होंने तत्काल पद छोड़ने के बजाय करीब एक माह बाद जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने की इच्छा जताई है। अब उनके इस्तीफे पर अंतिम निर्णय उच्च शिक्षा विभाग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद होगा। कुलसचिव का पद विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में संभावित बदलाव का असर परीक्षा, नामांकन, रिजल्ट और अन्य प्रशासनिक कार्यों पर पड़ने की आशंका है।

प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त संदीप कुमार से मिला और क्रिकेट मैदान एवं स्टेडियम निर्माण के लिए 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने को लेकर पत्र सौंपा। संघ ने उपायुक्त को सौंप पत्र में कहा है कि जिले में क्रिकेट के विकास के लिए क्रिकेट का अपना मैदान होना बेहद आवश्यक है। मैदान एवं स्टेडियम उपलब्ध होने से जिले के खिलाड़ियों को अभ्यास, प्रतियोगिता

क्रिकेट के लिए अपना मैदान होगा तो खिलाड़ियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं, डीसी ने खेल पदाधिकारी को दिया अग्रेतर कार्रवाई का निर्देश

नवप्रदेश/लातेहार। जिले में क्रिकेट खेल के विकास को लेकर जिला क्रिकेट संघ ने पहल तेज कर दी है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों का



और अन्य क्रिकेट गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

संघ ने मैदान में क्रिकेट से जुड़ी आवश्यक सभी सुविधाएं बहाल

करने की भी बात कही है। पत्र में झारखंड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा राज्यभर में क्रिकेट खेल के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया गया है। जिला क्रिकेट संघ ने स्टेडियम एवं क्रिकेट मैदान के निर्माण के लिए 10 एक-ड़ जमीन 30 वर्षों की लीज पर उपलब्ध कराने की मांग की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त संदीप कुमार ने जिला खेल

पदाधिकारी अनिमेष त्रिपाठी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश के बाद जिले में क्रिकेट मैदान और स्टेडियम निर्माण के उद्देश्य जमी है। प्रतिनिधिमंडल में जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, वरीय उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह, सचिव अमलेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष विष्णुदेव प्रसाद गुप्ता एवं समाजसेवी रंजीत यादव मौजूद थे।



नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. शहर के सीता टेन प्लस टू उच्च विद्यालय में सोमवार को संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी व विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त बीइडओ शिवकुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रचलित कर किया. मौके पर बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी ने कहा कि संस्कृत हमारी प्राचीन और समृद्ध भाषा है. संस्कृत के संरक्षण व संवर्द्धन के लिए विद्यार्थियों को इसके प्रति रूचि विकसित करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है. कार्यक्रम के संयोजक संस्कृत शिक्षक डॉ राजकुमार व प्राचार्य अजय प्रसाद राय ने संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसके अध्ययन के लिए प्रेरित किया. इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक गीत-संगीत, नृत्य व नाटक प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया. सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया. कार्यक्रम में शिक्षक हरिद्वार प्रसाद सिंह, नागदेव यादव, नीरज सिंह, गोपाल शरण राणा, कन्हैया प्रसाद सिंह, ओरेन्द्र कुमार यादव, राज कुमार, ऋषिकेश कुमार, कपिल कुलश्रेष्ठ, अब्बू साद, विवेक पाठक, विनय मुंडा, आलोक कुमार, अरमान अंसारी, आनंद प्रजापति समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व गणमान्य लोग मौजूद थे.



नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर सोमवार को पूरे लातेहार जिले में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना को लेकर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, पुष्प, दूध एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित की और सुख-समृद्धि की

कामना करते हुए अपनी मनोकामनाएं बाबा भोलेनाथ के समक्ष रखीं। अंतिम सोमवारी को लेकर शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बंधारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। लूकुइया ग्राम स्थित शिवालय में भक्तों द्वारा अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण

भक्तिमय बना रहा। कीर्तन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान शिव की आराधना की। अंतिम सोमवारी के मौके पर जिले के प्रमुख शिवालयों में सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी विशेष ध्यान दिया गया। पूरे दिन मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा।

बाबा बैद्यनाथ धाम जाने के पांच दशक पूरे, बांस से की र्थी कांवरयात्रा की शुरुआत



शावद उन्होंने भी नहीं सोचा होगा कि 80 रुपये और बांस की साधारण कांवर से शुरू हुआ यह सफर एक दिन उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी आस्था और पहचान बन जाएगा। दोस्तों ने भी उनका साथ दिया। पहली यात्रा के बाद बाबा के प्रति उनकी श्रद्धा लगातार गहरी होती गई और हर सावन उन्हें बाबा बैद्यनाथ के दरबार तक खींच ले गया। जीत सिन्हा की बाबा नगरी यात्रा से जुड़ी कई यादें हैं, लेकिन एक घटना आज भी उन्हें भावुक कर देती है। उन्होंने बताया कि एक बार देवघर में यात्रा के दौरान वह आराम कर रहे थे। इसी दौरान एक नंदी उनके प्लास्टिक के पास आकर बैठ गया। त्पасаस ढोल-नगाड़े बज रहे थे। श्रद्धालु फल-

फूल और तरह-तरह के प्रसाद लेकर नंदी को खिला रहे थे, लेकिन उसने किसी का प्रसाद ग्रहण नहीं किया। अजीत सिन्हा के पास भी कोई महंगा प्रसाद नहीं था। उनके झोले में केवल नीमकी और खजूर थे। न्होंने श्रद्धा से वही नीमकी और खजूर निकालकर प्लेट में नंदी महाराज के सामने रख दिए। उनके अनुसार, नंदी ने उनका प्रसाद ग्रहण कर लिया। यह दृश्य देखकर अजीत सिन्हा की आंखों में खुशी और भक्ति के आंसू छलक पड़े। ढोल-नगाड़ों के बीच वह भावुक होकर झूम उठे। कुछ देर बाद नंदी वहां से चला गया और फिर दिखाई नहीं दिया। अजीत सिन्हा के लिए यह महज एक घटना नहीं, बल्कि बाबा की कृपा का संकेत बन गई। वह आज भी उस पल को अपनी जिंदगी की सबसे अनमोल आध्यात्मिक स्मृतियों में से एक मानते हैं। बाबा बैद्यनाथ से जुड़ी एक और घटना को याद करते हुए अजीत सिन्हा

बताते हैं कि एक बार वह अपनी पत्नी उर्मिला सिन्हा के अलावा अपने चार बच्चों के साथ देवघर गए थे। भारी भीड़ में उनकी पत्नी उनसे बिछड़ गईं। काफी खोजबीन के बाद वह उन्हें एक जंगल भगवान शिव की प्रतिमा देखते हुए मिली। जीत सिन्हा ने जब पत्नी से पूछा कि वह प्रतिमा क्यों देख रही हैं, तो उन्होंने कहा कि इसे इसलिए लेंगी कि जब अजीत 407 वाहन खरीदेंगे तो उसमें भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित करेंगे। उस समय 407 वाहन खरीदना उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था। लेकिन अजीत सिन्हा कहते हैं कि समय बदला और बाबा की कृपा से उन्होंने 407 वाहन खरीदा। इसके बाद पत्नी की इच्छा के अनुसार उसमें भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की। वह इस घटना को भी बाबा के आशीर्वाद से जोड़कर देखते हैं। पांच दशक के इस सफर में अजीत सिन्हा ने गरीबी, आर्थिक तंगी और जिंदगी की कई परेशानियां देखीं। कई बार

परिस्थितियां ऐसी बनीं कि देवघर जाना मुश्किल लगा, लेकिन बाबा के दरबार तक पहुंचने की उनकी इच्छा कभी कमजोर नहीं हुई। आज उम्र बढ़ने के साथ शरीर भी पहले जैसा साथ नहीं देता। शरीर में दर्द और कई तरह की शारीरिक परेशानियां हैं। इसी सावन में उनका एक्सीडेंट भी हुआ, जिसके बाद तकलीफ और बढ़ गई। इसके बावजूद बाबा के प्रति उनकी आस्था में कोई कमी नहीं आई। वह भावुक होकर कहते हैं, ह्रस्वरीर अब साथ नहीं देता, लेकिन बाबा के सहित की इच्छा दिल में रहेगी। अजीत सिन्हा की पांच दशक लंबी बाबा भक्ति और लगातार देवघर यात्रा को देखते हुए सनातन धर्म सभा की ओर से सोमवार को उन्हें सम्मानित किया गया। सभा के सदस्यों ने उन्हें बाबा नगरी की 50वीं यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और सम्मानपूर्वक विदा किया।

पलामू में सखी मंडल की दीदियों के राखी बिक्री केंद्र का शुभारंभ, 40 हजार राखियां बनाने का लक्ष्य

नवप्रदेश/पलामू। पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को समाहरणालय परिसर में झारखंड लाइवलीहूड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के सखी मंडल की दीदियों द्वारा निर्मित राखियों के प्रदर्शनी सह बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत सखी मंडल की एक दीदी द्वारा उपायुक्त को राखी बांधने के साथ हुई। इसके बाद उपायुक्त ने फीता काटकर और राखियों का प्रदर्शन कर बिक्री केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सखी मंडल की दीदियों द्वारा तैयार राखियां स्थानीय महिलाओं के हुनर की आजीविका से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे समाहरणालय परिसर स्थित बिक्री केंद्र के अलावा अपने नजदीकी संडुल से भी सखी मंडल की दीदियों द्वारा तैयार राखियां खरीदें और स्थानीय महिला समूहों के प्रयासों को प्रोत्साहित करें। उपायुक्त ने बताया कि इस वर्ष सखी मंडल की दीदियों द्वारा 40 हजार राखियां तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक नजर

सीएचसी बालूमाथ में 93 टीबी मरीजों के बीच बांटी गई पोषण टोकरी



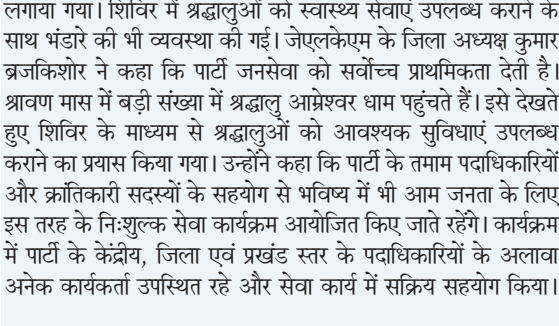
नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ में टीबी मरीजों के बीच अतिरिक्त पोषण टोकरी का वितरण किया गया।कार्यक्रम में सीसीएल के सहयोग एवं सिनी संस्था के माध्यम से कुल 93 पोषण टोकरी मरीजों को उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सक अशोक कुमार, एसटीएस राजीव कुमार सहित कई स्वास्थ्यकर्मों मौजूद रहे। स्वास्थ्यकर्मियों ने टीबी मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने, पौष्टिक एवं संतुलित आहार का सेवन करने तथा समय-समय पर आवश्यक जांच कराने की सलाह दी।स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि टीबी के उपचार के दौरान मरीजों को पर्याप्त पोषण मिलना बेहद जरूरी है।अतिरिक्त पोषण से मरीजों को आवश्यक ऊर्जा मिलने के साथ उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में मदद मिलती है, जिससे उपचार के दौरान उनके स्वास्थ्य में सुधार तेजी से हो सकता है।अधिकारियों ने मरीजों से अपील की कि चिकित्सकों द्वारा बताई गई दवाओं का नियमित सेवन करें और उपचार की अवधि पूरी होने तक दवा बीच में न छोड़ें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों को नियमित उपचार और पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सावन की अंतिम सोमवारी पर निकली भव्य पैदल यात्रा, रामघाट में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बालूमाथ स्थित महावीर मंदिर से रामघाट तक भव्य पैदल यात्रा निकाली गई।गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग भक्तिमय माहौल से गुंज उठा।पैदल यात्रा में उपेंद्र रंगीला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए रामघाट पहुंचे। वहां पहुंचकर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।श्रद्धालुओं ने सावन की अंतिम सोमवारी पर भगवान शिव की आराधना करते हुए परिवार एवं क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के बाद सभी श्रद्धालु वापस महावीर मंदिर पहुंचे, जहां प्रसाद ग्रहण किया।पैदल यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा।

आग्नेश्वर धाम में जैएलकेएम ने लगाया निःशुल्क सेवा शिविर, शिवभक्तों को स्वास्थ्य सेवा और बंधारे की सुविधा



नवप्रदेश/खूंटी। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर आग्नेश्वर धाम में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की ओर से शिवभक्तों के लिए निःशुल्क सेवा शिविर



फरक्का जल संधि व बिहार

फरक्का जल संधि को लेकर बिहार में एक बार फिर बहस तेज हो रही है। दिसंबर 2026 में भारत-बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल बंटवारा संधि की अवधि समाप्त होने वाली है। ऐसे में बिहार के जल हितों को केंद्र में रखकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा नहीं होनी चाहिए? जल वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि बदलती जलवायु, घटते नदी प्रवाह और बिहार की बढ़ती जल जरूरतों को देखते हुए इस संधि की नए सिरे से समीक्षा जरूरी है। 1996 की संधि जिस दौर के नदी प्रवाह के आंकड़ों पर आधारित थी, तब से परिस्थितियां काफी बदल चुकी हैं। ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, अनियमित मानसून और लगातार बढ़ते पर्यावरणीय असंतुलन ने नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित किया है। खासकर जनवरी से मई के शुष्क महीनों में गंगा में पानी की उपलब्धता बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में बिहार की सिंचाई, पेयजल, उद्योग और बिजली परियोजनाओं की जरूरतों को नजरअंदाज कर किसी अंतरराष्ट्रीय जल समझौते को जारी रखना व्यावहारिक नहीं माना जा सकता। बिहार की चिंता केवल गंगा तक सीमित नहीं है। सोन, गंडक, कोसी, घाघरा और महानंदा जैसी सहायक नदियां राज्य की कृषि और अर्थव्यवस्था की जीवररेखा हैं। इन नदियों के जल का समुचित प्रबंधन बिहार की सिंचाई जरूरतों के लिए आवश्यक है। धान सहित खरीफ फसलों के समय यदि पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होता, तो इसका सीधा असर किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए जल बंटवारे की किसी भी व्यवस्था में बिहार के हिस्से और उसकी दीर्घकालिक जरूरतों को स्पष्ट रूप से सुरक्षित किया जाना चाहिए। फरक्का बैराज को लेकर बिहार में बाढ़ और गाद की समस्या भी लंबे समय से चिंता का विषय रही है। गंगा के प्रवाह के साथ आने वाली गाद कई स्थानों पर नदी तल को उथला करती है। इससे नदी की जलधारण क्षमता प्रभावित होती है और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि बिहार की बाढ़ के पीछे अनेक प्राकृतिक और मानवीय कारण हैं, लेकिन फरक्का के नभाव सहित सभी कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक है। भावनाओं के बजाय तथ्य और आधुनिक जल-विज्ञान के आधार पर समाधान खोजा जाना चाहिए। आज बिहार तेजी से औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। बिजली उत्पादन, औद्योगिक इकाइयों, इथेनॉल उद्योग, शहरों के पेयजल और कृषि सिंचाई-हर क्षेत्र में पानी की जरूरत बढ़ रही है। नदी में पर्याप्त प्रवाह भूजल पुनर्भरण और जल परिवहन के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए बिहार के जल संसाधनों की केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के चरम्ये से नहीं देखा जा सकता। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में गंगा जल समझौते का अपना कूटनीतिक महत्व है। इसलिए संधि को समान रूप से जारी रखने का निर्णय केवल राजनीतिक दबाव में नहीं, बल्कि वैज्ञानिक अध्ययन, राज्यों के हित और पड़ोसी देश के साथ दीर्घकालिक संबंधों को ध्यान में रखकर होना चाहिए। 1977 के समझौते और उसके बाद 1996 की संधि का अनुभव बताता है कि जल समझौतों की समय-समय पर समीक्षा आवश्यक है। केंद्र सरकार को चाहिए कि संधि की अवधि समाप्त होने से पहले बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य संबंधित राज्यों से व्यापक विचार-विमर्श करे।

सुझा

हम जागे तो सब जागे

अक्षय शुक्ला

मध्य प्रदेश के विविदाश में कई छात्र पता नहीं कारिते दिनों से बेतवा नदी पर टूटे पड़े चेक डैम के गिलस पर छलांग मारते हुए जाना जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे थे। अखबार में तस्वीर छपी तो प्रशासन की आंख खुली। शिक्षा विभाग ने गांव के स्कूल को ही हाई स्कूल में अपग्रेड करने का आदेश दे दिया ताकि बच्चों को ऐसे दूर न जाना पड़े। यहां तो अखबार में छपने के बाद अधिकारी जागे, लेकिन देश में कई जगह अब स्टूडेंट्स खुद अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने लगे हैं। दिल्ली के जंतर मंतर और झारखंड के जेन जी आंदोलन ने जेन अल्फा को भी नई राह दिखा दी है। गुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर कई शहरों में स्कूल के बच्चे घरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कहीं स्कूल की जर्जर इमारतों का विरोध हो रहा, कहीं शिक्षकों की कमी और स्कूल तक जाने वाली सड़क की खस्ताहालत का तो कहीं गंदे शौचालयों, मिड 'डे मील की क्वालिटी को लेकर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में गड़्डों से भरी सड़क दुरुस्त करने की मांग लेकर छात्र कलेक्ट्रेट पहुंच गए। इनका कहना था कि बरसात में इतनी बुरी हालत हो जाती है कि इनका स्कूल जाना बंद हो जाता है। लखनऊ और आजमगढ़ में विज्ञान के नियमित शिक्षकों की कमी को लेकर स्टूडेंट्स का गुस्सा फूटा। कन्नौज में स्कूल में मिलने वाले भोजन की खराब क्वालिटी को लेकर जेन अल्फा का विरोध दिखा। राजस्थान के अलवर में स्कूल की छत का एक हिस्सा गिरने के बाद छात्र धरने पर बैठ गए। इस स्कूल की इमारत को पिछले साल ही जर्जर घोषित कर मुख्य इमारत को बंद कर दिया था और तीन कमरों में ही क्लास चल रही थी। मध्य प्रदेश के धार ज़िले में छात्रावास में अव्यवस्था के विरोध में 40 छात्राएं रात में ही थाने पहुंच गईं। जेन जी और अल्फा के सड़क पर उतरने का असर ऐसा हुआ कि प्रधानमंत्री को अपने मंत्रियों को हिदायत देनी पड़ी कि स्कूल, कॉलेज जाकर छात्रों से सीधा संवाद करे। यूपी के सीएम ने अधिकारियों को बच्चों की उठाई सभी समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दे दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सरकारी अधिकारियों को दो टुक़ सुनाई कि आम लोगों के बीच नियमित और उनकी समस्याएं सुनें ताकि जमीनी स्तर की वास्तविक परिस्थितियों को समझ पाएं। ऐसा नहीं कि सरकारी स्कूलों व अस्पतालों में अव्यवस्था का किसी को पता नहीं। स्थानीय हिंदी अखबार तो बरसों से इन समस्याओं को उठा रहे हैं। गांधी में डाढ़ स्कूल न होने के कारण कितने बच्चों की पढ़ाई छूट जाती है, खासकर लड़कियों की, जिनके लिए दूरदराज के इलाके में पढ़ने जाना आसान नहीं। लेकिन नेताओं, अधिकारियों पर कोई असर नहीं होता। कुर्सि मिलते ही ये जनसेवा की शपथ भूल जाते हैं। नई जनरेशन बस इन्हें यही याद दिला रही है।



मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली में सरकार जाने के बाद पार्टी के साथ मूढ़ी भर लोग दिखते हैं। अब केवल पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है। पंजाब सरकार के खिलाफ भी पार्टी में आवाज उठने लगी है। आम आदमी पार्टी के विधायक जेल गए। मंत्री संजीव अरोड़ा पर केन्द्रीय एजेंसियों का छापा पड़ा है। जो हालात दिख रहे हैं उसमें तो यही लग रहा है कि शराब घोटाले की आँव अभी इस पार्टी को और झुलसाएगी। कई और मामले सामने आने वाले हैं।



रावेल पुष्प

सरकार के बाहर केवल वार्थशास्त्री या विशेषक ही एकीकरण की बात नहीं कर रहे। जेनरल इश्योरेस इंग्लाइज आल इंडिया एसोसिएशन ने अगस्त 2024 में वित्त मंत्री को दिए अपने स्मारपत्र में चारों सरकारी साधारण बीमा कंपनियों को एक कंपनी में तब्दील करने की बात की थी। युनियन का दृष्टिकोण मूलतः यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों को एक मजबूत सार्वजनिक संस्था के रूप में पुनर्गठित किया जाए। यह दृष्टिकोण प्राइवटाइजेशन की अपेक्षा कंसोलिडेशन को प्राथमिकता देता है।



डॉ मयंक चतुर्वेदी

गजवा-ए-हिंदै जैसी हिंसक चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला सख्ती के साथ करना होगा। दूसरी ओर मक्का समझौते का सबसे बड़ा सबक भारत के लिए यह है कि भू-राजनीति स्थिर नहीं है। आज का साझेदार कल किसी दूसरे रणनीतिक ढांचे का हिस्सा हो सकता है

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के साधारण बीमा व्यवसाय के सामने खड़ा संकट अब केवल कुछ सरकारी कंपनियों के लाभ-हानि का विषय नहीं रह गया है। यह प्रश्न करदाता के वन, करोड़ों पॉलिसीधारकों के हित, सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका और देश की वित्तीय स्थिरता से जुड़ गया है। चार सरकारी साधारण बीमा कंपनियां—नेशनल इश्योरेस कंपनी, न्यू इंडिया एश्योरेस, ओरिएंटल इश्योरेस और युनाइटेड इंडिया इश्योरेस— आज भी देश के बीमा बाजार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वर्ष 1972 में साधारण बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के बाद 107 बीमा कंपनियों को इन चार प्रमुख कंपनियों में समाहित किया गया था।

समस्या यह है कि चारों कंपनियों की वित्तीय स्थिति एक जैसी नहीं है। न्यू इंडिया एश्योरेस अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में है, जबकि नेशनल, ओरिएंटल और युनाइटेड इंडिया लंबे समय से सोलवेंसी की चुनौती से जूझ रही हैं। वित्त वर्ष 2025–26 में न्यू इंडिया एश्योरेस ने लगभग 1,384 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि यूनाइटेड इंडिया को लगभग 4,839 करोड़, ओरिएंटल इश्योरेस को लगभग 4,061 करोड़ और नेशनल इश्योरेस को लगभग 72,534 करोड़ का घाटा हुआ। तीनों कंपनियों का संकुत घाटा 11,400 करोड़ से अधिक रहा। स्थिति की गंभीरता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च 2026 को नेशनल इश्योरेस का सोलवेंसी रेशियो लगभग -1.10, ओरिएंटल का -1.60 और युनाइटेड इंडिया का -1.40 था। इसके विपरीत न्यू इंडिया एश्योरेस का रेशियो 1.84 था। प्रश्न है कि सोलवेंसी मार्जिन आखिर इतना महत्वपूर्ण क्यों है। बीमा कंपनी के लिए केवल लाभ कमाना पर्याप्त नहीं है। उसका सबसे महत्वपूर्ण दायित्व भविष्य में पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करना है। इसलिए उसके पास संभावित जोखिमों और अप्रत्याशित दावों को झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी होनी चाहिए। सरकार की बीमा निर्यामक संस्था- इरडा के फ्रेम में बीमाकर्ता के लिए सोलवेंसी रेशियो 1.50 गुना रखा गया है। इसका अर्थ है कि बीमाकर्ता को अपने जोखिमों के मुकाबले पर्याप्त अर्थ भंडार बनाए रखना होगा। बीमा निर्यामक संस्था स्वयं स्पष्ट करती है कि बीमाकर्ता को हर समय 1.50 का अकाउंट लाना और रखना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर शेरर दाताओं को अतिरिक्त पूंजी उपलब्ध करानी होती है। इसलिए किसी कंपनी का अकाउंट लाना और उसकी सोलवेंसी दो अलग-अलग बातें हैं। लाभ आज की कमाई बताते हैं; जबकि सोलवेंसी भविष्य की देनदारियों को पूरा करने की क्षमता दर्शाती है। यही अंतर सरकारी साधारण बीमा कंपनियों की वर्तमान समस्या को समझने की कुंजी है। अब हम ये देखें कि क्या सरकार ने पहले भी इन कंपनियों को बनाने के लिए पूंजी डाली? उत्तर यही है कि डाली है— और पर्याप्त मात्रा में डाली है। केंद्र सरकार ने 2020 में नेशनल, ओरिएंटल और युनाइटेड इंडिया में कुल 12,450 करोड़ की पूंजी डालने को मंजूरी दी थी। सरकार ने स्पष्ट कहा था

अभिव्यक्ति

सरकारी साधारण बीमा कंपनियां : स्थायी समाधान की तलाश



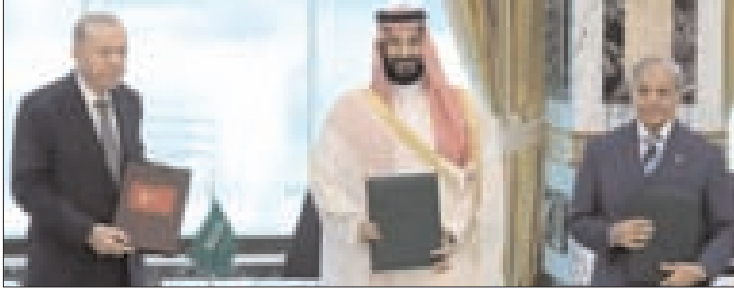
कि इस पूंजी का उद्देश्य उनकी वित्तीय एवं सोलवेंसी स्थिति सुधारना, जोखिम व्यवस्था मजबूत करना और लाभजनक तरक्की को बढ़ावा देना है। उसी समय सरकार ने यह भी स्पष्ट किया था कि तत्कालीन परिस्थितियों में प्रस्तावित एकीकरण को रोककर कंपनियों की सोलवेंसी और लाभजनक तरक्की पर ध्यान दिया जाएगा। यहीं से एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है— यदि पूंजी डालने के बाद कुछ वर्षों में तीनों कंपनियां फिर से उसी सोलवेंसी संकट में पड़वू जाती हैं, तो क्या केवल और पूंजी डालना स्थायी समाधान हो सकता है? इसका उत्तर उतना सहज नहीं है। पूंजी किसी बीमार बीमा कंपनी को समय दे सकती है, लेकिन यदि अंडरराइटिंग व्यवसाय लगातार घाट में है, मूल्य कमजोर है, दावों का दबाव अधिक है और व्यवस्थागत खर्च ऊँचा है, तो नई पूंजी भी धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है। अर्थात् कैपिटल कंप्यूज़न आवश्यक हो सकता है, लेकिन वह स्ट्रक्चरल रिफार्म का विकल्प नहीं है। वर्ष 2018 में सरकार ने इन कंपनियों के एकीकरण का रास्ता बंधी चुना था? यह तथ्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार स्वयं एक समय इन साधारण बीमा कंपनियों के एकीकरण को समाधान का हिस्सा मान चुकी है। वर्ष 2018 के बजट में सरकार ने नेशनल इश्योरेस, युनाइटेड इंडिया इश्योरेस और ओरिएंटल इश्योरेस को एकीकृत कर एक बीमा कंपनी बनाने की घोषणा की थी। क्या उस समय एकीकरण को स्वीगित करना सही रणनीति थी या अब परिस्थितियां सरकार को उसी विकल्प पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर रही हैं? चार सरकारी कंपनियां- एक ही मालिक, फिर भी आपस में प्रतिस्पर्धा यह समस्या का एक कम चर्चित लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। चारों कंपनियों का स्वामित्व सरकार के पास है, लेकिन वे बाजार में एक-दूसरे से भी मालाकट प्रतिस्पर्धा करती हैं। यदि यह प्रतिस्पर्धा स्वस्थ मूल्य और बेहतर सेवा के पवॉरर राख्यो से जोड़ता है। किसी भी बड़े सैन्य संकट में इसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वहीं, भारत के पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन पहले से ही सुरक्षा चुनौती हैं। यहां सबसे बड़ा खतरा किसी तत्काल युद्ध का भले ही न हो, पर बहुस्तरीय दबाव का निर्माण अभी से दिखाई दे रहा है। यदि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता, तुर्किये की रक्षा तकनीक और बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति किसी भविष्य के संकट में एक-दूसरे के पूरक

मिलाना उचित होगा? यदि एक फाइनैशियली स्वस्थ कंपनी को तीन फाइनैशियली रुग्ण कंपनी के साथ मिला दिया जाए, तो कमजोर बैलेंस शीट का बोझ मजबूत कंपनी पर आ सकता है। इसलिए एकीकरण कोई जादुई छड़ी नहीं है। कर्मचारी यूनियनों का पक्ष यहीं एक रोचक तथ्य है। सरकार के बाहर केवल अर्थशास्त्री या विशेषक ही एकीकरण की बात नहीं कर रहे। जेनरल इश्योरेस इंग्लाइज आल इंडिया एसोसिएशन ने अगस्त 2024 में वित्त मंत्री को दिए अपने स्मारपत्र में चारों सरकारी साधारण बीमा कंपनियों को एक कंपनी में तब्दील करने की बात की थी। युनियन का दृष्टिकोण मूलतः यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों को कमजोर करके या अलग-अलग करके नहीं, बल्कि एक मजबूत सार्वजनिक संस्था के रूप में पुनर्गठित किया जाए। यह दृष्टिकोण प्राइवटाइजेशन की अपेक्षा कंसोलिडेशन को प्राथमिकता देता है।

सरकार के समक्ष तीन विकल्प-पहला यह कि केवल रिकैपिटलाइजेशन यानी सरकार पूंजी डालती रहे और कंपनियों को अलग-अलग चलाती रहे। इसका लाभ यह है कि तत्काल सोलवेंसी संकट से निपटा जा सकता है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि यदि आपरेंटिंग लॉस बना रहे तो कुछ वर्षों बाद फिर पूंजी की जरूरत पड़ेगी। यह शार्ट टर्म स्ट्रेबिलाइजेशन है, लाग् टर्म सॉल्यूशन नहीं। दूसरा रास्ता : तीन कमजोर कंपनियों का एकीकरण नेशनल + ओरिएंटल + युनाइटेड इंडिया को मिलाकर एक इकाई बनाई जाए और न्यू इंडिया को अलग रखा जाए। इसका लाभ यह हो सकता है कि न्यू इंडिया की मजबूत बैलेंस शीट को कमजोर कंपनियों के साथ मिलाने का जोखिम न हो, लेकिन तीन कमजोर कंपनियों को जोड़ने से अपने आप मजबूत व्यवसाय का लक्ष्य हासिल नहीं हो जाएगा। साधारण बीमा पेंशनर्स ट्रस्ट के नेता बिजन बागची का स्पष्ट मत है कि चारों का स्ट्रैटेजिक कंसोलिडेशन यानी चारों कंपनियों को एक राष्ट्रीय पब्लिक सेक्टर जेनरल इश्योरेस में मिलाया जाए। यह सबसे बड़ा स्ट्रक्चरल रिफार्म होगा, लेकिन इसके पहले स्वतंत्र एक्जूरिगर और फाइनैशियल डिड डिलीजेंस जरूरी होगी। उनका यह भी कहना है कि प्राइवेट बीमा कंपनियां तभी तक अच्छी हैं जब तक कोई वलेंस न देना पड़े। वे तो सीधे और स्पष्ट शब्दों में अब यही नारा बुलंद करते हैं कि एक देश, एक सरकारी साधारण बीमा कंपनी! उसी तरह जिस तरह हमारी सरकारी जीवन बीमा कम्पनी है और प्राइवेट कंपनियां आने के बावजूद शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। क्या चारों को एक कर देना ही सर्वोत्तम विकल्प है? मेरी दृष्टि में चार को एक करना ही सिर्फ़ अपने आप में समाधान नहीं, लेकिन चार को एक मजबूत, व्यावसायिक और उत्तरदायी संस्था में बदलना एक गंभीर नीतिगत विकल्प जरूर है।

लेखक, वरिष्ठ साहित्यकार हैं और पूर्व में एक साधारण बीमा कंपनी के अधिकारी रह चुके हैं।)

मक्का रक्षा समझौता और बदलता भू-राजनीतिक चक्रव्यूह



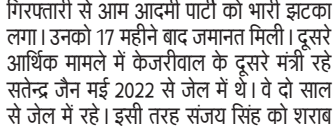
शमा ओबैद इस्लाम ने भी कहा है कि किसी बहुपक्षीय समझौते में शामिल होने का निर्णय इस बात पर निर्भर करेगा कि उससे बांग्लाेश और उसके लोगों के हित सुरक्षित होते हैं या नहीं। स्वाभाविक है, यदि बांग्लादेश भविष्य में इस ढांचे के किसी रक्षा स्वरूप से जुड़ता है, तो भारत के लिए यह बेहद चिंता का विषय है। क्योंकि इससे भारत के पूर्वोत्तर की रणनीतिक स्थिति पर उसका प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से सिलंगुडि कॉरिडोर भारत की सुरक्षा संरचना का अत्यंत सेवेदनशील हिस्सा है। पश्चिम बंगाल के उत्तर में स्थित यह संकीर्ण भूभाग देश के मुख्य हिस्से को पूर्वोत्तर राख्यो से जोड़ता है। किसी भी बड़े सैन्य संकट में इसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वहीं, भारत के पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन पहले से ही सुरक्षा चुनौती हैं। यहां सबसे बड़ा खतरा किसी तत्काल युद्ध का भले ही न हो, पर बहुस्तरीय दबाव का निर्माण अभी से दिखाई दे रहा है। यदि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता, तुर्किये की रक्षा तकनीक और बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति किसी भविष्य के संकट में एक-दूसरे के पूरक

बनते हैं, तो भारत को एक साथ पश्चिमी और पूर्वी दिशाओं में अतिरिक्त सैन्य संसाधन लगाने पड़ेंगे। वहीँ मक्का समझौता पाकिस्तान को अपनी क्षेत्रीय और इस्लामी दुनिया की कूटनीति में नया मंच भी देगा। पाकिस्तान पहले से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंधों में गहराई रखता है और तुर्किये के साथ उसके सैन्य संबंध भी मजबूत हैं। मक्का समझौता इन द्विपक्षीय रिश्तों को एक त्रिपक्षीय ढांचे में जोड़ता है। ऐसे में भारत के लिए चुनौती यह है कि पाकिस्तान भविष्य में इस मंच का उपयोग कश्मीर सहित भारत से जुड़े मुद्दों को व्यापक अंतरराष्ट्रीय या इस्लामी कूटनीतिक विमर्श में ले जाने के लिए भी कर सकता है। अब भारत के संदर्भ में एक पक्ष और भी है, देश की बाहरी सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण आंतरिक स्थिरता भी है। आतंकवाद और इस्लामिक जिहाद, चरमपंथी नेटवर्क किसी भी संभावित सैन्य संकट में बाहरी शक्तियों के लिए अप्रत्यक्ष दबाव का माध्यम बनते हैं, इसलिए खुफिया एजेंसियों, राज्य पुलिस, आतंकवाद निरोधी इकाइयों, वित्तीय जांच एजेंसियों और साइबर सुरक्षा तंत्र के बीच वास्तविक समय

में सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करना होगा। गजवा-ए-हिंद जैसी हिंसक चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला सख्ती के साथ करना होगा। दूसरी ओर मक्का समझौते का सबसे बड़ा सबक भारत के लिए यह है कि भू-राजनीति स्थिर नहीं है। आज का साझेदार कल किसी दूसरे रणनीतिक ढांचे का हिस्सा हो सकता है, इसलिए भारत की सुरक्षा नीति को किसी एक देश या किसी एक संभावित युद्ध पर केंद्रित रहने के बजाय पूरे हिंद महासागर से लेकर हिमालय और पूर्वोत्तर तक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत को एक साथ चार काम करने होंगे, पहला- बांग्लादेश के साथ उच्चस्तरीय रणनीतिक संवाद बनाए रखना, दूसरा- पूर्वोत्तर और सिलंगुडि कॉरिडोर की संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाना, तीसरा- बंगाल की खाड़ी में समुद्री श्रेष्ठता कायम रखना और अंतिम- पाकिस्तान-तुर्किये की रक्षा साझेदारी से उत्पन्न संभावित तकनीकी चुनौतियों के लिए स्वदेशी क्षमता विकसित करने रहना, जिस पर कि इन दिनों कार्य होता हुआ भी दिखता है। अंतिम और महत्वपूर्ण बात यह है कि पहले ही मक्का रक्षा समझौता आज भारत के खिलाफ घोषित सैन्य खतरा बनने नहीं हो, फिर भी यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश द्वारा इसमें संभावित भागीदारी के प्रति दिखाई गई समतात्मकता भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक अलग चुनौती खड़ा करती है। यदि पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बांग्लादेश किसी ऐसे व्यापक सुरक्षा नेटवर्क के करीब आते हैं, जिसमें तुर्किये जैसी रक्षा तकनीकी शक्ति भी शामिल होगी, तो भारत के सामने योजनात्मक भूमिका निभाती है, तो भारत के सामने योजनात्मक भूमिका निश्चित रूप से जटिल होगा।

सत्येन्द्र जैन के जेल जाने के खतरे

कसना तय सा माना जा रहा है। माना जा रहा है जेल बॉर्ड ही नहीं, मुख्यमंत्री के सरकारी निवास (आम बोलचाल में शोश महल) समेत, स्कूलों के निर्माण और मरम्मत से लेकर अनेक निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के मामले पहले से ही सार्वजनिक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी पर खराब बहिःसाब बढ़ा है। इसी के चलते सत्येन्द्र जैन की गिरफ्तारी पर केजरीवाल बौखलाकर भाजपा की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड की अबजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) परियोजना की निविदा प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार होने के आरोप में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा(एसीबी) ने 10 मई 2024 को सत्येन्द्र जैन, जल बोर्ड के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उदित प्रकाश राय आदि के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। उन्हें पांच दिनों के पूछताछ के लिए बुलाया। 18 अगस्त को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाकर उनके साथ पूर्व सचिवा सलाहकार अकिंत श्रीवास्तव, नरेन्द्र यादव, राजा कुमार कुरी और पंकज वर्मा को गिरफ्तार कर 19 अगस्त को विशेष न्यायाधीश विनय सिंह की अदालत में पेश किया। न्यायाधीश ने सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी पर संकट बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। संयोग से आम आदमी पार्टी ने सत्येन्द्र जैन को पंजाब का उप प्रभारी भी बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस गिरफ्तारी के लिए भाजपा पर पहले की तरह जाच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पार्टी नेताओं का आरोप है कि पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी की बढ़त से परेशान भाजपा एसीबी अधिकारियों पर दबाव डालकर गिरफ्तारी कराई गई, जबकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा का आरोप है कि आम आदमी पार्टी



शासन में दिल्ली जल बोर्ड लूट का केन्द्र बना दिया गया था। सरकारी ऑडिट (सीपीए) की जांच में आम आदमी पार्टी के दस साल के शासन में सात हजार करोड़ का घोटाला सामने आया है। माना जा रहा है कि यह भी शराब घोटाले जैसा आम आदमी पार्टी के लिए भारी संकट खड़ा करने वाला साबित होगा। वर्ष 2022 में शराब घोटाले की जांच शुरू होने के बाद ईडी ने बड़ी तादात में गिरफ्तारी की, लेकिन 26 फरवरी 2023 को मनीष सिंसोदिया (सीडीएस) मामले में केजरीवाल के दूसरे मंत्री रहे सतेन्द्र जैन मई 2022 से जेल में थे। वे दो साल से जेल में रहे। इसी तरह संजय सिंह को शराब घोटाले में ही 4 दिसंबर 2023 को गिरफ्तार किया गया। उन्हें छह महीने बाद विभिन्न पाबंदियों के साथ जमानत मिली। अरविंद केजरीवाल को ईडी ने बातचीत के लिए अनेक सम्मन भेजे। ईडी में पेश न होने के लिए अदालत भी गए, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। आखिरकार ईडी ने उन्हें

21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया। अपनी गिरफ्तारी को उन्होंने उच्चतम न्यायालय तक में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय ने पहली बार किसी नेता को केवल चुनाव प्रचार के लिए तीन हफ्ते की जमानत दे दी। वे जमानत पर 10 मई को बाहर आए और दो जनों को वापस जेल गए। 26 जून को सीबीआई ने उन पर दूसरा मामला दायर कर दिया। वे करीब पांच महीने जेल में रहने के बाद भारी प्रयास के बाद 13 सितंबर 2024 को उन्हें उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने पर बाहर आए। अभी फरवरी 2026 में ट्रायल कोर्ट ने सबूत के अभाव में शराब घोले की सत्ता से 23 आरोपितों को बरी कर दिया। उनके खिलाफ सीबीआई ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका विचारधीन है। आम आदमी पार्टी और उसके सर्वसर्वा अरविंद केजरीवाल सत्ता के लिए बने हैं। इसे इस राजनीतिक पार्टी के 14 साल के इतिहास से साबित किया है। समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सहारे राजनीति में आने वाले केजरीवाल ने वह सभी काम किए जो इस देश के आम राजनेता करते रहे हैं या इसके लिए राजनेता बदनाम हैं। आम आदमी पार्टी 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से 134 सीटें मिली थीं। भाजपा को 104 सीटें मिली थीं। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने का लाभ उसे मिला रहा। बहुमत के बावजूद महीनों कवायत के बाद आम आदमी पार्टी का मेयर बना। इन दाईं सत्ता में आम आदमी पार्टी के पार्षद भाजपा में आते रहे। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी में जाकर पार्षद बने 16 निगम पार्षद अलग दल बनाकर आम आदमी पार्टी से अलग हो गए। वे सभी भाजपा में शामिल हो गए। निगम में दलबद्ध के विरोधी कानून नहीं लागू है। अब निगम में भी सत्ता से बाहर नहीं लगे हैं। आम आदमी पार्टी पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल की पार्टी है। वह न तो के लिए उन्होंने जो वायदे किए थे, सत्ता में आने के बाद सारे आवरण उसके उलट किए। दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनका व्यवहार नहीं बदला। उन पर शराब घोटाला से लेकर अपने सरकारी आवास को करोड़ों खर्च करके शोश महल बनवाने आदि के अनेक आरोप लगे। बावजूद इसके पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले सरकारी आवास में उनपर फिर से लाखों रुपये लगाने का आरोप लगा। सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास आदमी बना दिया। सुरक्षा के भारी ताम-झाम से उनकी लोगों

से दूरी बढ़ी और जिस वीआईपी क्लवर का विरोध करके राजनीति में आए उसी क्लवर के प्रतीक बन गए। शराब घोटाले में कई बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद खुद केजरीवाल जेल गए। वर्ष 2024 का लोकासभा चुनाव और 2015 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने अपने को प्रताड़ित करने का सूत्रा बनाने की अरफल कोशिश की। 70 सदस्यी वाली विधानसभा चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी। आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली। मतों का अंतर केवल दो फीसदी का था। पहली बार आम आदमी पार्टी 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से 134 सीटें मिली थीं। भाजपा को 104 सीटें मिली थीं। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने का लाभ उसे मिला रहा। बहुमत के बावजूद महीनों कवायत के बाद आम आदमी पार्टी का मेयर बना। इन दाईं सत्ता में आम आदमी पार्टी के पार्षद भाजपा में आते रहे। इतना ही नहीं आम आदमी पार्टी में जाकर पार्षद बने 16 निगम पार्षद अलग दल बनाकर आम आदमी पार्टी से अलग हो गए। वे सभी भाजपा में शामिल हो गए। निगम में दलबद्ध के विरोधी कानून नहीं लागू है। अब निगम में भी सत्ता से बाहर नहीं लगे हैं। आम आदमी पार्टी पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल की पार्टी है। वह न तो के लिए उन्होंने जो वायदे किए थे, सत्ता में आने के बाद सारे आवरण उसके उलट किए। दिल्ली में सरकार जाने के बाद भी उनका व्यवहार नहीं बदला। उन पर शराब घोटाला से लेकर अपने सरकारी आवास को करोड़ों खर्च करके शोश महल बनवाने आदि के अनेक आरोप लगे। बावजूद इसके पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले सरकारी आवास में उनपर फिर से लाखों रुपये लगाने का आरोप लगा। सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास आदमी बना दिया। सुरक्षा के भारी ताम-झाम से उनकी लोगों

हैं। इसकी शुरुआत 19 अगस्त को सत्येन्द्र जैन के जेल जाने से हो गई है। जो नेता जमानत पर जेल से बाहर हैं, वे वापस कब जेल चले जाएं कहा नहीं जा सकता है। दो फीसदी मतों के अंतर से सरकार बनाने वाली भाजपा दिल्ली में अपनी राजनीतिक हैसियत बढ़ाने में लगी है। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा देश के करीब ज्यादातर राज्यों में सत्ता में आई है। नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केन्द्र की सरकार लगातार रिकार्ड बना रही है। इस सरकार की धमक ऐसी है कि एक के बाद एक करके विपक्ष के बड़े-बड़े दिग्गज पराजित होते जा रहे हैं। कभी विपक्ष की राजनीति के प्रभावशाली नेता रहे कई नाम अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यानी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन चुके हैं। कई बड़े नेता बहते उम्र या बिगड़ते समीकरण के चलते अप्रासंगिक हो चुके हैं। वामपंथी दल इतिहास बनते जा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अपनी सीमा है। ममता बनर्जी और पम के स्टालिन अशेल 2026 के विधानसभा चुनाव में खुद अपना चुनाव हार कर अपने राज्य की सत्ता से बाहर हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और मयावती जैसे नेता अभी सत्ता से बाहर हैं और उनकी सत्ता उलर प्रेशा विचारसभा चुनाव में इनके सत्ता में आने की उम्मीद नहीं है। कई और नेताओं के भी यही हाल है। अरविंद केजरीवाल भी खुद अपने विधानसभा क्षेत्र से पराजित होकर खुद वे और उनकी पार्टी दिल्ली की सत्ता से बाहर हैं। आम आदमी पार्टी उच्चतम न्यायालय में है इसलिए वे पंजाब के अशोषित मुख्यमंत्री माने जाते हैं। पंजाब चुनाव नतीजे आम आदमी पार्टी के पक्ष में आने पर न केवल आम आदमी पार्टी के बिखरने के साथ-साथ बल्कि आम आदमी पार्टी के संयोगजनक अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक पारी का समापन भी होने का खतरा है। (लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

बाबा के दरबार में आस्था का उमड़ा सैलाब, अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं की सेवा में मुस्तैद रहा प्रशासन

नवप्रदेश संवाददाता

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव की चौथी एवं अंतिम सोमवारी के अवसर पर बाबा बासुकीनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अहले सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा बासुकीनाथ के दर्शन एवं अर्घा के माध्यम से जलार्पण करते नजर आए। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम जलार्पण को लेकर जिला प्रशासन की ओर से की गई व्यापक व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रही। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अर्घा के माध्यम से जलार्पण की व्यवस्था की गई। कतारबद्ध श्रद्धालुओं को व्यवस्थित



तरीके से आगे बढ़ाते हुए कम समय में सुगम जलार्पण कराने का प्रयास किया गया। मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल पूरी मुस्तैदी से तैनात रहा। अंतिम सोमवारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमें

निगरानी रखी गई। मेला क्षेत्र में सूचना सहायता कर्मियों ने भी श्रद्धालुओं की मदद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रास्ता भटकने, आवश्यक जानकारी लेने अथवा परिजनों से बिछड़ जाने की स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई। सूचना सहायता केंद्रों एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों के समन्वय से बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का प्रयास लगातार जारी रहा। **शिवगंगा में एनडीआरएफ की पैनी नजर** शिवगंगा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर एनडीआरएफ की टीम पूरी तरह मुस्तैद रही। जल क्षेत्र में लगातार निगरानी रखते हुए किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए टीम तैयार रही। श्रद्धालुओं से सुरक्षित

कार्रवाई के लिए प्रशासन और पुलिस की टीमें तैयार रही। अंतिम सोमवारी के अवसर पर बाबा बासुकीनाथ के दरबार में पहुंचने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम एवं सुखद आध्यात्मिक अनुभव मिले, इसके लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, एनडीआरएफ, सूचना सहायता कर्मी, स्वच्छता कर्मी एवं अन्य संबधित टीमें पूरी तत्परता से अपने दायित्वों का निर्वहन करती रही। बाबा के दरबार में उमड़ी आस्था के बीच व्यवस्था के हर मोर्चे पर सेवा और समर्पण का भाव नजर आया। श्रद्धालुओं की आस्था सुरक्षित रही, जलार्पण सुगम हो और पत्येक भक्त बाबा को आशीर्वाद लेकर लौटे—इसी उद्देश्य के साथ मेला क्षेत्र में आवश्यक व्यवस्थाएं सक्रिय रही।

बाढ़ से बचाव एवं सुरक्षित रहने के लिए जरूरी सावधानियां

नवप्रदेश संवाददाता

साहिबगंज/साहिबगंज साहिबगंज जिले में गंगा नदी के बाढ़ से जलस्तर एवं संभावित वाई की स्थिति को देखते हुए हम जनों से अपील की है कि घबराई नहीं प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें तथा अपनी एवं अपने परिवार को सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता थी **बाढ़ आने से पहले क्या करें** बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अब तक निर्माण कार्य से बच्चे जब तक घर को सुरक्षित बनाने की आवश्यकता ना हो यदि बाढ़ की आशंका तू फ्रिज

गुमला में कांग्रेस की बैठक में संगठन और एस आई आर पर मंथन

सांसद सुखदेव भगत ने कहा—
वोट के साथ अधिकार की भी हो रही है चोरी

नवप्रदेश/गुमला। जिला कांग्रेस कमिटी की कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को सफ़िक्ट हाउस सभागार में जिला अध्यक्ष राजनील तिगा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, पदाधिकारियों को दिए गए दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कराने तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सांसद सुखदेव भगत, झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम, लोकसभा सह प्रभारी विजय खां, गीता श्री उरांव, चित्तपुर प्रभारी सीमा सीता, गुमला विधानसभा प्रभारी, सिसई विधानसभा प्रभारी ऋषिकेश सिंह समेत जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि गुमला लोकसभा क्षेत्र लंबे समय तक ऐसे दौर से गुजरा है, जब कांग्रेस को कोई प्रतिनिधि संसद में नहीं था। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और कार्यकर्ताओं को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा।एसआईआर को लेकर सांसद ने आरोप लगाते हुए कहा कि मामला सिर्फ़ वोट काटने तक सीमित नहीं है, बल्कि कुछ क्षेत्रों में गलत तरीके से नाम जोड़ने को कोशिश भी हो सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची की बारीकी से जांच करने और किसी भी तरह की दुरुबुझी सामने आने पर लोकतांत्रिक एवं कानूनी तरीके से उसका विरोध



करने को कहा।सांसद ने कहा कि खनिज एवं खनन से जुड़े केंद्रीय कानूनों में किए जा रहे बदलाव, आदिवासी अधिकार, जमीन, जंगल और खनिज संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार तथा विस्थापन जैसे मुद्दे आने वाले समय में महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड के संसाधनों पर यहां के लोगों का अधिकार और उनके हितों की रक्षा बड़ा सवाल है।राज्य सरकार के महिलाओं के सम्मान की मईयां सम्मान योजना को लेकर सांसद ने केंद्र और राज्य की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि योजना को लेकर केंद्र स्तर से राज्य के हिस्से की राशि कटौती की कोशिशें हो रही हैं और कांग्रेस इसका राजनीतिक एवं जनहित के स्तर पर विरोध करेगी।इन्होंने डिलिरिस्टिंग और परिसीमन के मुद्दे पर भी चिंता जताई। सांसद ने कहा कि आने वाले समय में परिसीमन का प्रभाव झारखंड समेत आदिवासी बहुल क्षेत्रों की राजनीतिक प्रतिनिधित्व व्यवस्था पर पड़ सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन मुद्दों को समझने और जनता के बीच तथ्यात्मक

भी जनता के पैसे या विश्वास से जुड़े सवाल होंगे, वहां जवाबदेही तय करने की मांग ।

दो लाख 11 हजार वोट कमतर नहीं:शमशेर आलम अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि पार्टी ने लंबे संघर्ष और परिश्रम के बाद लोकसभा सीट पर जीत हासिल की है। उन्होंने सांसद सुखदेव भगत के जुझारू नेता बताते हुए कहा कि वे संगठन के प्रति भी सजग रहते हैं और राज्य की आवाज को दिल्ली में उठाते हैं।इन्होंने कहा कि संगठन को जितना मजबूत होना चाहिए, **उतना मजबूत अभी दिखाई नहीं दे रहा है। 30 साल से गुमला में कांग्रेस का विधायक नहीं:विजय खां** लोकसभा सह प्रभारी विजय खां ने संगठन की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि गुमला में करीब 30 वर्षों से कांग्रेस का विधायक नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लंबे समय बाद लोकसभा में अपना प्रतिनिधित्व हासिल किया है, लेकिन संगठन की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है।इन्होंने कार्यकर्ताओं से एसआईआर के दौरान बूथ स्तर पर सक्रिय रहने और मतदाता सूची को लेकर सजग रहने की अपील की। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, 27 अगस्त के धरना, एसआईआर अभियान तथा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने और रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी। बैठक में जिला उपाध्यक्ष रोहित उरांव, सुजीत जायसवाल, सीता देवी, मानिकचंद्र साहू, निशांत डुबे, महासचिव फिरोज आलम, रूपेश अंसारी, संजीव मालानी, बबुल सन्नी, रफी अली, नगर अध्यक्ष जय सिंह, पणू होता, अल्बर्ट तिगा, मनसूख अंसारी, अनिरुद्ध चौबे, सैयद खालिद शाह,इकरामुल हक समेत कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संथाल परगना प्रमंडल के आयुक्त के रूप में शैलेंद्र कुमार लाल ने ग्रहण किया पदभार

नवप्रदेश/दुमका। संथाल परगना प्रमंडल के नवनियुक्त आयुक्त श्री शैलेंद्र कुमार लाल ने सोमवार को अपने पद का विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त दुमका श्री अभिजीत सिन्हा ने आयुक्त से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण करने के बाद आयुक्त श्री शैलेंद्र कुमार लाल ने कहा कि संथाल परगना प्रमंडल में विकास कार्यों को और तेज गति प्रदान करना उनकी प्राथमिकता होगी। आमजनों के हित



से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा तथा जनसेवा से संबंधित मामलों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सरकार की योजनाओं एवं विकास कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाएगी। प्रशासनिक व्यवस्था को

और प्रभावी बनाने के साथ-साथ आमजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने और आम लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने की अपेक्षा की। इस अवसर पर आयुक्त कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

भाग लिया कस्टमर रिटर्निंग ऑप्शन टीचर मोबाइल लोन सहित विभिन्न पदों के लिए खोल व्यक्तियों प्राप्त हुई थी भर्ती प्रक्रिया के दौरान किया गया जबकि 18 विद्यार्थियों को संत अवस्थित किया गया वहीं गेम के माध्यम से 20 अभ्यर्थियों को झरना नियोजन पोर्टल पर निबंध कराया गया जिससे उन्हें भावि्य में उपलब्ध रोजगार का विभिन्न अवसरों से जुड़ने का मार्ग मिला खेमपुर में उपस्थित अभ्यर्थियों को

रोजगार से जोड़ने के साथ-साथ कौशल विकास का अवसरों पर भी जानकारी दी गई कौशल विकास विभाग के अंतर्गत है संचालित एड्स स्किल सेंटर साहिबगंज के प्रतिनिधियों द्वारा इच्छुक अभ्यर्थियों को जिले में संचालित कौशल प्रशिक्षण केंद्र में नामांकन हेतु प्रेरित एवं प्रेषित किया गया जिला नियोजनालय द्वारा आयोजित जिले के युवाओं के लिए हुनर से रोजगार और रोजगार से निर्भरता की दिशा में

एक महत्वपूर्ण कदम है इसे भारतीय से निबंध के माध्यम से न्युज रोजगार उपलब्ध कराना जा रहा है ताकि स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में निजी क्षेत्र के रोजगार अवसरों को जोड़ा जा सके कैरियर मार्गदर्शन और रोजगार सेवाओं की जानकारी केंद्र में उपस्थित अभ्यास को जिला नियोजनालय का मंडल केयर सेंटर साहिबगंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जा रही है सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई

बाबा के दरबार में आस्था का उमड़ा सैलाब, अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं की सेवा में मुस्तैद रहा प्रशासन

नवप्रदेश संवाददाता

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव की चौथी एवं अंतिम सोमवारी के अवसर पर बाबा बासुकीनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अहले सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा बासुकीनाथ के दर्शन एवं अर्घा के माध्यम से जलार्पण करते नजर आए। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम जलार्पण को लेकर जिला प्रशासन की ओर से की गई व्यापक व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रही। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अर्घा के माध्यम से जलार्पण की व्यवस्था की गई। कतारबद्ध श्रद्धालुओं को व्यवस्थित

ईचागढ़ में मिला फंदे के सहारे लटकता अज्ञात व्यक्ति का लाश

नवप्रदेश/ईचागढ़ - ईचागढ़ थाना क्षेत्र के गौराकोचा पंचायत के काटघोड़ा गांव के लम्बा डुंगरी के पास एक पेड़ पर फंदे के सहारे लटकता एक अज्ञात लाश बरामद किया गया। सूचना मिलते ही ईचागढ़ पुलिस देर शाम को घटनास्थल पर पहुंचे और लाश को पेड़ से सुरक्षित उतरा एवं लाश को कब्जे में लेकर थाना में सुरक्षित रखा गया।मिली जानकारी के अनुसार एक लंबा अर्जुन पेड़ पर करीब 30 वर्षीय एक व्यक्ति का कपड़े के फंदे पर लटकता लाश सोमवार की शाम को ग्रामीणों द्वारा देखा गया। तत्काल इसकी सूचना ईचागढ़ पुलिस को दिया गया। सूचना मिलते ही ईचागढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु थाना लाया गया। खबर लिखे जाने तक लाश की पहचान नहीं हो पाया था। थाना प्रभारी वरूण यादव से जानकारी लेने पर उन्होंने? बताया कि प्रथमदृष्ट्या आत्म हत्या प्रति्त होता है। पोस्टमार्टम के बाद ही मामले के संबंध में जानकारी मिल सकती है। लाश की पहचान करने की कोशिश किया जा रहा है।

विधायक सविता महतो ने चांडिल के बानसा पहाड़पुर एवं उरमाल में किया 2 सड़को का शिलान्यास

3 करोड़ 56 लाख की लागत से 4 किमी पक्की सड़क का होगा निर्माण

चांडिल:- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से स्वीकृत चांडिल प्रखंड क्षेत्र के बानसा पहाड़पुर से लकरागोड़ा 1.80 किमी एवं एन एच 33 उरमाल से डुंगरीडीह भाया डुबुडीह हरेमदा तक 2.3 किमी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास सोमवार को विधायक सविता महतो ने विधिवत शिलापट्ट अनावरण कर किया। बानसा पहाड़पुर से लकरागोड़ा तथा एनएच-33 उरमाल से डुंगरीडीह भाया डुबुडीह-हरेमदा तक बनने वाली इन सड़कों पर कुल 3 करोड़ 56 लाख रुपये खर्च होंगे। इस दौरान विधायक सविता महतो ने बताया कि ग्रामीणों के बहुप्रतीक्षित सड़क बानसा पहाड़पुर से लकरागोड़ा 1.80 किमी एकरारनामा के अनुसार 1 करोड़ 85 लाख एवं एन एच 33 उरमाल से डुंगरीडीह भाया डुबुडीह हरेमदा तक 2.3 किमी एकरारनामा के अनुसार 1 करोड़ 71 लाख रुपए कि लागत से निर्माण होगा। उन्होंने कहा दोनों सड़को का निर्माण होने से ग्रामीणों को यातायात में सुविधा होगी। उन्होंने संवेदक को सड़क का निर्माण कार्य ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण करने का निर्देश दिए। इस दौरान विभाग के कनीय अभियंता दिनेश महतो, झामुमे केन्द्रीय सदस्य काबलु महतो, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा किशोर महतो, अर्जुन सिंह मुंडा, समर भुइयां, पशुपति महतो, लम्बोदर महतो, बुद्धेश्वर महतो, अरुण महतो, अजीत सिंह मुंडा, अनिल महतो, विनय लोहार, योगेश्वर महतो, विजय कृष्ण महतो, मुखिया भीम सिंह मुंडा, राहुल वर्मा समेत काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

हेबन गांव में एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

चांडिल : नीमडीह प्रखंड अंतर्गत ग्राम हेबन-जामडीह में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं में खेल भावना और अनुशासन समाज को सशक्त बनाते है। उन्होंने आयोजन के लिए युवा समिति को धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह के आयोजन से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। कार्यक्रम में शिकार हांसदा, गुरुपद सिंह, मन्मद मांझी, शिक्षक फुफू हांसदा, वार्ड सदस्य गुरुपद ददु, सुकेन सिंह, भीषण बेसरा, अमित पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

खेल से निखरती है प्रतिभा, युवाओं को आगे बढ़ने का मिलता है मंच—सांसद सुखदेव भगत

नवप्रदेश/सिसई: मुहर्रम कमिटी लोहांजारा सिसई द्वारा आयोजित चार दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह खेल भावना और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि लोहरदगा लोकसभा के लोकप्रिय सांसद सुखदेव भगत जी शामिल हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि गुमला जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी, प्रखंड प्रमुख मीना टोण्पी एवं सिसई प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष निलेश उरांव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला चांपी बनाम पोढ़ा टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में चांपी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। मौके पर सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि इससे युवाओं में अनुशासन, मेहनत, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है।इन्होंने कहा कि गांवों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें बेहतर अवसर और उचित मंच उपलब्ध कराने की। फुटबॉल जैसे खेलों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवा अपनी प्रतिभा को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और नियमित मेहनत करने की अपील की।इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, आयोजन समिति के सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

रोजगार की और बढ़ते कदम, रोजगार की

नवप्रदेश/साहिबगंज/ साहिबगंज जिले के युवाओं को एवं युवियों को रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ने उनके हुनर को निखार दें तथा निजी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं विकास विभाग झारखंड रांची के तत्त्वधान में जिला नियोजनालय उत्सव मॉडल कैरियर स्टैंड सेंटर साहिबगंज द्वारा कार्यालय परिषद में भर्ती गेम्स



निबंध केंद्र का सफल आयोजन किया गया।उपस्थित 54 वींडियो पर भर्ती प्रक्रिया



एक नजर

मुंबई में भाषा विवाद को लेकर झारखंडी झ़ा़इवरो का आक्रोश, अपने राज्य में रोजगार की मांग



नवप्रदेश/मुंबई। भाषा विवाद को लेकर मुंबई में रह रहे झारखंड के झ़ाइवरो ने सोमवार को आक्रोश प्रदर्शन करते हुए झारखंड सरकार से अपने राज्य में रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दूसरे राज्यों में जाकर रोजगार करने के दौरान उन्हें भाषा और क्षेत्रवाद से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समाधान की दिशा में ठोस पहल करे, अन्यथा झारखंड में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन का संचालन ब्रह्मदेव प्रजापति, विशाल साव, ईश्वर साव, प्रीत साव, सुरेंद्र राजक, उंपेंद्र साव, उमेश साव और बसंत साव सहित अन्य लोगों ने किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि झारखंड के हजारों लोग रोजगार की तलाश में देश के विभिन्न महानगरों में काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में लोग झ़ाइविंग, निर्माण, होटल, परिवहन और अन्य क्षेत्रों से जुड़े हैं। **महानगरों में झारखंडियों को सम्मान और रोजगार का अधिकार देने की मांग** प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई देश के प्रमुख महानगर हैं। दिल्ली राजनीतिक एवं प्रशासनिक केंद्र, मुंबई आर्थिक एवं व्यावसायिक केंद्र, कोलकाता पूर्वी भारत का प्रमुख सांस्कृतिक-ऐतिहासिक केंद्र और चेन्नई दक्षिण भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक एवं सांस्कृतिक नगर है। इसके अलावा बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे भी तेजी से विकसित हो रहे प्रमुख औद्योगिक एवं आईटी केंद्र हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इन महानगरों की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से जाकर काम करने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसके बावजूद मुंबई जैसे शहरों में दूसरे राज्यों से आए लोगों को स्थानीय भाषा बोलने के लिए दबाव का सामना करना पड़ता है। आरोप लगाया गया कि स्थानीय भाषा नहीं बोल पाने वाले लोगों के साथ कई बार अदभुत व्यवहार और मारपीट की घटनाएं भी सामने आती हैं। झारखंडी झ़ाइवरो ने केंद्र एवं झारखंड सरकार से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने और रोजगार करने का अधिकार मिलना चाहिए। सरकार झारखंड में ही पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए, ताकि लोगों को मजबूरी में दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया तो झारखंड में व्यापक स्तर पर आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा।

एसआईआर के तहत जनसुनवाई में दस्तावेजों की हुई जांच



नवप्रदेश/चौपारण। एसआईआर के तहत दावा-आपत्ति के निराकरण को लेकर सोमवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों और बूथों पर जनसुनवाई शिविर आयोजित किए गए। शिविर में मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। पंचायत चोरदाहा के बूथ संख्या 1, 2 और 3 में बीडीओ नितेश भास्कर, चौपारण पंचायत भवन स्थित बूथ संख्या 53, 54 और 55 में सीओ संजय यादव तथा बसरिया में कार्यपालक दंडाधिकारी दीपा खलखो की मौजूदगी में जनसुनवाई हुई। बच्छई पंचायत में जिला नियोजन पदाधिकारी की उपस्थिति में दावा-आपत्ति का निराकरण किया गया। वहीं ब्रह्मोरीया और गोबिंदपुर पंचायत में भी शिविर आयोजित किए गए। एसडीओ जोहन दूड्ड ने बच्छई, बसरिया समेत विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि पैरेंटल मैपिंग के दौरान जरूरी दस्तावेज नहीं देते, मतदाता के बाहर रहने, सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराने अथवा वर्ष 2003 की एसआईआर मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण मैपिंग से वंचित मतदाताओं को नोटिस देकर जनसुनवाई में बुलाया गया था। नियम के अनुसार 1 अगस्त 1987 से पहले जन्मे मतदाताओं को निर्धारित दस्तावेज में से एक, 1 अगस्त 1987 के बाद और 2004 से पहले जन्मे मतदाताओं को अपने साथ माता या पिता में से किसी एक का दस्तावेज तथा 2004 के बाद जन्मे मतदाताओं को अपना और माता-पिता दोनों के दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। जनसुनवाई में दस्तावेज एवं पहचान का सत्यापन कर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की दिशा में कार्रवाई की गई। मंगलवार को चोरदाहा, दैहर, पांडेयबारा समेत अन्य पंचायतों में भी जनसुनवाई शिविर आयोजित किए जाएंगे।

2 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार, गया जेल



नवप्रदेश/गुमला। सदर थाना क्षेत्र के अमृत नगर चेंटर से दो युवकों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार करते हुए सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले पर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने बताया बीती रात करीब 8:00 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि अमित नगर चेंटर में दो युवक ब्रांच शुगर का सेवन कर रहे हैं। इसके बाद टीम का गठन करते हुए छापेमारी की गई मौके से दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और उनके पास से लगभग 2 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किए गए वहीं इस घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में आक्रोश का भी माहौल था। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार लोहर दगा रोड अपा मिल के समीप के रहने वाले 22 वर्षीय अमित कुमार साहू व अमृत नगर निवासी राहुल कुमार 25 वर्षीय को दोनों युवकों को जेल भेज दिया। टीम में शामिल पुलिसकर्मी थाना प्रभारी गुमला दिनेश कुमार अंचल अधिकारी गुमला पुलिस अवर निरीक्षक विनय कुमार महतो धीरज कुमार सिंह ,सुरताज खान ,सुदीप टोण्पी, समीर अंसारी थे वहीं इस मौके पर एसडीपीओ ने कहा है गुमला को नशा मुक्त बनाने के लेकर नगर वासी व स्थानीय लोगों से विशेष सहयोग की अपील की है।



हरियाली की ओर ग़िजली विद्यालय की पहल पांच पंचायतों में 685 फलदार पौधों का वितरण

विद्यार्थियों ने ग्रामीणों के बीच आम, नींबू, अमरूद एवं चीकू के पौधे वितरित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा ग्रामीण समुदाय को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ग़िजली विद्यालय द्वारा कोडरमा जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग से पांच पंचायतों के सात क्षेत्रों में फलदार पौधा वितरण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत आम, नींबू, अमरूद एवं चीकू के कुल 685 पौधे ग्रामीणों के बीच वितरित किए गए। पौधों का वितरण विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया गया, जिससे अभियान में बच्चों की सक्रिय सहभागिता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जन. जन तक पहुँचा। अभियान के अंतर्गत बरकी धमराई पंचायत में मुखिया सरजू वर्मा के सहयोग से 110 आम के पौधे, छोटकी धमराई में 50 आम के पौधे तथा मंज़गांव में 50 आम के पौधे वितरित किए गए। बेला कोलुआ-कला पंचायत में मुखिया मंगल देव यादव के सहयोग से 125 पौधों का वितरण हुआ, जिसमें 50 आम, 25 नींबू, 25 चीकू एवं 25 अमरूद के पौधे शामिल रहे। इसी क्रम में उरवां पंचायत में मुखिया मनोज पासवान



के सहयोग से 100 पौधे वितरित किए गए, जिनमें 50 आम, 20 नींबू, 20 अमरूद एवं 10 चीकू के पौधे शामिल थे। तितिरचांच-पथलगढ़ा पंचायत में मुखिया प्रतिनिधि राजेंद्र पासवान के सहयोग से 75 पौधों का वितरण किया गया,

जिसमें 50 आम, 10 अमरूद, 10 नींबू एवं 5 चीकू के पौधे शामिल रहे। वहीं कांति पंचायत में मुखिया प्रतिनिधि लखन यादव के सहयोग से स्थानीय ग्रामीणों के बीच 175 आम के पौधे वितरित किए गए। अभियान के दौरान स्थानीय

मुखियाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। विद्यालय के आर.डी. पांडेय, नरेश कुमार यादव एवं सुदामा रजक ने भी विभिन्न वितरण स्थलों पर उपस्थित रहकर विद्यार्थियों के माध्यम से पौधों के वितरण एवं

अभियान के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर ग़िजली चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक अविनाश सेठ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित

देखभाल एवं संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फलदार पौधों का वितरण पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों को भविष्य में फल उत्पादन एवं पोषण का लाभ प्रदान करने की दिशा में भी सार्थक पहल है।

कोडरमा जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सचिव संदीप केडिया एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर गौरव खट्टर ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में फलदार पौधों का वितरण पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों की

पोषण सुरक्षा और भविष्य की उपयोगिता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सहयोग से ऐसे अभियानों को और व्यापक बनाया जाएगा। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्वयं पौधों का वितरण किया जाना अभियान का विशेष आकर्षण रहा। इससे विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना को व्यावहारिक रूप से विकसित करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को पौधे लगाने के साथ, साथ उनके नियमित संरक्षण एवं देखभाल के लिए भी प्रेरित किया। ग़िजली विद्यालय परिवार ने सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं कोडरमा जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही पर्यावरण संरक्षण को जन-अभियान का रूप दिया जा सकता है। विद्यालय ने भविष्य में भी पर्यावरण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

मरकच्चो प्रखंड में दीदियों द्वारा हस्तनिर्मित राखी स्टॉल का शुभारंभ

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। पलाश, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा हस्तनिर्मित राखियों का स्टॉल प्रखंड कार्यालय परिसर, मरकच्चो में लगाया गया है। स्टॉल का उद्घाटन अंचल अधिकारी परमेश्वर कुशवाहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रकाश रंजन के कर. कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रखंड कार्यालय में महिला कर्मियों ने उत्साहपूर्वक राखियों की खरीदारी की और उत्पादों की उकृष्ट गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइन एवं किफायती दाम की सराहना की। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भर बनने एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। रक्षाबंधन के अवसर पर लोगों से अपील है कि वे दीदियों द्वारा बनाई गई स्वदेशी राखियां खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित करें।

राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव के नेतृत्व में राजद का सेवा शिविर, श्रद्धालुओं के बीच शरबत, पानी और जूस का वितरण

नव प्रदेश संवाददाता/झुमरी तिलैया। राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा झुमरीतिलैया के महाराण प्रताप चौक के समीप सेवा शिविर का आयोजन किया गया। झरनाकुंड धाम से ध्वजाधारी धाम तक कांवर पद यात्रा में शामिल हजारों श्रद्धालुओं के बीच सेवा भाव से राजद नेता सह कोडरमा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव के नेतृत्व में शिवभक्तों के बीच शरबत, पानी और जूस का वितरण किया गया। राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव ने कहा कि कोडरमा में अंतिम सोमवारी को निकलने वाली कांवर पद यात्रा ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन है इस आयोजन में हजारों लोग शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि राजद सेवाभाव में यकीन रखती है राजद परिवार हर समुदाय और हर वर्ग में सामाजिक सौहार्द बनाने के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक कर्तव्य के तहत राजद परिवार ने धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई है। मौके पर जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, मनोज रजक, संजय दास, मनोज मोदी, घनश्याम तुरी, सुनीला खटीक, अमरजीत कौर, गीता देवी, पवन भगत, सत्येंद्र कुमार समेत पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग़िजली विद्यालय में नन्हे-मुन्नों ने मनाया रेनी डे

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग़िजली विद्यालय के प्री. प्राइमरी विभाग में नर्सरी के नन्हे- मुन्नों के लिए रेनी डे का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की वर्षा ऋतु, जल संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति के महत्व से खेल. खेल में परिचित कराना था। इस दौरान बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर बारिश के मौसम की खुशियां बिखेरीं। विभिन्न किरदारों पर आधारित रैप्प वॉक में बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा के साथ आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। स्ट्रेनर एक्टिविटी के जरिए बच्चों ने पानी के प्रवाह व छानने की प्रक्रिया को समझा, वहीं नाव तैरने की गतिविधि से वस्तुओं के पानी में तैरने और डूबने का प्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त किया। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचायां अंजना कुमारी ने कहा कि गतिविधियों के माध्यम से सीखना बच्चों के लिए अधिक प्रभावी और आनंददायक होता है। आयोजन का समन्वयन प्री. प्राइमरी कोऑर्डिनेटर बनानी निओगी के मार्गदर्शन में हुआ। एक्टिविटी इंचार्ज श्वेता प्रकाश और आरती का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूँजा बिचरिया, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने निकाली भव्य कांवर यात्रा

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। श्रावण माह की अंतिम सोमवारी के शुभ अवसर पर मरकच्चो प्रखंड के तेलोडीह पंचायत अंतर्गत बिचरिया और तिलैया गांव के सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भव्य कांवर यात्रा निकालकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कांवर यात्रा को लेकर शिवभक्तों में खसा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु डीजे, गाजे. बाजे के साथ पंचखेरो डैम स्थित उत्तरवाहिनी पट्टुचे, जहां पंडितों ने विधि-विधान से पूजा. अर्चना कराई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरकर कांवर यात्रा शुरू की। हबोल बम-बोल बमहूँ और ह्दर-हर महादेवहूँ के जयघोष के बीच श्रद्धालु नाचते-झुमते करीब तीन किलोमीटर की दूरी तय कर बिचरिया स्थित बाबा सुभाष नाथ धाम शिव मंदिर पहुंचे। यहां भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख. समृद्धि की कामना की। जलाभिषेक के बाद मंदिर परिसर में महाआरती का आयोजन किया गया और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य दीपक दास द्वारा लगाए गए शरबत स्टॉल पर कांवरियों ने शरबत एवं जलपान ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी महेंद्र प्रसाद वर्मा, कृष्णदेव यादव, तुपलाल राणा, जीवन पंडित, संजय राम, बालेश्वर दास, लालो दास, मिथिलेश यादव, सीताराम यादव, पवन शर्मा, छत्रधारी पंडित, राहुल रजक, महावीर दास, व्यास रविंद्र यादव, हुलास पंडित, केलाश यादव, प्रदीप राम सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने अहम भूमिका निभाई।

आंगनबाड़ी सेविका का मनाया गया शोकसभा



नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में आंगनबाड़ी सेविका के आकरिस्मक निधन को लेकर सोमवार को मनाया गया शोकसभा। वहीं प्रखंड के आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के डायनवा पंचायत स्थित ग्राम पिछरि आंगनबाड़ी सेंटर के सेविका सविता मुर्मू का पिछले दिनों तबीयत बिगड़ने के कारण रविवार को उनकी मौत होजाने से पूरे मरकच्चो प्रखंड के आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच शोक की लहर दौड़ गई। वहीं इनके निधन को लेकर प्रखंड के दर्जनों सेविकाओं ने मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में पहुंचकर मृतक सविता मुर्मू का शोक सभा का आयोजन कर दो मिन्ट का मौन धारण कर शोक मनाए और ईश्वर से उनकी सदगति की कामना किए। मौके पर अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा, भरत भूषण कुमार, सूरज कुमार, आंगनबाड़ी सेविका कंचन कुमारी, बेबी कुमारी, बिमला कुमारी, उषा कुमारी, भारती विभूति, बबिता कुमारी, कुमारी विद्यावती, रीना पांडेय, आशा कुमारी, मुन्नी कुमारी, बिमला देवी समेत दर्जनों सेविकाएं मौजूद थीं।

कंट्रोल रूम से डीसी. एसपी की पैनी नजर, सीसीटीवी से मेले की हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। श्रावण मास की चौथी एवं अंतिम सोमवारी के अवसर पर ध्वजाधारी धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम जलापण एवं सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। ध्वजाधारी धाम स्थित कंट्रोल रूम से उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशिष एवं उप विकास आयुक्त रवि जैन ने मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए पूरे आयोजन की लगातार निगरानी की। कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी के माध्यम से मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़, कतार व्यवस्था, जलापण, आवागमन एवं विधि-व्यवस्था की स्थिति पर लगातार नजर रखी गई। भीड़ की स्थिति के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाओं एवं प्रबंधन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा. निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से जलापण संपन्न हो, इसके लिए सभी स्तरों पर सतर्कता बरती गई। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय सोनी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद केशरी, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी शम्भू प्रसाद कुशवाहा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामरतन वर्मावाल, कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार, चंदवारा थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार, तिलैया डैम ओपी प्रभारी प्रेम कुमार सहित सभी संबंधित पदाधिकारी, दंडाधिकारी एवं पुलिस बल सक्रिय रूप से तैनात रहे। श्रावण मास की चौथी एवं अंतिम सोमवारी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के समन्वित प्रयास से मेला क्षेत्र में व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का कार्य किया गया। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग एवं कतार व्यवस्था का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से पूजा. अर्चना एवं जलापण करने की अपील की।

सावन के अंतिम सोमवार को जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने किया रुद्राभिषेक, डाल्टनगंज विधानसभा प्रदेश की समृद्धि की कामना
नवप्रदेश/डाल्टनगंज। झारखंड प्रदेश कमेट्री के राज्य सचिव एवं पलामू के पूर्व जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने सावन मास के पवित्र अवसर पर प्रत्येक सोमवार को अपनी धर्मपत्नी माधुरी पाठक के साथ भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक किया। सावन के अंतिम सोमवार को भी उन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ रुद्राभिषेक कर क्षेत्र की सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्री बिट्टू पाठक ने कहा कि सावन मास भगवान शिव की आराधना का विशेष महीना माना जाता है। इस पावन अवसर पर पूजा-अर्चना कर उन्होंने डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे झारखंड प्रदेश के लोगों के लिए सुख, शांति और विकास की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की खुशहाली और समृद्धि के लिए वे हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करते रहेंगे। सावन के प्रत्येक सोमवार को किए गए रुद्राभिषेक के माध्यम से उन्होंने समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना मजबूत होने की कामना की। रुद्राभिषेक के दौरान परिवार के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सावन के अंतिम सोमवार पर धार्मिक वातावरण में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

शिवभक्तों की सेवा में जुटी युवा शक्ति, डोमचांच में लगाया शरबत. पेयजल शिविर

नव प्रदेश/डोमचांच। सावन की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर कांवरियों एवं शिवभक्तों की सेवा के लिए श्री राम चौक, डोमचांच (ढाब रोड) पर ह्ययुवा शक्ति. एक नई सोचहूँ की ओर से सेवा शिविर लगाया गया। उक्त शिविर में नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा, भाजपा नेता रोहित मेहता भी सम्मिलित हुए। शिविर में पदयात्रा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल एवं शरबत (पानक) की व्यवस्था की गई। शिविर के माध्यम से लंबी दूरी तय कर रहे कांवरियों को थकान से राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया। यहां से गुजरने वाले बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने रुककर शीतल पेयजल एवं शरबत ग्रहण किया। इस दौरान पूरा वातावरण ह्दर. हर महादेवहूँ और ह्दबोल बमहूँ के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। आयोजक ह्ययुवा शक्ति. एक नई सोचहूँ के सदस्यों ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। संस्था का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना और समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को मजबूत करना है। मौके पर युवा शक्ति अध्यक्ष मिश्रलेश यादव, सचिव सुजीत कुमार, प्रेमंशु कुमार, मंदू मेहता, किशोर मेहता, अमरदीप कुमार, विकास कुमार, राकेश कुमार, उदय मेहता, लक्ष्मीकांत, नीरज कुमार, बिट्टू मोदी, संतोष मोदी. महेंद्र मेहता के साथ अन्य मौजूद थे। शिवभक्तों ने सेवा शिविर की सराहना करते हुए आयोजकों के प्रति आभार जताया।

कांवरियों की सेवा में उतरे नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा, लगाया सेवा समर्पण शिविर

नव प्रदेश/कोडरमा। सावन की अंतिम सोमवारी पर झरनाकुंड से ध्वजाधारी धाम तक निकली कांवर पदयात्रा के दौरान आस्था के साथ सेवा और समर्पण की मिसाल देखने को मिली। डोमचांच नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ह्दसेवा समर्पण शिविरहूँ लगाया गया। शिविर में कांवरियों एवं श्रद्धालुओं के बीच शरबत और टंडे पानी का वितरण किया गया। नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा स्वयं शिविर में मौजूद रहे और अपने हाथों से श्रद्धालुओं को शरबत व पानी पिलाकर सेवा की। लंबी दूरी की पदयात्रा कर रहे कांवरियों ने शिविर में रुककर राहत महसूस की। इस दौरान ह्दबोल बमहूँ के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। उमेश वर्मा ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों की सेवा करने का अवसर मिला सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि कांवर यात्रा केवल आस्था नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और आपसी सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है। श्रद्धालुओं ने सेवा शिविर की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी में टंडा पानी और शरबत मिलने से उन्हें काफी राहत मिली।

सावन की आखिरी सोमवारी पर निकली भव्य कांवड़ यात्रा, गूँजा बोल बम का जयघोष



नव प्रदेश/सतगावां। सावन माह की आखिरी सोमवारी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं समाजसेवी नवयुवकों के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। पिछले पांच वर्षों से लगातार आयोजित हो रही इस धार्मिक यात्रा में इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्तिभाव के साथ हिस्सा लिया।श्रद्धालुओं ने महेश्वर धाम सकरी नदी घाट एवं पेट्टे जलप्रपात से पवित्र जल भरकर मरचोई मोड़ के समीप एकत्रित होकर कांवड़ यात्रा में भाग लिया। जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी, प्रमुख ललिता देवी, मुखिया अनिता देवी एवं विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष बबलू सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर यात्रा का शुभारंभ किया।गाजे-बाजे और शिव भजनों की धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु ह्दबोल बमहूँ और ह्दर-हर महादेवहूँ के जयघोष के साथ आगे बढ़े। करीब आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कांवड़ियों का जत्था बासोडीह, समलडीह, रामडीह, नासरगंज, सिहास एवं खैरा होते हुए ऐतिहासिक घोंडसिमर धाम पहुंचा। यहां शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की मंगल कामना की।कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर समाजसेवियों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल एवं मीठे जल की व्यवस्था की गई। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी के निर्देश पर एसआई श्रवण राम पुलिस बल के साथ पूरी यात्रा के दौरान मुस्तैद रहे। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के निर्देश पर श्रद्धालुओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम भी यात्रा के साथ तैनात रही।ह्दस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि धनंजय यादव, रामावतार चौधरी, पंकज कुमार, रणधीर कुमार, अखिलेश कुमार, विक्रम कुमार, कृष्णकांत उर्फ फागु लाल, अंशु कुमार, संतोष कुमार, मोनू कुमार समेत क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। श्रावण मास की चौथी एवं अंतिम सोमवारी पर ध्वजाधारी धाम में प्रशासन रही मुस्तैद

संक्षिप्त समाचार

भारत बनाम श्रीलंका: बारिश ने डाला खलल, शतक के करीब जुरेल, टी-ब्रेक तक भारत का स्कोर 475/8 कोलंबो,

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने टी-ब्रेक तक पहली पारी में 8 विकेट खोकर 475 रन बना लिए हैं। बारिश के चलते दूसरे सेशन का खेल रोकना पड़ा और समय से पहले टी-ब्रेक लिया गया है। दूसरा सेशन में भारत ने दो बड़े विकेट गंवाए। क्रीज पर पूरी तरह से सेंट नजर आ रहे ऋषभ पंत एक बार फिर खराब शॉट खेलकर आउट हुए। पंत ने 89 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। पंत के पवेलियन लौटने के बाद ध्रुव जुरेल ने मानव सुथार के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 39 रनों की साझेदारी निभाई। मानव 18 रन बनाकर प्रभात जयसूर्या की गेंद पर विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को कैच देकर आउट हुए। हालांकि, जुरेल ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और वह अपने शतक के बेहद करीब है। जुरेल 155 गेंदों में 95 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। जुरेल अपनी इस पारी में 9 चौके लगा चुके हैं। वह चौका लगाकर 95 रनों के स्कोर पर पहुंचे ही थे कि अचानक बारिश शुरू हो गई, जिसके बाद खेल को तुरंत रोकना पड़ा। बारिश की रफ्तार बढ़ने के चलते मैदान को पूरी तरह से कवर्स से ढक दिया गया है। जुरेल का साथ मोहम्मद सिराज दे रहे हैं, जिनको खाता खोलना अभी बाकी है। दूसरे दिन की शुरूआत भारत के लिए खराब रही। डेब्यूटेंट सारांश जैन अपने करियर की पहली पारी में 6 रन बनाकर आउट हुए। सा-रांश को असिथा फर्नांडो ने पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद पंत और जुरेल ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 152 गेंदों में 112 रनों की साझेदारी निभाई। पंत और जुरेल की बेहतरीन बल्लेबाजी के चलते दूसरे दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट गंवाया। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए हैं, जबकि केशरा नुवानथा दो और लाहिरू कुमारा एक विकेट निकाल चुके हैं।

यह भारत लड़ेगा और जवाब भी देगा, फर्नांडो के साथ हुई झड़प पर यशस्वी का जवाब



नई दिल्ली,

भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के पहले दिन यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिले। इस विवाद में यशस्वी के बर्ताव पर सवाल खड़े किए गए। दरअसल, यशस्वी को आउट करने के बाद फर्नांडो आक्रामक अंदाज में जश्न मनाते हुए दिखाई दिए थे और उन्होंने कुछ ऐसा कहा था, जो भारतीय बल्लेबाज को रास नहीं आया था। पवेलियन की ओर जा रहे यशस्वी अचानक से फर्नांडो की तरफ मुड़े और उन्होंने अपना हेलमेट श्रीलंका के तेज गेंदबाज के सिर से टकराया। दिन का खेल खत्म होने के बाद भारतीय टीम के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने भी माना कि यशस्वी को फर्नांडो के इतना करीब नहीं जाना चाहिए था। वहीं, क्रिकबज द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में हर्षा भोगले यशस्वी को सुझाव देते हुए नजर आए। वीडियो में हर्षा ने कहा कि यशस्वी को चुपचाप मैदान से बाहर चले जाना चाहिए था। हालांकि, हर्षा का यह सुझाव यशस्वी को रास नहीं आया। उन्होंने पोस्ट के कमेंट बॉक्स में जाकर लिखा, अगर आपको नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया कोई राय न बनाएं। हमें उन्हें बताना होगा कि यह भारत लड़ेगा और जवाब भी देगा। यशस्वी की हालिया फॉर्म कुछ खास नहीं चल रही है। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में वह अच्छी शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 53 गेंदों का सामना करके 45 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी का दौरान उन्होंने 9 चौके लगाए। पहले टेस्ट में भी यशस्वी का बल्ला खामोश रहा था। वह पहली पारी में 32 और दूसरी इनिंग में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे थे। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट मैच को 165 रनों से अपने नाम किया था। दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम मजबूत स्थिति में है।

मैदान पर भिड़ने की यशस्वी-असिथा को मिली सजा, आ-ईसीसी ने लगाया मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमाना



नई दिल्ली,

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के पहले दिन यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। दोनों खिलाड़ियों पर अब आईसीसी ने जुमाना लगाया है। यशस्वी और असिथा पर आईसीसी ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमाना लगाया है। इसके साथ ही दोनों को एक-एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिए गए हैं। यशस्वी-असिथा को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.12 का दोषी पाया गया है, जो किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। दरअसल, टेस्ट के पहले दिन यशस्वी जायसवाल को आउट करने क बाद असिथा फर्नांडो आक्रामक अंदाज में जश्न मनाते हुए नजर आए थे। इस दौरान उन्होंने यशस्वी से कुछ कहा, जिसके बाद पवेलियन की ओर लौट रहे यशस्वी अचानक से श्रीलंकाई तेज गेंदबाज की तरफ मुड़े और असिथा को अपने हेलमेट से हिट भी किया। विवाद बढ़ता देख खिलाड़ों के कप्तान धर्मेजय डी सिल्वे ने यशस्वी को साइड किया। दिन का खेल खत्म होने के बाद यशस्वी के बर्ताव की काफी आलोचना भी हुई। टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी माना कि यशस्वी को असिथा के इतने करीब नहीं जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस तरह की झड़प में अक्सर ऐसा हो जाता है।

जूनियर पुरुष चयन समिति के 5 पदों के लिए बीसीसीआई ने मांगे आवेदन

नई दिल्ली,

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को अपनी जूनियर पुरुष चयन समिति में पांच पदों के लिए आवेदन मांगे हैं, जिसका मकसद उस पैनल का पुनर्गठन करना है जो आयु-वर्ग के खिलाड़ियों के विकास के रास्ते को आकार देने और बेंच स्ट्रेथ मजबूत करने के लिए जिम्मेदार है।

बोर्ड के बयान के अनुसार, आवेदन की प्रक्रिया 5 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। नया पैनल मौजूदा समिति की जगह लेगा, जिसके प्रमुख पूर्व तमिलनाडु क्रिकेटर एस. शरथ हैं, जिसमें राणादेव बोस (इंस्ट जोन), हरविंदर सिंह सोधी (नॉर्थ जोन),

विनेश फोगाट: विरासत में मिला रेसलिंग का खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 3 गोल्ड, विवादों से भी रहा नाता

नई दिल्ली,

विनेश फोगाट की गिनती भारत की सबसे मशहूर महिला रेसलर्स में की जाती है। विनेश अपने करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, करियर के दौरान उनका विवादों से भी खूब नाता रहा है। विनेश का जन्म 25 अगस्त, 1994 को हरियाणा के बलाली गांव में हुआ। कुश्ती का खेल विनेश को विरासत में मिला। उनके ताऊ महावीर सिंह ने बेहद छोटी उम्र में ही विनेश को इस खेल की बारीकियां सिखाना शुरू कर दिया था। विनेश भी जल्द ही अपने चचेरी बहनें गीता और बबीता फोगाट की राह पर चल पड़ीं। हालांकि, यह सफर चुनौतियों से भरा रहा। विनेश जब सिर्फ 9 साल की थी, तो उनके पिता का निधन हो गया था। मगर ताऊ ने विनेश का कुश्ती से नाता नहीं टूटने

पथिक पटेल (वेस्ट जोन) और कृष्ण मोहन (सेंट्रल जोन) भी शामिल हैं। जूनियर क्रिकेट समिति के सदस्य कोचिंग कैप और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ (भारत और विदेश में, सभी फॉर्मेट में) भारत के जूनियर मुकाबलों के लिए अंडर-22 तक की उम्र-वर्ग की टीमों को चुनने के लिए जिम्मेदार होंगे। यह समिति भारत की जूनियर टीमों के लिए एक मजबूत टैलेंट पूल और बेंच स्ट्रेथ तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाएगी। मौजूदा समिति सितंबर 2021 में बनी थी। साल 2023 में, कर्नाटक के पूर्व विकेटकीपर तिलक नायडू मुख्य चयनकर्ता बने क्योंकि शरथ सीनियर पुरुष चयन

विनेश फोगाट: विरासत में मिला रेसलिंग का खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 3 गोल्ड, विवादों से भी रहा नाता

दिया। सुबह 5 बजे उठकर ट्रेनिंग करने के बाद विनेश को स्कूल भी जाना पड़ता था। हालांकि, यह क-डूी ट्रेनिंग विनेश के लिए वरदान साबित हुई। इंटरनेशनल स्टेज पर विनेश की झोली में पहला मेडल साल 2014 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में आया। इसके बाद रियो ओलंपिक में भी विनेश क्वार्टर फाइनल तक पहुंची, लेकिन मेडल लाने से चूक गईं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में विनेश का दमदार प्रदर्शन एक बार फिर देखने को मिला और उन्होंने गोल्ड पर कब्जा जमाया। एशियन गेम्स में भी वह गोल्ड जीतने में सफल रहीं। विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में मेडल जीतने के साथ-साथ एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता और अपने खेल से हर किसी को प्रभावित किया। 2022 में हुए

चोटिल नजीहा अल्वी महिला एशिया कप 2026 से बाहर, सदफ शमास को मिली पाकिस्तान टीम में जगह

लाहौर,

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज नजीहा अल्वी घुटने की चोट के कारण आगामी एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 से बाहर हो गई हैं। नजीहा अल्वी की जगह पर दाएं हाथ की बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के मुताबिक, मे-डिकल जांच में जोड़ों में दिक्कत की पुष्टि होने के बाद यह फैसला लिया गया, जिसके बाद सिलेक्शन कमिटी ने इस बड़े महाद्वीपीय इवेंट के लिए सदफ को टीम में शामिल किया। नजीहा ने अपने बाएं घुटने के पिछले हिस्से में दर्द बताया, जबकि बाद में स्कैन में मोच आने का पता चला। पीसीबी की मेडिकल टीम के जांच के बाद नजीहा तुरंत अपना रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगी, जिसके चार हफ्ते तक चलने की उम्मीद है। नेशनल विमेंस सिलेक्शन कमिटी ने सदफ को एशिया कप टीम में शामिल किया है।

जनवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से वह अब तक 12 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है, जिसमें पाकिस्तान को पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों, सात बार के विजेता भारत, थाईलैंड और हांगकांग के साथ एक कड़े ग्रुप ए में रखा गया है। पाकिस्तान महिला एशिया कप में अपने अभियान का आगाज एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 5 सितंबर को टीम की भिड़ंत भारत से होगी। वहीं, 7 सितंबर को टीम का सामना हांगकांग-चीन से होगा। सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर को होने हैं, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

रेस टू इंडिया चैंपियनशिप से पीजीटीआई सीजन में बदलाव, डीपी वर्ल्ड टूर का रास्ता होगा आसान

नई दिल्ली,

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने 2026 सीजन के लिए एक नई रेस शुरू की है, जो 2026 सीजन के बेहतरीन खिलाड़ियों को तय करेगी और हार्डइंडिया चैंपियनशिपह्क को और भी अहम बनाएगी, क्योंकि सीजन के आखिरी इवेंट में ही पहली बार ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन का फैसला होगा। पीजीट-आई और डीपी वर्ल्ड ने सोमवार को संयुक्त रूप से हारेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप की घोषणा की। यह रेस 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली 4 मिलियन डॉलर की हार्डइंडिया चैंपियनशिपह्क के साथ खत्म होगी। नए ढांचे के तहत, पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन का फैसला साल के आि-खर में होने वाले ब्रेक से पहले टूर के आखिरी इवेंट के बजाय, सीजन खत्म होने वाली चैंपियनशिप के बाद किया जाएगा। इस बदलाव का मकसद दिल्ली टूर्नामेंट को सीजन का अहम हिस्सा बनाना और घरेलू सर्किट को इंटरनेशनल कैलेंडर के साथ बेहतर ढंग से जोड़ना है। इस रेस में 9 टूर्नामेंट होंगे, जिनमें कुल 10

करोड़ रुपए की इनामी राशि दी जाएगी। तीन इवेंट (जम्मू-कश्मीर ओपन, कोल इंडिया ओपन और कोलार ओपन) पहले ही आयोजित हो चुके हैं, जबकि बाकी छह टूर्नामेंट 25 अगस्त से 3 अक्टूबर के बीच होंगे। यह रेस ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स में 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होने वाली पहली कपिल देव इनविएशनल टूर चैंपियनशिप के साथ खत्म होगी। यह इवेंट खिला-ड़ियों के लिए दो अहम पड़ाव भी तय करेगा। ग्रेटर नोएडा टूर्नामेंट के बाद रेस स्टैंडिंग में टॉप 24 खिलाड़ी सीजन खत्म होने वाली चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करेंगे, जबकि पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में टॉप 60 खिलाड़ी 2027 सीजन के लिए अपने खेलने के अधिकार बनाए रखेंगे। चैंपियनशिप के बाद दिल्ली गोल्फ क्लब में इनाम देने के समारोह के दौरान ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन को आधिकारिक तौर पर सम्मानित किया जाएगा। एन स्ट्रक्चर के तहत पीजीटीआई सीजन अब अक्टूबर में ही खत्म हो जाएगा, जबकि पहले यह दिसंबर तक चलता था। अधिकारियों का मानना है कि डीपी वर्ल्ड टूर कैलेंडर के साथ बेहतर तालमेल से घरेलू सर्किट के टॉप



पैनल में चले गए थे। साल 2025 में, शरथ ने वापस मुख्य जूनियर चयनकर्ता बने और नायडू की जगह ली। मौजूदा पैनल के पांच साल के

कार्यकाल के दौरान, भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। भारत ने यश धुल और आयुष म्हात्रे की कप्तानी में

मैं उस दोस्त का साथ देना चाहता हूं, जिसके संग खेला: कपिल देव की मांग, इमरान खान के साथ हो मानवीय व्यवहार

नई दिल्ली,

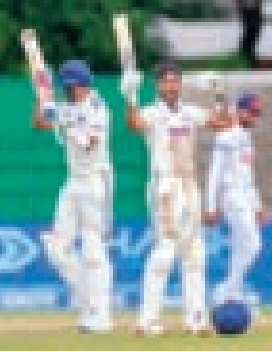
भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करते हुए अपने पुराने दोस्त के साथ मानवीय व्यवहार और उन्हें जरूरी सुविधाएं देने की मांग की है। यह मांग तब की गई है जब 21 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर जेल में बंद पूर्व नेता के लिए बेहतर हालात की अपील की है। कपिल ने कहा कि वे समझते हैं कि पाकिस्तानी खिलाड़ी इस मामले पर सार्वजनिक रूप से बोलने से क्यों हिचकिचा सकते हैं, लेकिन मुल्क के बाहर रहने वाले खिलाड़ी अपनी चिंता जाि-हर कर सकते हैं। कपिल ने हारेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप

दूसरा टेस्ट: पड्डिकल के बाद जुरेल का शतक, भारत की पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित

कोलंबो,

भारत ने सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अपनी पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की।

इस पारी में देवदत्त पड्डिकल और ध्रुव जुरेल ने शतक लगाए। रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 37 के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गंवा दिया था, जो 33 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने मोर्चा संभाला। पड्डिकल ने यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन जु-टाए। जायसवाल 53 गेंदों में 9 चौकों के साथ 45 रन बनाकर



आउट हुए। इसके बाद पड्डिकल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जुटाकर स्कोर 186 तक पहुंचाया। गिल 6 चौकों के साथ 50 रन बनाकर आउट हुए। पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन 15 गेंदों का ही सामना कर सके। उन्हें 58वें ओवर के दौरान लाहिरू कुमारा की गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी, जिसके बाद तेज दर्द के



खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ना आसान हो जाएगा। यह बदलाव ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन के लिए खास तौर पर अहम है, क्योंकि उन्हें डीपी वर्ल्ड टूर में खेलने का खास मौका (एग्जैम्प्ट स्टेटस) मिलेगा। अब दोनों कैलेंडर के बीच बेहतर तालमेल होने से, टॉप भारतीय खिलाड़ी यह मौका मिलते ही जल्द ही इंटरनेशनल लेवल पर खेलने के मौकों का फायदा उठा सकेगे। पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा कि नए फॉर्मेट से घरेलू सीजन में कॉम्पिटिशन का एक नया स्तर जुड़ेगा और साथ ही भारतीय खिलाड़ियों के लिए ग्लोबल स्टेज तक पहुंचने का रास्ता भी बेहतर होगा। रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप एक

बेहतरीन पहल है और यह डीपी वर्ल्ड के साथ हमारी उस सोच को दिखाती है जिसके तहत हम भारतीय गोल्फ से ग्लोबल स्टेज तक का रास्ता मजबूत करना चाहते हैं। यह रेस पूरे सीजन चलने वाला एक दिलचस्प मुकाबला है जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों को इनाम देगा, पूरे सीजन में मुकाबले का स्तर बढ़ाएगा और डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप की अहमियत को और बढ़ाएगा। अपने सीजन को डीपी वर्ल्ड टूर के साथ जोड़ने से हमारे टॉप खिलाड़ियों को इंटरनेशनल लेवल पर तुरंत अपनी छाप छोड़ने के ज्यादा मौके मिलेंगे। मैं रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। डीपी

क्रमशः साल 2022 और 2026 के पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप जीते। चयन पैनल के काम का दायरा बताते हुए, बीसीसीआई ने नए सदस्यों के लिए काम की रूपरेखा स्पष्ट की, जो अंडर-22 स्तर तक खिलाड़ियों की प्रगति की देखरेख करेंगे। इस भूमिका के लिए उम्मी-दवारों को खेल के पिछले अनुभव और प्रशासनिक ह्यूक्रीलिंग-ऑफ पीरियड (पद छोड़ने के बाद अनिवार्य अंतराल) से जुड़े खास मानदंडों को पूरा करना होगा। आवेदक का कम से कम 25 फर्स्ट-क्लास मैच खेलना अनिवार्य होगा, साथ ही उसे खेल से संन्यास लिए हुए कम से कम 5 साल हो चुके हों। टीम चुनने के अलावा,

अहम जिम्मेदारियों में सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों की जांच-पड़ताल करना, खिलाड़ियों के विकास पर नजर रखना, भारत और विदेश में अलग-अलग फॉर्मेट और दौरों के लिए कप्तान नियुक्त करना, और सीनियर व पूर्व खिलाड़ियों के साथ बातचीत के जरिए ड्रस, सट्टेबाजी और मैच-फिक्सिंग के विरुद्ध जागरूकता फैलाना शामिल है। जिस आवेदक ने बीसीसीआई की किसी भी क्रिकेट समिति में कुल 5 साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है, वह चयन के लिए अयोग्य माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मी-दवारों का मूल्यांकन स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद फर्सनल इंटरव्यू के जरिए किया जाएगा।

के लॉन्च के मौके पर पत्रकारों से कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं उन्हें दोष दे सकता हूं, क्योंकि पाकिस्तानी क्रिकेटरस को पाकिस्तान में ही रहना है, लेकिन हम बाहर से देख रहे हैं। हां, मैं अपने उस दोस्त का समर्थन करना चाहता हूं, जिसके साथ हमने खेला और जिसकी क्रिकेटिंग स्किल्स की हमने तारीफ की। हम बार-बार कहते हैं कि हमें देश के कानून के बारे में जानकारी नहीं है, यह ठीक है, लेकिन इंसािनयित और किसी कैदी को-चाहे वह कोई भी हो-सुविधाएं देना जरूरी है। वह देश के पूर्व प्रधानमंत्री और दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटर रहे हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि उनके साथ सबसे अच्छा व्यवहार हो। हम और क्या मांग रहे हैं? हम और कुछ नहीं मांग रहे हैं। यह बात तब कही गई जब पूर्व

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरस के एक ग्रुप ने खान के साथ हो रहे बर्ताव को लेकर शरीफ से अपील की। 6 महीनों में यह इस तरह की दूसरी सामूहिक अपील थी; इससे पहले फरवरी में एक चिट्ठी लिखी गई थी, जिसमें 14 पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान की सेहत को लेकर चिंता जताई। उल्लेखनीय है कि इमरान खान के परिवार का आरोप है कि उनकी आंखों की रोशनी बहुत कम हो गई है। उनका दावा था कि कथित मेडिकल लापरवाही की वजह से उनकी एक आंख की रोशनी लगभग चली गई है। पिछली अपील में खान के लिए मेडिकल सुविधा और परिवार से मिलने की इजाजत बहाल करने की मांग की गई थी। कपिल की बातों से इन दो पूर्व कप्तानों के बीच के अनेखे रिश्ते का भी पता चलता है।

कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय तक उनके खाते में सिर्फ 3 रन थे रवींद्र जडेजा उनके स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और टीम के स्कोर में 43 रन का योगदान दिया। पहले ले के खेल तक पड्डिकल भी अपना विकेट गंवा बैठे, जिन्होंने 12 चौकों के साथ 117 रन बनाए। दिन की समाप्ति तक भारत ने 85 ओवरों का सामना किया, जिसमें 5 विकेट खोकर 300 रन बनाए। दूसरे दिन के पहले सेशन में पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जोड़े, लेकिन दूसरे सेशन की पहली ही गेंद (112.1 ओवर) पर केशरा नुवानथा को अपना विकेट दे बैठे। पंत जब आउट हुए, तो उनके खाते में 63 रन थे, जिसमें 2 छक्के और 4 चौके शामिल थे। 125वें ओवर की चौथी

गेंद पर टीम ने मानव सुथार (18) का विकेट भी गंवा दिया। भारत ने 131.2 ओवरों में 8 विकेट गंवाकर 475 रन बना लिए थे। इसी बीच बारिश के चलते खेल रोकना पड़ा। जब खेल फिर से शुरू हुआ, तो 137वें ओवर की पहली गेंद पर मोहम्मद सिराज (3) का विकेट गिरा। सिराज और ध्रुव जुरेल के बीच 31 रन की साझेदारी हुई। 11 गेंदों बाद टीम इंडिया ने अपनी पारी घोषित कर दी। जुरेल 2 छक्कों और 9 चौकों के साथ 115 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 7 गेंदों में 4 रन टीम के खाते में जोड़े। मेजबान टीम की तरफ से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा ने 2-2 विकेट निकाले। लाहिरू कुमारा ने 1 विकेट चटकाया।

8 से 11 सितंबर तक चेन्नई ओपन होगा। इसके बाद 15 से 18 सितंबर तक नवा रायपुर ओपन होगा और फिर 22 से 25 सितंबर तक बेंगलुरु ओपन होगा, जो टूर को ग्रेटर नोएडा में होने वाले आि-खरी इवेंट के करीब ले जाएगा। गोलकोंडा मास्टर्स 12वीं बार आयोजित किया जाएगा, जबकि चेन्नई ओपन और बेंगलुरु ओपन अपने पाँचवें संस्करण के साथ वापसी करेंगे। नवा रायपुर ओपन और कपिल देव इनविएशनल टूर चैंपियनशिप इस शेड्यूल में नए हैं। इसके बाद सीजन का समापन दिल्ली गोल्फ क्लब में होगा, जहां रेस के टॉप 24 खिलाड़ी 4 मिलियन डॉलर की इनामी राशि और ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन और इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर को सम्मानित करने के लिए इनाम वितरण समारोह होगा। दिल्ली चैंपियनशिप के समापन के तुरंत बाद अगला पीजीटीआई सीजन और रेस टू इंडिया चैंपियनशिप का 2027 एडिशन शुरू हो जाएगा।



क्या है प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल, कैसे सीखें नहीं होगी जॉब की कमी

चाहे किसी क्लाइंट की समस्या का हल ढूँढना हो या किसी कलीग की मदद करना। समस्याएँ हर पेशेवर की जिंदगी का हिस्सा हैं। अंतर सिर्फ समस्या के स्वरूप का है। इसलिए अपनी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को पहचानना और उसे तराशना बेहद जरूरी हो जाता है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल क्या है

यह एक ऐसी स्किल है जो अपनी व दूसरों की परेशानियों का हल ढूँढ़ने में मदद करता है। इसका अर्थ यह हुआ की व्यक्ति परेशानियों का हल बड़ी जल्दी और आसानी से कर सकता है और ऐसे उपायों को अपनाता है जिससे उसे आ रही दिक्कतों का सामना करने में एक शक्ति मिले। सामान्य तौर पर देखा जाए तो हमें अपने जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति और दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। जब हम अकेले होते हैं और हमारे सुझाव देने वाले व्यक्ति हमसे हमारी बचकानी हरकतों की कोई उम्मीद नहीं करते, इस जगह हमें अपने स्वयं का निर्णय खुद लेना पड़ता है।

समस्या की जड़ तक पहुंचकर कारण समझें

किसी भी समस्या को हल करने के लिए सबसे पहले समस्या का मूल कारण पहचानें। जैसे अगर अन्य विभागों की तुलना में आपके विभाग की परफॉरमेंस खराब है, तो उसके कारण पता लगाएं। हो सकता है कि पहली नजर में आपको इसके लिए देर से काम पूरा करने वाले लोग नजर आएँ। लेकिन ट्रेनिंग का अभाव या जरूरत से ज्यादा बड़ लोड भी इसकी वजहें हो सकती हैं। इसलिए हमेशा समस्या की मूल वजह जानने की कोशिश करें। वजह जानने के बाद समस्या का विश्लेषण करें। जैसे क्या स्टाफ कम होने की वजह से कर्मचारियों पर वर्कलोड है या फिर कुछ कर्मचारी को अपग्रेड करने की जरूरत है। आपका विश्लेषणात्मक स्किल समस्या को समझने और असरदार तरीके से हल निकालने में मदद करेगा।

प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए जरूरी स्किल्स

कम्यूनिकेशन स्किल

प्रायः देखा गया है की कुछ परिस्थिति ऐसी भी होती हैं जहां बातचीत के माध्यम से भी समस्या का हल निकला जाता है, बड़ी कंपनियां ऐसे कर्मचारी वर्ग की तलाश में रहती हैं जिनका कम्यूनिकेशन मजबूत हो, ताकि आने वाले क्लाइंट या कस्टमर से समस्याओं को बहस के माध्यम से भी सुलझाया जा सके।

डिसीजन मैकिंग स्किल

इस स्किल को सबसे अधिक लोगों ने सही माना है क्योंकि व्यक्ति जब स्वयं निर्णय लेता है और उस निर्णय पर काम करता है तो उसे अंदर से साहस और आत्मविश्वास जैसे भावना का निर्माण होता है।

रिसर्च स्किल

कुछ व्यक्तियों की प्रवृति चीजों को ढूँढ़ कर तथा उसमें छुपे रहस्यों को जानकर संतुष्टि मिलती है। यही परिस्थिति उसे जब अपनी किसी समस्या का समाधान करने के लिए बोला जाए तो रिसर्च जैसी विधि को अपनाएगा और ऐसे तथ्य को सामने लाने की कोशिश करेगा जो सही हो।

एनालिसिस स्किल

कई बार समस्या को देखने मात्र से ही उसका हल नहीं निकला जा सकता, समस्या इतनी गहरी होती है कि हमें उसमें छुपे राज को ढूँढ़ना और समाधान निकालना शामिल होता है। इसमें एनालिसिस स्किल काम आती है।

टीमवर्क स्किल

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल में टीमवर्क को शामिल किया गया है कभी कभी कुछ ऐसी प्रॉब्लम होती है जिन्हें अकेले सुलझा पाना मुश्किल होता है या इसमें ज्यादा समय निकल जाता है लेकिन ऐसे में अगर सब मिलकर उस प्रॉब्लम पर काम करे तो उसको जल्दी ठीक किया जा सकता है।

इनडिपेंडेंट थिंकिंग स्किल

यह स्किल सबसे बढ़िया मानी गयी हैं, कई बार परिस्थिति ऐसी आ जाती है जब हम उसे समय पर छोड़ देते हैं ताकि समय के साथ कुछ चीजें बदल जाए, तो समस्या का समाधान अपने आप निकल जाता है। उदाहरण के रूप में देखें तो फैक्ट्री के मजदूरों को कुछ समय के लिए अगर छोड़ दिया जाता, तो वो जॉब के खुद ही अरजेंसमेंट करने में सक्षम हो जाते हैं।

जब आप किसी भी कंपनी में इंटरव्यू देने जाते हैं, तो आपसे

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल से संबंधित प्रश्न जरूर पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से कंपनी

यह जानना चाहती है कि यदि कंपनी के किसी

काम में कुछ समस्या आती है तो आप उसे

सुलझा सकते हो या नहीं। क्योंकि ऑफिस में

हर दिन किसी न किसी समस्या का सामना करना ही पड़ता है।



क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग? इसके बाद कहां मिलेगी जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स और करियर के बारे में यहां जरूर पढ़ें-

मेडिकल साइंस एक जरूरी फील्ड है, जो टेक्नोलॉजी में काफी आगे है। जब रिसर्चर ने बायोलॉजी को

प्रोग्रेसिव टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा, तो इसने बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र को बनाया और मेडिकल साइंस में क्रांति ला दी। नए उभरते क्षेत्रों के साथ, बायोलॉजी कई ब्रांच में उभरा है। बायोलॉजी की ऐसी ही एक ब्रांच है, जेनेटिक इंजीनियरिंग है जो बायोटेक्नोलॉजी और जेनेटिक के साइंस को मिलाकर करती है। यह किसी विशेष जीव के जीन के सीधे

हेरफेर की सुविधा के लिए बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग करता है।

यदि आप इस बारे में उत्सुक हैं कि कैसे जेनेटिक और टेक्नोलॉजी हमारे मेडिकल साइंस को देखने के तरीके में क्रांति ला सकती है, तो आप दुनिया भर में ऑफर किए जाने वाले कई जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स में से चुन सकते हैं।

योग्यता

जेनेटिक इंजीनियरिंग में प्रोफेशनल डिग्री हासिल करने के इच्छुक व्यक्ति फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स व बायोलॉजी के साथ अपने

10 + 2 साइंस के बाद बीटेक कोर्स कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक में एडमिशन विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा इन-हाउस आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से या देश भर में आईआईटी / एनआईटी और सीएफटीआई के लिए जेईई जैसी राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के अंकों के माध्यम से किया जाता है।

कोर्स की फीस

यूजी, पीजी और डॉक्टरेट स्तर के लिए न्यूनतम और अधिकतम फीस यूजी - 6 लाख से 10 लाख रुपए, पीजी - 99 हजार - 75 लाख रुपए डॉक्टरेट - 36 लाख - 504 लाख रुपए

स्किल्स

- साइंटिफिक मैथड और नियमों की मजबूत समझ
- पर्ल, पायथन
- कंप्यूटर एड्ड डिजाइन (सीएडी) का उपयोग करने की क्षमता
- प्रॉब्लम सॉल्विंग और क्रिटिकल थिंकिंग
- ग्राफिक्स या फोटो इमेजिंग
- वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर प्रोग्राम
- एक्सीलेंट मैथमेटिकल, डिडविवट और इंडिविवट तर्क, पढ़ना, लिखना और औरल कंप्रिहेंसिव स्किल
- लेजर स्पेक्ट्रोमीटर, प्रकाश प्रकीर्णन



भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज

- एसआरएम विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- भारत विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
- जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, कर्नाटक
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
- भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, कर्नाटक
- कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक
- मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
- इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी स्कूल (सेट), शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा

नीट के बाद सिर्फ डॉक्टर ही नहीं, इन क्षेत्रों में भी बना सकते हैं करियर

हर मां-बाप का सपना होता है, कि उसका बेटा-बेटी बड़े होकर डॉक्टर-इंजीनियर बनें। बचपन में अपने बच्चों को डॉक्टर-डॉक्टर गेम खेलता देख सोचते हैं कि शायद उनका बच्चा डॉक्टर ही बनें। कुछ बच्चे इस सपने को हकीकत में भी बदल देते हैं। मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए नीट अहम पड़ाव है। इस परीक्षा को पास करने के बाद जहां कई स्टूडेंट्स मेडिकल क्षेत्र में ही काम करना पसंद करते हैं तो वहीं कई ऐसे भी हैं जो एमबीबीएस के बाद ऑल्टरनेट करियर ऑप्शन भी चुनते हैं। कहा जाता है कि एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास लिमिटेड ऑप्शन होते हैं, लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि इस क्षेत्र में आप सिर्फ डॉक्टर ही नहीं बन सकते, बल्कि कई अन्य

तरह से भी अपना करियर बना सकते हैं। **बीडीएस में करियर** नीट के बाद आप सिर्फ एमबीबीएस में ही करियर नहीं बना सकते, बल्कि बीडीएस कोर्स की डिग्री भी हासिल कर डेंटिस्ट बना जा सकता है। इस फील्ड में भी विकल्प पब्लिक विलनिक्स तक ही सीमित नहीं है, कई डेंटिस्ट अपने खुद के क्लीनिक शुरू कर अच्छा करियर बना सकते हैं। **एमडी, एमएस व डिप्लोमा** नीट के बाद यह एमबीबीएस के बाद सबसे ज्यादा चुने जाने वाले ऑप्शन्स में से एक है, जो छात्र अपने मेडिकल करियर को जारी रखना चाहते हैं, वे एमडी या एमएस या डिप्लोमा डॉक्टरों को पोस्टग्रेजुएट कोर्स करते हैं, यह कोर्स छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन हासिल करने की

उपकरण, बायनाकुलर्स लाइट कंपाउंड माइक्रोस्कोप आदि का उपयोग करने की क्षमता।

जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स का सिलेबस

बायोकेमेस्ट्री बायोकेमेस्ट्री को बायोलॉजी की ब्रांच के रूप में रिफर किया जा सकता है जो किसी भी बायोलॉजिकल प्रोसेस के केमिकल एस्पेक्ट्स से संबंधित है। ऑर्गेनिक मटेरियल के बजाय सिंथेटिक के आ जाने के कारण कंटेम्पररी रिसर्च में बायोकेमेस्ट्री साइंस की एक जरूरी ब्रांच है। इस बदलाव ने हेल्थ सेक्टर के साथ-साथ माइक्रोबायोलॉजी सेक्टर को भी प्रभावित किया है और बायोकेमेस्ट्री के क्षेत्र में महत्व लाया है।

इम्यूनोलॉजी

इम्यूनोलॉजी एक जीव की प्रतिरक्षा प्रणाली का अध्ययन है और यह कैसे परजीवियों और अन्य रोग पैदा करने वाले जीवों से अपनी रक्षा करता है। इम्यूनोलॉजी माइक्रोबायोलॉजी का एक अनिवार्य हिस्सा है, क्योंकि कुछ घातक बीमारियां जिससे मानव शरीर ग्रस्त हैं, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के कारण होती हैं। इम्यूनोलॉजी इन जीवों से होने वाले नुकसान का पता करने में मदद करती है और इन बीमारियों का इलाज विकसित करने और भविष्य में उन्हें रोकने पर काम करती है।

बायोइनफॉरमैटिक्स

यह एक अंतःविषय सब्जेक्ट है जो जैविक डेटा को समझने के लिए जीव विज्ञान, कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैथ्स को जोड़ता है। इस क्षेत्र का उपयोग मुख्य रूप से जैविक डेटा का आकलन करने और रिसर्च करने के लिए वैध और आवश्यक एलिमेंट्स की पहचान करने के लिए किया जाता है।

नैनोटेक्नोलॉजी

नैनोटेक्नोलॉजी एक अन्य अंतःविषय फील्ड है जो जेनेटिक इंजीनियरिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आणविक या परमाणु पैमाने पर पदार्थ के हेरफेर से संबंधित है। हेल्थ केयर में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को देखने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग में इस क्षेत्र का उपयोग किया जाता है। नैनो टेक्नोलॉजी और जेनेटिक इंजीनियरिंग दो प्रमुख क्षेत्र हैं जिन्होंने हेल्थ सेक्टर में सुधार के लिए गहन रूप से काम किया है।

फ्रीडम भी देता है।

एमबीए का कोर्स

आज के समय में लोग डॉक्टर की डिग्री लेने के साथ मैनेजमेंट में भी डिग्री लेना चाहते हैं, ऐसे लोगों के लिए एमबीए बेहतर विकल्प है। कुछ लोग इसे एंटरप्रेन्योरल स्किल डेवलेप करने और हेल्थकेयर प्रतिष्ठानों के मैनेजमेंट में करियर के अवसरों का पता लगाने के लिए लेते हैं। इसके लिए एमबीए इन हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमबीए इन जनरल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एंड



हेल्थ मैनेजमेंट जैसे कोर्स मौजूद हैं।

एमएससी का कोर्स

एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास एमएससी करना अच्छा विकल्प है, एमबीबीएस ग्रेजुएट्स इनमें से किसी भी क्षेत्र में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, एयरोस्पेस मेंडिसिन, एनाटॉमी, एनेस्थीसिया, बायोकेमिस्ट्री, डर्मेटोलॉजी, वेनेरलॉजी एंड लेप्रोसी, फॉरेंसिक मेंडिसिन, जेरियाट्रिक, ईएनटी के अलावा कई अन्य क्षेत्र हैं।

संयुक्त चिकित्सा सेवा क्षेत्र

यूपीएससी रेलवे, नगर निगम जैसे सरकारी



देना चाहते हैं जीमैट तो जानें एग्जाम पैटर्न और योग्यता

विदेश की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। इसके लिए एग्जाम दुनियाभर में आयोजित की जाती है, जिनमें अच्छा स्कोर लाने वाले छात्र विदेश के कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, इन्हीं में से एक है जीमैट एग्जाम। अगर आप अपनी हायर स्टडीज के लिए जीमैट देना चाहते हैं तो आपको इससे जुड़ी सभी जानकारीयां यहां दे रहे हैं।

जीमैट क्या है ?

जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है, जिसको पास करने के बाद आप दुनियाभर के टॉप बिजनेस और मैनेजमेंट स्कूल्स में एडमिशन ले सकते हैं। इस परीक्षा को आप तभी दे सकते हैं जब आप ग्रेजुएशन के बाद बिजनेस या मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हो। जीमैट को 110 देशों की यूनिवर्सिटी द्वारा मान्य किया गया है।

जीमैट की योग्यता

जीमैट की परीक्षा देने के लिए किसी खास योग्यता की मांग नहीं की जाती, कोई भी व्यक्ति इस परीक्षा को दे सकता है, लेकिन एग्जाम हो जाने के बाद जिस यूनिवर्सिटी में आपको एडमिशन लेना है उसके बारे में आपको जरूर जानना होगा। आप सबसे पहले ये तय करें की आप किस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं, उस यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए कितना जीमैट स्कोर चाहिए होता है और उसकी योग्यता क्या होती है। जीमैट के लिए कैसे अप्लाई करें जीमैट के लिए आप ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं, इसके लिए सालभर रजिस्ट्रेशन होते रहते हैं। सबसे पहले ये तय करें की आपको ग्रेजुएशन के बाद कौन सा कोर्स करना है, वो भी किसी विदेशी यूनिवर्सिटी से, तभी इस एग्जाम को दें। यूनिवर्सिटी की क्या योग्यता है, कितनी फीस है ये सारी डीटेल्स चेक करें। एग्जाम देने के लिए आपकी उम्र भी 18 साल या उससे ज्यादा होनी चाहिए, अगर आपकी उम्र 13 से 17 साल के बीच में है तो आपके पेरेंट्स के हाथों लिखा हुआ लेटर आपको देना पड़ता है।

जीमैट एग्जाम फॉर्मेट

- जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है जो साढ़े तीन घंटे का होता है इसमें एक सेक्शन खत्म होने पर आपको कुछ मिनट का ब्रेक भी मिलता है। इसमें कुल 4 सेक्शन होते हैं।
- पहला सेक्शन विश्लेषणात्मक

अगर आप आने वाले दिनों में जीमैट एग्जाम देने वाले हैं, तो एग्जाम पैटर्न से लेकर योग्यता तक पूरी डीटेल जान लें

- लेखन मूल्यांकन का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें सिर्फ 1 ही प्रश्न होता है।
- दूसरा सेक्शन इंटरग्रेटेड रीजनिंग का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं।
- तीसरा सेक्शन मात्रात्मक तर्क का होता है जो 62 मिनट का होता है, इसमें कुल 31 प्रश्न पूछे जाते हैं।
- चौथा सेक्शन वरवल रीजनिंग का होता है, ये 65 मिनट का होता है और इसमें 36 प्रश्न पूछे जाते हैं।

कैसे करें तैयारी

- आप सबसे पहले जीमैट एग्जाम फॉर्मेट को समझें, जीमैट आपसे किस तरह के प्रश्न पूछ रहा है ये जानना जरूरी है।
- ये जानने के लिए जब आप रजिस्ट्रेशन करते हैं तो आपको उनकी वेबसाइट पर फ्री स्टडी मटेरियल मिलता है, आप उसे स्टडी करें और पता करें कि किस तरीके से प्रश्न पूछे गए हैं। और फिर उसी तरीके से एग्जाम की तैयारी करें।
- एग्जाम पैटर्न चेक करने के बाद ये देखें कि उस एग्जाम के हिसाब से आप कहां पर हैं, मतलब आपको पढ़ाई में स्थिति कैसी है, फिर उस हिसाब से अपने सिलेबस को कवर करने की कोशिश करें।
- इस एग्जाम के लिए आप सेल्फ स्टडी करें तो ज्यादा अच्छा है लेकिन यदि आपको पढ़ने में ज्यादा दिक्कत हो रही है तो आप कोचिंग भी ले सकते हैं।
- जीमैट की तैयारी के लिए 3 से 6 महीने का समय पर्याप्त माना गया है, अगर आपको इससे ज्यादा समय लग रहा है तो आप कॉलेज के दिनों में ही इसकी तैयारी चालू कर दें।

संस्थानों में चिकित्सा अधिकारियों के रूप में भर्ती के लिए हर साल जुलाई- अगस्त के महीने में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा आयोजित करता है। उम्मीदवार एमबीबीएस की डिग्री के अंतिम वर्ष में उत्तीर्ण होने के बाद परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यूपीएससी-सीएमएस से जुड़ी प्रतियोगिता, गौरव और शक्ति भारतीय समाज में कहीं अधिक है। कुछ के लिए यूपीएससी के माध्यम से भर्ती प्राप्त करना लक्ष्य होता है। यह एक अच्छा विकल्प है, यदि आप सरकार के साथ एक स्थायी नौकरी चाहते हैं और यदि आप अस्थिरता के प्रशासनिक कार्यबल का हिस्सा बनना पसंद करते हैं।

डीएनबी कोर्स करना

एमबीबीएस के अलावा दूसरा विकल्प डीएनबी कोर्स करना है। डीएनबी कोर्स एक स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम है जो नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा दिया जाता है, यह एमसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त है।

क्लीनिकल रिसर्च

जब रिसर्च के क्षेत्र की बात आती है, तो भारत अभी भी ग्रे कर रहा है और डेवलेप हो रहा है। इसके लिए विलनिकल रिसर्च की बहुत जरूरत होती है। विभिन्न संस्थान जो रिसर्च के अवसर प्रदान करते हैं वे हैं इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च, सीसीएमबी, सेंट जॉन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, डब्ल्यूएचओ। इसके अलावा एम्स, पीजीआई, निर्महंस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च जैसे कई संस्थान पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं।

आरपीएफ डेहरी ऑन सोन ने नकद 51, 69, 450/-रुपए बरामद किया

आरपीएफ डेहरी ऑन सोन ने गाड़ी सं.-22308 डाउन में यात्रातर 01 व्यक्ति के कब्जे से नकद 51,69,450/-रुपए बरामद कर अग्रिम कार्रवाई हेतु जीआरपी डेहरी को किया सुपुर्द।

ट्रेन में अवैध रूप से ले जा रहे नगद 51,69,450/- रुपए के साथ एक व्यक्ति को आरपीएफ डेहरी ऑन सोन ने पकड़ कर अग्रिम कार्रवाई हेतु जीआरपी डेहरी को किया सुपुर्द।

नवप्रदेश/डेहरी। दिनेश सिंह तोमर/व.म. सु.आ./डीडीयू के निर्देशन में गाड़ी संख्या 22308 डाउन के मार्गरक्षण दल के इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक/ शरद चंद्र सिंह यादव से प्राप्त सूचना के आलोक में श्री राज किशोर कछवाहा/प्रभारी निरीक्षक/रेल सुरक्षा बल पोस्ट/डेहरी ऑन सोन



एवं श्री पंकज कुमार, थानाध्यक्ष/राजकीय रेल पुलिस

थाना/डेहरी ऑन सोन के नेतृत्व में उप निरीक्षक/अमरजीत दास,उप

निरीक्षक मनोज कुमार,सहायक उप निरीक्षक/राजेंद्र दास,

मेमू ट्रेन की चपेट मेंआने से मांऔर बेटी की हुई मौत

नवप्रदेश/बेतिवा। इन दिनों रेलवे ट्रैक पर मौत होने का सिलसिला थमता नजर नहींआ रहा है नित्यादिन इस तरह की घटना देखने सुनने को मिल रही है,कभी रेलवे ट्रैक पर रील बनाते समय युवक की मौत,कभी महिला की मौत कभी विक्षित की मौत, युवक,युवतियों का प्रेम जाल मेंअसफल होने पर, जमीनी विवाद पारिवारिक विवाद में ट्रेन से कटने की घटना आम बात बन गई है इसी क्रम में संवाददाता को पता चला है कि नरकटियागंज मुजफ्फरपुर रेल खंड पर ट्रेन की चपेट मेंआने से मांऔर उसकी 5 वर्षीय मानसुन बेटी की मौके परी मौत हो गई।घटना के बारे में संवाददाता को पता चला है कि यह घटना नरकटियागंज थाना क्षेत्र के सांफवाटोला की बताई गई है।मृतकों की पहचान,सोफवा गांव निवासी,संकेश चौधरी की पुत्री,जानकी देवी,उम्र 30 वर्ष और उनकी 5 वर्षीय मासुम बेटी,पिंजल कुमारी के रूप में की गई है। यह घटना सोफा टोला के पास रेलवे ट्रैक पर की बताई गई है, मिट्टी काअपने मासूम बेटी के साथ रेलवे ट्रैक पार कर रही थी,तभीअचानक नरकटियागंज मुजफ्फरपुर मेमू ट्रेनआ गई,जिससे मां, बेटी दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई, ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी तभी शिकारपुर थानाअध्यक्ष अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों शो को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीयअस्पताल भेज दिया।घटना की सूचना पाकर परिवारजनों में कोहराम मच गया,ग्रामीण क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई,इस घटना से परिवार जनों का रो-रो का बुरा हाल है।पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

रिशवत लेते शिकारपुर धाने का ए एसआई उपेंद्र कुमार विद्यार्थी गिरफ्तार, निगरानी टीम ने रंगे हाथ दबोचा



नवप्रदेश/क्षितिज राज शिकारपुर। पश्चिम चंपारण जिले से बड़ी खबर सामने आई है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने शिकारपुर थाने में तेनात अरक उपेंद्र कुमार विद्यार्थी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दारोगा की गिरफ्तारी के बाद पुलिस महकम में हड़कंप मच गया है।जानकारी के अनुसार, ए एसआई पर एक मामले में शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। शिकायत मिलने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने मामले की जांच शुरू की। आरोपों की पुष्टि होने के बाद टीम ने ए एसआई को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।बताया जाता है कि सोमवार को निगरानी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। जैसे ही दारोगा ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम ली, पहले से मुस्तैद निगरानी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम दारोगा को अपने साथ ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। दारोगा की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही शिकारपुर थाना परिसर और आसपास के इलाके में चर्चा तेज हो गई। निगरानी विभाग की कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।फिलहाल निगरानी टीम गिरफ्तार दारोगा से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि रिश्वत की मांग किस मामले को लेकर की गई थी और इस प्रकरण में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका है या नहीं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

कैजरी पंचायत की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों की बैठक अतिक्रमण हटाने से लेकर उच्च विद्यालय निर्माण तक उटी मांग

सुमलेश कुमार पंचायत के दर्जनों समस्याओ को ग्रामीणों के सामने रखा जिस पर सबों ने सहमति दिए

नवप्रदेश/सुमलेश कुमार/बेलदौर। प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय कैजरी के प्रांगण में रविवार को कैजरी पूर्वी पार के ग्रामीणों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत में कई मूलभूत समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, जिनके समाधान के लिए अब सामूहिक स्तर पर पहल करने की आवश्यकता है।

बैठक की अध्यक्षता सत्यनारायण यादव ने की, जबकि मंच संचालन मधुसूदन यादव द्वारा किया गया। बैठक में कृपानंद यादव, रविंद्र कुमार रमन, डॉ. तेज नारायण यादव, सुरेश पंडित, पैक्स अध्यक्ष सुरज कुमार, दुष्यंत कुमार, फुदो साह, सनोज कुमार, अवधेश पंडित सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान कई ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं सुझावों को प्रमुखता से रखा।

सड़क एवं नाला को अतिक्रमण मुक्त कराने की निर्णय बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कैजरी पंचायत में जिन सड़कों का निर्माण करया गया है, उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई



जगह सड़क एवं नाला के किनारे लोगों द्वारा टाट लगाकर तथा गोबर आदि रखकर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे आम लोगों को त्रास, ताकि विद्यालयों में पढ़ाई, शिक्षकों की उपस्थिति, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया जा सके।

ग्रामीणों ने कैजरी पंचायत में उच्च विद्यालय भवन के लिए जमीन चिन्हित कर नया भवन निर्माण करने की मांग की। साथ ही पुराने भवन को तोड़कर नए भवन का निर्माण, विद्यालय परिसर में बाउंड्रीवाल, शुद्ध पेयजल एवं छात्र-छात्राओं के लिए पर्याप्त शौचालय की व्यवस्था कराने की

मांग भी उठाई गई।

पूर्वी और पश्चिमी पार के बीच पुल निर्माण की मांग कैजरी पंचायत के पूर्वी पार एवं पश्चिमी पार के बीच आवागमन को सुगम बनाने के लिए ग्रामीणों ने पुल निर्माण की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों का कहना था कि पुल का निर्माण होने से विद्यार्थियों सहित आम लोगों को आने-जाने में काफी सुविधा होगी और दोनों पार के लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा।

शवदाह गृह और विवाह भवन की मांग



परीक्षा में नकारात्मक अंकन का प्रावधान रहेगा, जिससे अभ्यर्थियों को बिना सोचे-समझे उत्तर देने से बचना होगा।भाषा विवाद पर आयोग ने दी सफाईपरीक्षा को लेकर हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के अभ्यर्थियों के बीच अंक देने में कथित भेदभाव की चर्चाओं पर भी आयोग ने स्थिति स्पष्ट की है। आयोग का कहना है कि अभी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का अंतिम आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड पर सीएम का बड़ा ऐलान

पटना। बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता दूर कर दी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि योजना के तहत विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी और उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में किसी भी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिल रहा है और यह सुविधा आगे भी पूर्ववत् जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार युवाओं की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षा के रास्ते में आर्थिक संसाधनों को बाधा नहीं बनने दिया जाएगा।



भीड़ प्रबंधन और विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

नवप्रदेश/सहरसा। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी को विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर

आरक्षी/शैलेश कुमार सभी रेल सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन तथा उप निरीक्षक/ नागेश्वर मंडल/राजकीय रेल पुलिस थाना/डेहरी ऑन सोन साथ स्टाफ संयुक्त रूप गाड़ी सं.- 22308 DN (बीकानेर- हावड़ा एक्स.) के डेहरी ऑन सोन प्लेटफॉर्म सं.- 04 पर आगमन पर उक्त गाड़ी के कोच संख्या अ 1 को अटैंड कर एक यात्री को 01 मैरून कॉफी रंग का पिट्टू बैग के साथ उतारा गए। पूछताछ करने पर अपना नाम व पता-किरण बाला साहेब जाधव,उम्र करीब-27 वर्ष, पिता-बालासौं उर्फ किशनराव दादासाहेब जाधव, निवासी- खरातवाड़ी, शिवने, सोलापुर थाना-सांगला, जिला-सोलापुर (महाराष्ट्र), बताया। उसके पास से बरामद मैरून रंग का पिट्टू बैग में रखे सामानो के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि इसमें कैश (नकद)

BPSC TRE-4 को लेकर आयोग का बड़ा फैसला

ऐसे में किसी माध्यम के अभ्यर्थियों को कम या अधिक अंक देने की बात निराधार है। आयोग ने इस तरह की चर्चाओं को अफवाह करार दिया है।अक्टूबर में घोषित हो सकती है परीक्षा की तारीखआयोग के मुताबिक छप्पर-4 की परीक्षा की अंतिम तारीख की घोषणा अक्टूबर में की जा सकती है। सितंबर के अंत तक आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का पूरा डेटा आयोग के पास पहुंचने की उम्मीद है। इसी के आधार पर परीक्षा की आंगे की रणनीति तय की जाएगी।संभावना जताई जा रही है कि छप्पर-4 परीक्षा का आयोजन दिसंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच किया जा सकता है। अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने की स्थिति में परीक्षा

कई चरणों में आयोजित कराई जा सकती है।71वीं इहरड और अएउड परीक्षा पर भी अपडेट आयोग ने 71वीं इहरड परीक्षा को लेकर भी जानकारी दी है। इसके परिणाम सितंबर महीने में जारी किए जाने की संभावना बताई गई है। वहीं अएउड परीक्षा के आयोजन को लेकर भी आयोग की ओर से निर्धारित समय-सीमा के अनुसार तैयारी की जा रही है।

छप्पर-4 को लेकर आयोग के इन फैसलों के बाद शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के बीच परीक्षा पैटर्न को लेकर स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। अब उम्मीदवारों की नजर अक्टूबर में होने वाली आधिकारिक घोषणा पर टिकी है।

अंतिम सोमवारी पर बाबा मटेश्वर व सिंहेश्वर धाम का डीआईजी ने किया निरीक्षण



सोमवारी के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, सुचारू आवागमन एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही सहरसा एवं मधेपुरा के पुलिस अधीक्षकों को भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। डीआईजी ने अफवाहों पर रोक लगाने के लिए जिला सोशल मीडिया कोषांग को सक्रिय रखने तथा किसी भी भ्रामक सूचना का तथ्यों के साथ त्वरित खंडन करने का निर्देश दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की। साथ ही लोगों से जिला प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील की गई।

एक नजर

नवपदस्थ एसपी से अभियोजन अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट



नवप्रदेश/रोहतास। नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज से सोमवार को जिला अभियोजन पदाधिकारी रमन कुमार सहित अभियोजन विभाग के अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अभियोजन कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान प्रभारी अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी मोहन कुमार, अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय तथा अभियोजन पदाधिकारी आलोक चौबे मौजूद रहे। अधिकारियों ने पुलिस एवं अभियोजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान लंबित मामलों के प्रभावी निष्पादन, अभियोजन कार्य में समन्वय तथा न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक का स्वागत करते हुए बेहतर कार्यसमन्वय की उम्मीद जताई।

सीओ ने 26 भूमिहीनों को दिया भूमि बंदोबस्ती का पर्चा



नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अंचल कार्यालय में 'अभियान बसेरा-02' के तहत भूमिहीन परिवारों को जमीन का कानूनी मालिकाना हक देने के लिए सोमवार को भूमि बंदोबस्ती पर्चा का वितरण किया गया। सीओ सुमित आनंद ने बताया कि अंचल क्षेत्र के विभिन्न गावों के कुल 26 लोगों को भूमि बंदोबस्ती का पर्चा दिया गया। सभी को उनके गांव में ही दो-दो डीसमिल भूमि का पर्चा दिया गया। इस पहल से जल्दतमद लोगों को रहने के लिए सरकारी जमीन का पक्का अधिकार मिल गया। पर्चा मिलने के बाद लाभुकों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम का आयोजन भूमिहीन परिवारों को सरकारी भूमि उपलब्ध कराने और उन्हें भूमि का कानूनी अधिकार दिलाने के उद्देश्य से किया गया। समारोह में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे भूमिहीन परिवारों को अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पर्चा सौंपा गया। इस अवसर पर सीओ सुमित आनंद, राजस्व कर्मचारी विजेन्द्र तिवारी, निरज कुमार, जितेंद्र कुमार, रविशंकर कुमार, संदीप कुमार, सुदामा राम, प्रधानलिपिक रत्नेश्वर कुमार नाजिर संदीप कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सावन महोत्सव में कजरी गीतों पर झूमे लोग



पीरो। पीरो नगर स्थित आरएनबी. पब्लिक स्कूल में सोमवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया जहां कजरी, मल्हार व सावन गीतों पर मौजूद लोग जमकर झूमे। इस दौरान बाल कलाकारों ने अपने सुरीले व मनभावन गीतों से लोगों का मन मोह लिया। महोत्सव का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव धर्मेन्द्र कुमार राय, सुमन कुमारी, प्रधानाध्यापिका कृष्णा राय व निदेशक रामाशंकर राय ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । कार्यक्रम में विद्यालय के अलग-अलग कक्षाओं के लगभग 50 बच्चों की सहभागिता रही। सभी बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान चर्चित कजरी गीत पिया मेहदी लियादअ मोतीझील से, जाके साईकिल से ना..... रेलिया बैरन पिया के लेई जाए हो, रेलिया बैरन कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया, बदरिया घिरी आई नन्दी..... आदि की प्रस्तुति से कार्यक्रम में शमां बंध गया। कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति के आधार पर बाल कलाकारों को विद्यालय परिवार द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार आरघ्या (वर्ग - सात) द्वितीय पुरस्कार सना अख्तर (वर्ग - रसी) तृतीय पुरस्कार मनीषा (वर्ग - दशम) को दिया गया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय शिक्षक-शिक्षिका प्रीति कुमारी, काजल मिश्रा, कल्पना कुमारी, प्रिया कुमारी, जिज्ञासा कुमारी, जयप्रकाश, तथा प्रदीप कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पंखा चलाने के लिए रिक्च दबाने गई छात्रा की कर्टं लगने से मौत

गोपालपुर थाना क्षेत्र के नोनियावा टोला की घटना, परिजनों में मचा कोहराम

नवप्रदेश/गोपालपुर। थाना क्षेत्र के नोनियावा टोला में विद्युत कर्टं की चपेट में आने से 10 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। मृतका जितेंद्र शाह और रिकी देवी की पुत्री थी। वह पास के ही एक सरकारी शिक्षण संस्थान में कक्षा पांच की छात्रा थी।बताया जाता है कि छात्रा घर में पंखा चलाने के लिए विद्युत बोर्ड के पास रिक्च दबाने गई थी। इसी दौरान बोर्ड में कर्टं आ जाने से वह विद्युत प्रवाह की चपेट में आ गई। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। छात्रा की मौत की खबर फैलते ही गांव में भी मातम का माहौल है। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बाबा विश्वंभरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का जनसेलाब, हजारों कांवरियों ने किया जलाभिषेक!

नवप्रदेश/बाहा। श्रावण मास की चौथी एवं अंतिम सोमवारी को बाबा विश्वंभरनाथ धाम में श्रद्धा और आस्था का जनसेलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में कांवरिया वाल्मीकिनगर के त्रिवेणी संगम से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल बाबा विश्वंभरनाथ धाम पहुंचे और भावान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया शुभ करीब 1 बजे से ही मंदिर परिसर एवं आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजन लगा। कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवा के लिए बाबा विश्वंभरनाथ धाम मंदिर कमेटी के सदस्यों के साथ विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने जगह-जगह शराबत, दवा, फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की। श्रद्धालुओं के लिए विश्राम शिविर भी लगाए गए। वहीं, बगहा पुलिस प्रशासन की ओर से भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में स्कूल बस से भिड़ी डिलीवरी वैन, आठ घायल द हेग,

नीदरलैंड में सोमवार तड़के वेजेप के पास ए28 मोटरवे पर एक स्कूली बस और डिलीवरी वैन की जबरदस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में ड्राइवर समेत आठ लोग घायल हो गए। डच पुलिस ने पुष्टि की कि नीदरलैंड के पूर्वी हिस्से में ये स्थल स्थित है और यहीं जर्मन हाई स्कूल के छात्रों को ले जा रही थीं। वहीं ऑस्ट्रियाई बस दूसरे वाहन से भिड़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए दुर्घटनास्थल पर तीन ट्रॉमा हेलीकॉप्टर भी भेजे गए। स्थानीय मीडिया के हवाले से सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया, पुलिस को स्थानीय समानुसार सुबह लगभग 4:20 बजे (0220 जीएमटी) दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिस के अनुसार, घायलों में वैन का ड्राइवर भी शामिल था। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इससे पहले डच पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनओएस की रिपोर्ट के अनुसार, बस में 50 से ज्यादा लोग सवार थे, जिनमें से ज्यादातर जर्मन स्कूली छात्र थे। घटनास्थल पर आपातकालीन सेवाओं को तैनात किया गया। दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। पुलिस और क्षेत्रीय सुरक्षा प्राधिकरण के अनुसार, बस में करीब 50 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वैन से टकराने के बाद बस सड़क से उतर गई। बस में सवार ज्यादातर किशोर छात्र थे। डच न्यूज के अनुसार, टक्कर से वैन दो हिस्सों में बंट गई। इस हादसे में ड्राइवर भी चोटिल हुआ जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अन्य लोगों का घटनास्थल पर ही मामूली चोट के लिए इलाज किया गया। दुर्घटनास्थल पर तीन ट्रॉमा हेलीकॉप्टर भेजे गए थे। हादसे के बाद मोटरवे पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से रोक दिया गया और अलग-अलग रास्तों से ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नीदरलैंड सरकार के ट्रैफिक सूचना सेवा विभाग ने बताया कि चूंकि हादसा संकरी लेन में हुआ इसलिए बचाव और राहत कार्य में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

फ्रांस में एयर इंडिया क्रैश के पीड़ितों को सेंट-गेरवाइस मेमोरियल पर दी गई श्रद्धांजलि पेरिस,

फ्रांस में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने सोमवार को मोंट ब्लॉक के निड-डीएगल में 1950 और 1966 की एयर इंडिया दुर्घटनाओं के पीड़ितों के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस स्मारक के उद्घाटन की सातवीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था। उप मिशन प्रमुख (डीसीएम) ईनम गंभीर ने एयर इंडिया के दो विमान हादसों के पीड़ितों को समर्पित स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। 1966 की दुर्घटना में भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक और अग्रणी परमाणु वैज्ञानिक होमी जे. भाभा का भी दुखद निधन हो गया था। अपनी यात्रा के दौरान गंभीर ने सेंट-गेरवै-ले-बैं के मेयर जीन-मार्क पेइलेक्स से भी मुलाकात की और निद-डीहूगल स्थित एयर इंडिया स्मारक की देखाबाल के लिए सेंट गेरवै नगर पालिका का आभार व्यक्त किया। दोनों के बीच इस साझा स्मृति स्थल के संरक्षण पर निरंतर सहयोग और भारत-फ्रांस के बीच जन-जन के संबंधों को गहरा करने पर चर्चा हुई। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, स्मृति समारोह आयोजित करने के लिए मेयर जीन-मार्क पेइलेक्स और सेंट गेरवै नगर पालिका के आभारी हैं। डीसीएम ने ले फाये कब्रिस्तान का भी दौरा किया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। इस स्मारक का डिजिटल उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त 2019 को अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान किया था।उसी दिन पेरिस में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में अपने संबोधन के दौरान, पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि भारत और फ्रांस दुख की घड़ी में भी एक-दूसरे के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा था, इसका एक उदाहरण फ्रांस में दो एयर इंडिया विमान हादसों का यह स्मारक भी है। इन हादसों में कई भारतीय यात्रियों की मृत्यु हुई थी। भारत के सबसे महान वैज्ञानिकों में से एक डॉ. होमी जहांगीर भाभा उनमें से एक थे। मैं भारत के उस महान सपूत और इस हादसे में जान गंवाने वाले अन्य भारतीयों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, इस स्मारक का हर पत्थर एक-दूसरे के प्रति हमारे नागरिकों की संवेदनशीलता का प्रतीक है। हम सेंट-गेरवै के उन गाइडों को सलाम करते हैं जिन्होंने हादसे के बाद विमान के मलबे की खोज में मदद की। मुझे उन गाइडों के परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिला। मैं उन गाइडों और उनके परिवार के सदस्यों का आभारी हूं।

सऊदी अरब के पास टैंकर पर प्रोजेक्टाइल हमला: यूकेएमटीओ



लंदन,

यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने सोमवार को बताया कि सऊदी अरब के यानबू से लगभग 63 नॉटिकल मील (117 किमी) पश्चिम में एक टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ है। जिसमें जहाज के मुख्य डेक पर आग लग गई।

जहाज की कंपनी के सुरक्षा अधिकारी के हवाले से एजेंसी ने बताया कि ऋ सुरक्षित है और सभी मौजूद हैं। वहीं, ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा कंपनी वैनगार्ड टेक ने बताया कि सऊदी झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइल से हमला हुआ और उसमें आग लग गई।

यानबू सऊदी अरब का मुख्य ऑयल पोर्ट है, जहां से रोजाना लाखों बैरल तेल लोड किया जाता है। होर्मुज की नाकेबंदी के बाद यह सऊदी तेल निर्यात का मुख्य रास्ता बन गया है।

पिछले महीने यमन के ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने रेड सी में सऊदी से जुड़े जहाजों की नाकेबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद से यानबू से होने वाली शिपिंग में भी रुकावट आई है।

यह घटनाक्रम इस इलाके में हाल ही में हुए कई हमलों के बाद हुआ है। इससे पहले 17 अगस्त को, हूती ने कहा था कि उसने लाल सागर में दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोचा के पास सऊदी सेना के एक लैंडिंग शिप और उसके साथ चल रहे चार एस्कोर्ट जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था।

उस ऑपरेशन के बारे में बताते हुए, हूती सेना के प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि यह हमला कई बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर-के किया गया था और सीधा और सटीक था। उन्होंने दावा किया कि लैंडिंग जहाज में आग लग गई, जबकि कुछ एस्कोर्ट करने वाली नावें डूब गईं और अन्य में आग लगा दी गई।

मोचा, रणनीतिक बाब अल-मंदब स्ट्रेट के पास सरकार के नियंत्रण वाला एक बंदरगाह शहर है। ये लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और इस तरह ये दुनिया के एक प्रमुख समुद्री चोकपॉइंट (संकरे समुद्री रास्ते) के करीब स्थित है।

ट्रंप के अप्रत्याशित व्यवहार की वजह से भारत ने बरती सावधानी

नई दिल्ली,

भारत ने इस साल जून में फ्रांस के एवियान में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के दौरान ह्सावधानीपूर्ण रुख अपनाया था।

शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह फैसला ट्रंप के अप्रत्याशित व्यवहार को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की सप्ताहांत में एक कार्यक्रम के दौरान की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मामले से परिचित सरकारी अधिकारियों ने कहा कि किसी भी वीवीआईपी यात्रा से पहले नेताओं के सार्वजनिक कार्यक्रमों और मीडिया से बातचीत की व्यवस्था को लेकर चर्चा सामान्य प्रक्रिया है।

सऊदी अरब में भारतीय राजदूत और जीसीसी महासचिव की अहम बैठक, एफटीए और आपसी सहयोग पर हुई चर्चा

रियाद,

भारत और गल्फ कोऑपेरेशन काउंसिल (जीसीसी) के बीच आपसी सहयोग को लेकर चर्चा हुई। बातचीत में भारत-जीसीसी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की वाताओं पर भी बात की गई। यह चर्चा सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल और जीसीसी के महासचिव जसीम मोहम्मद अल-बुदैवी के बीच हुई बैठक के दौरान हुई। दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, राजदूत विपुल ने आज जीसीसी के महासचिव जसीम मोहम्मद अल-बुदैवी से मुलाकात की। दोनों ने भारत-जीसीसी



दरअसल, गोर ने कहा था कि भारत ने दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद मीडिया के साथ किसी भी संयुक्त बातचीत से बचने का

ह्दविशेष अनुरोध किया था। एक अधिकारी ने कहा, इस संबंध में भारतीय पक्ष ने ऐसी यात्राओं के लिए अपनी मानक प्रक्रिया से

अमेरिकी पक्ष को अवगत कराया। जब कोई प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलता है तो उनके अप्रत्याशित व्यवहार को लेकर

शामिल हैं। इन देशों के बीच विशेष संबंध, भौगोलिक निकटता, इस्लामी मान्यताओं पर आधारित समान राजनीतिक व्यवस्था, साझा हित और समान लक्ष्य इसकी स्थापना की प्रमुख वजह थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, भारत और जीसीसी देशों के बीच लंबे समय से घनिष्ठ और दोस्ताना संबंध रहे हैं। इन संबंधों की मजबूत नींव व्यापार और लोगों के बीच गहरे संपर्कों पर आधारित है। हाल के वर्षों में भारत और जीसीसी देशों के रिश्ते व्यापार, निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, तकनीक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे कई क्षेत्रों में और मजबूत हुए हैं। जीसीसी क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

मानवाधिकार संगठन ने बांग्लादेश सरकार से कहा, अवामी लीग नेताओं को लंबे समय तक हिरासत में रखना ठीक नहीं

न्यूयॉर्क,

बांग्लादेश में राजनीति से प्रेरित पुलिस हिरासत और गिरफ्तारी को लेकर अमेरिकी मानवाधिकार संगठनून मन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) ने चिंता जताई है। संगठन ने बांग्लादेशी प्रशासन से अपील की है कि वो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगुवाई वाली अवामी लीग सरकार से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ मामलों का निपटारा जल्द करने की कोशिश करे। संगठन का दावा है कि सैकड़ों लोग बिना किसी अपराध के जेल में कैद हैं। एचआरडब्ल्यू ने बताया कि अगस्त 2024 में हफ्तों तक चले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना के सत्ता से हटने पर पुलिस ने पार्टी के हजारों अधिकारियों, कार्यकर्ताओं



और समर्थकों को हिरासत में ले लिया था। संगठन ने कुछ आंक-ड़ों की जुवाकी बताया कि फरवरी 2026 में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के पद संभालने के बाद से अवामी लीग के करीब10 पदाधिकारियों की जेल में मौत हो चुकी है। उनके मुताबिक, इनमें से ज्यादातर वो लोग थे जिनके किसी भी अपराध में शामिल होने

का कोई सबूत नहीं था। एचआ-रडब्ल्यू के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों के परिवारों और वकीलों का आरोप है कि उनमें से कई लोगों को (जिनमें बुजुर्ग और गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग भी शामिल हैं) जमानत और इलाज जैसी बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया नहीं कराई गईं। संगठन के एशिया क्षेत्र की

निदेशक ऐलेन पियर्सन ने कहा, एक के बाद एक सरकारों के दौर में, विपक्ष के सैकड़ों सदस्यों को बिना किसी सबूत या उचित कानूनी प्रक्रिया के जेल में डाला गया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने सुधार का वादा किया था, और पहले कदम के तौर पर उन्हें राजनीतिक विरोधियों की मनमानी और लंबी हिरासत को खत्म करना चाहिए। मानवाधिकार संगठन ने सत्ताधारी बीएनपी सरकार के नए ह्वाराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग विधेयक की आलोचना करते हुए कहा कि अगर इसे मौजूदा रूप में अपनाया जाता है, तो नए आयोग से मनमानी गिरफ्तारियों की जांच करने की शक्ति छिन जाएगी। एचआरडब्ल्यू ने कहा, बिना किसी आरोप के हिरासत में लिए गए लोगों में अवामी लीग के पूर्व

सांसद, हसीना प्रशासन का समर्थन करने वाले अन्य पूर्व विधायक, और अवामी लीग स-रकार का समर्थन करने वाले कार्यकर्ता, अधिकारी और पत्र-िकार शामिल हैं। सुरक्षा बलों के सदस्यों सहित अन्य लोगों पर गैर-न्यायिक हत्याओं, यातना और लोगों के गायब होने जैसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के आरोप हैं। कुछ पर भ्रष्टाचार के आरोप भी हैं। मानवाधिकार संगठन ने आगे कहा कि मामलों में सबूत न होने के बावजूद स-रकारी वकीलों ने बार-बार जमानत का विरोध किया है। इस्-के अलावा, संगठन ने कहा कि बांग्लादेश में निचली मजिस्ट्रेट और जिला अदालतें जमानत देने से इनकार करती रही हैं, जबकि सरकारी अधिकारियों द्वारा नए मामले दर्ज किए जाने के कारण

जमानत देने वाले हाई कोर्ट के आदेशों को भी दरकिनार कर दिया जाता है। लगातार हिरासत में रखने और हिरासत के दौरान होने वाली मौतों पर गहरी चिंता जताते हुए, एचआरडब्ल्यू ने कहा कि किसी जज या सक्षम अधिकारी को हर हिरासत में रखे गए व्यक्ति की हिरासत की समीक्षा करनी चाहिए ताकि यह तय किया जा सके कि आरोप भी हैं। मानवाधिकार संगठन ने कहा कि ट्रायल से पहले लगाई गई कोई भी पाबंदी आजादी के अधिकार, बेगुनाह माने जाने के अधिकार और समानता के अधिकार के अनुरूप होनी चाहिए। पियर्सन ने कहा, एक ऐसी न्याय व्यवस्था जो बुजुर्गों को उन पर आरोप लगाने से पहले ही हिरासत में मरने देती है,

स्थानीय मुद्राओं में व्यापार ब्रिक्स और अफ्रीका के लिए साबित हो सकता है गेमचेंजर, भारत-मॉरीशस साझेदारी को मिलेगी नई ताकत: मॉरीशस की मंत्री (आईएनएस इंटरव्यू)

नई दिल्ली,

मॉरीशस की वित्तीय सेवा एवं आर्थिक योजना मंत्री ज्योति जीतून ने कहा है कि यदि न केवल भारत और मॉरीशस के बीच, बल्कि व्यापक स्तर पर ब्रिक्स देशों और अफ्रीकी महाद्वीप के साथ भी स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शुरू होता है, तो यह संबंधित अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में डॉलर जैसी हार्ड करेंसी पर निर्भरता कम करना विकासशील देशों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है। न्यूज एजेंसी आईएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में जीतून ने कहा कि वर्तमान समय में भू-राजनीति और वैश्विक दक्षिण को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है, ऐसे में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का मुद्दा भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने बताया कि मॉरीशस बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक

(आरबीआई) ने पिछले वर्ष भारतीय रुपए और मॉरीशस रुपए के लिए एक क्लियरिंग व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। मंत्री ने कहा, हार्ड करेंसी के बजाय यदि हम अपनी स्थानीय मुद्राओं में सीधे व्यापार कर सकें, तो इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। मॉरीशस बैंक और आरबीआई इस व्यवस्था को लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इससे विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम होगी और वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में हमारी अर्थव्यवस्थाओं को महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। ज्योति जीतून ने आईएनएस से भारत की आर्थिक प्रगति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्दविकसित भारत 2047 विजन की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉरीशस के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा, जब यह यात्रा शुरू हुई थी, तब भारत दुनिया की 10वीं या 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन



चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। भारत की विकास गाथा स्वयं अपनी कहानी कहती है। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक सहयोग एवं साझेदारी समझौते (सीईसीपीए) के लागू होने के बाद भारत और मॉरीशस के बीच व्यापार में वृद्धि हुई है, हालांकि अभी इसमें और विस्तार की काफी संभावनाएं हैं। मॉरीशस की सीमित आबादी (करीब 12 लाख) का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश का घरेलू

बाजार छोटा है, लेकिन व्यापार लगातार बढ़ रहा है। उनके अनुसार, सबसे बड़ा अवसर भारत-मॉरीशस-अफ्रीका आर्थिक गलियारें में मौजूद है। उन्होंने बताया कि मॉरीशस अफ्रीकी संघ, सदरन अफ्रीकन डेवलपमेंट कम्युनिटी (एसएडीसी) और कॉमन मार्केट फॉर ईस्टर्न एंड सदरन अफ्रीका (कोमेसा) का सदस्य है। ऐसे में मॉरीशस भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार और निवेश का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बन सकता है।

उन्होंने कहा, अफ्रीका तेज आर्थिक विकास का अनुभव कर रहा है और निवेश आकर्षित कर रहा है। इसकी बड़ी आबादी इसे भारत की तरह एक विशाल बाजार बनाती है। हम भारत और अफ्रीका को और अधिक जोड़ने तथा मॉर-शिस को व्यापक व्यापारिक मंच के रूप में विकसित करने पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीए प्रोटोकॉल) के अनुमोदन पर बोлатे हुए जीतून ने कहा कि इससे निवेशकों को अधिक निश्चितता और विश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा, अब हमें पूरा विश्वास है कि हम मॉरीशस-भारत कर संधि और आर्थिक संबंधों को लेकर निवेश-कों को स्थिरता, पूर्वाभूम्यता और भरोसा प्रदान कर सकते हैं।भारत और मॉरीशस के बीच ऊर्जा सहयोग पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले सप्ताह केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मॉरीशस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण समझौते

किए। उन्होंने बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ मॉरीशस के बीच ईंधन आपूर्ति संबंधी बिक्री और खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ज्योति जीतून ने कहा, ह्दहम इसे सिर्फ व्यापारिक संबंध नहीं, बल्कि एक व्यापक आर्थिक स-झेदारी के रूप में देखते हैं, जो मॉरीशस को महत्वपूर्ण ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण दुनिया भर में ईंधन आपूर्ति और कीमतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे समय में भारत के साथ यह सरकारी स्तर का समझौता मॉरीशस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मंत्री ने कहा, वैश्विक स्तर पर आपूर्ति शृंखलाएं प्रभावित हुई हैं और लागत बढ़ी है। ऐसे माहौल में इंडियन ऑयल के माध्यम से लागू यह सरकारी व्यवस्था मॉरीशस-भारत संबंधों का एक अत्यंत मूल्यवान और रणनीतिक हिस्सा है।